हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

www.naisochlive.com | पटना, गुरुवार, 10 सितंबर 2026, वर्ष- 09, अंक- 197, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

पेज : 12

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ घरेलू सीरीज के

शी जिनपिंग से पुतिन तक, दिल्ली में लगेगा दिग्गजों का जमावड़ा

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत इस सप्ताह दुनिया की बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के नेताओं की मेजबानी करने जा रही है। भारत 12 और 13 सितंबर को राजधानी के भारत मंडपम में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के इसमें शामिल होने की उम्मीद है, जबकि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सम्मेलन में शामिल होंगे। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान समेत कई अन्य नेताओं की मौजूदगी भी इस सम्मेलन को खास बना रही है। ऐसे में सवाल सिर्फ यह नहीं है कि ब्रिक्स सम्मेलन में कौन आ रहा है, बल्कि यह भी है कि यह मंच इतना महत्वपूर्ण क्यों है और भारत इससे क्या हासिल करना चाहता है।

अगर जिनपिंग आए तो भारत यात्रा होगी खास : शी जिनपिंग की संभावित मौजूदगी इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक होगी। अगर वह भारत आते हैं तो 2019 के मामल्लापुरम अनौपचारिक सम्मेलन के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा होगी। सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय मुलाकात की भी व्यापक उम्मीद है। दोनों देशों के बीच जटिल संबंधों के बीच ब्रिक्स का मंच उच्चस्तरीय संवाद का एक और रास्ता उपलब्ध करा सकता है।

पुतिन की मौजूदगी से बढ़ेगा रणनीतिक महत्व : रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी सम्मेलन में शामिल होंगे। यह एक साल से कम समय में उनकी दूसरी भारत यात्रा होगी। दिसंबर 2025 में नई दिल्ली में हुए वार्षिक द्विपक्षीय सम्मेलन के बाद उनकी यह अगली भारत यात्रा होगी।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026

दिल्ली में जुटेंगे ब्रिक्स के बड़े नेता

18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेजबान के तौर पर हिस्सा लेंगे। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के आने की उम्मीद है, हालांकि उनकी भागीदारी की औपचारिक पुष्टि नहीं हुई है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सम्मेलन में शामिल होंगे। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान और इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद भी शामिल होने वालों में हैं।

आखिर ब्रिक्स है क्या?

ब्रिक्स का गठन 2006 में एक अनौपचारिक समूह के रूप में हुआ था और इसका पहला औपचारिक शिखर सम्मेलन 16 जून 2009 को हुआ। आज इसमें ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात समेत 11 देश हैं। भारत ब्रिक्स का संस्थापक सदस्य है। 2026 में समूह की स्थापना के 20 वर्ष भी पूरे हो रहे हैं।

वैश्विक संस्थानों में सुधार पर भारत का जोर

ब्रिक्स के सदस्य संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में सुधार की मांग करते रहे हैं। उनका तर्क है कि इन संस्थाओं की शासन संरचनाएं उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बढ़ते आर्थिक महत्व को पर्याप्त रूप से प्रतिबिंबित नहीं करतीं। यह मुद्दा भारत की प्राथमिकताओं से भी जुड़ा हुआ है।

पीएम मोदी के जन्मदिन से 17 अक्टूबर तक देशभर में होंगे जनसेवा के कार्यक्रम

नई दिल्ली। बचपन से लेकर राजनीति के सबसे बड़े मंच तक पहुंचने वाले नरेंद्र मोदी के सफर में 25 साल का एक और पड़ाव जुड़ने जा रहा है। चाय वाले छोटू नरेंद्र से पीएम नरेंद्र मोदी तक का ये सफर, भारत के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। उन्हें 7 अक्टूबर 2026 को पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभाले 25 साल पूरे होंगे। इसी खास मौके को बीजेपी ने सिर्फ जश्न के तौर पर नहीं, बल्कि 'सेवा' से जोड़ने का फैसला किया है। 17 सितंबर को पीएम मोदी के जन्मदिन से शुरू होने वाला 'सेवा संकल्प अभियान' पूरे देश में एक महीने तक चलेगा। इस दौरान कहीं रक्तदान होगा, कहीं सफाई अभियान, तो कहीं लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए कैंप लगाए जाएंगे। इन कार्यक्रमों को करने का एकमात्र लक्ष्य जनसेवा बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि आम जनता के लिए ही यह सभी शिविर लगाए जाएंगे, जिसका लाभ जन-जन ले सकता है। स्कूलों में 'विकसित भारत' पर प्रतियोगिताएं होंगी और अलग-अलग जगहों पर मोदी सरकार के कामों को दिखाने वाले कार्यक्रम भी इसमें शमिल हैं। यानी पीएम मोदी के 25 साल के सार्वजनिक जीवन की कहानी को बीजेपी लोगों के बीच सेवा और जनभागीदारी के जरिए पहुंचाना चाहती है।

देश की पहली बुलेट ट्रेन का उद्घाटन 2027 में होगा : वैष्णव

एजेंसी। नई दिल्ली

सूचना एवं प्रसारण और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि देश की पहली बुलेट ट्रेन का उद्घाटन 2027 में होगा। उन्होंने कहा कि स्वदेशी रूप से निर्मित बुलेट ट्रेन का मई-जून 2027 में ट्रैक पर परीक्षण शुरू होने की उम्मीद है और परीक्षण के बाद इसका उद्घाटन किया जाएगा। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देने के लिए आयोजित संवाददाता सम्मेलन में वैष्णव ने कहा कि बुलेट ट्रेन का उद्घाटन 2027 में तय है। पहले सूरत से बिलिमोरा के करीब 50 किलोमीटर के खंड को शुरू करने की योजना थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर सूरत से वापी तक करीब 100 किलोमीटर के पहले खंड को 2027 में खोलने की योजना है। इस खंड का निर्माण दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। मंत्री ने कहा कि भारत में निर्मित की जा रही बुलेट ट्रेन के एक कोच का निर्माण पिछले सप्ताह पूरा हो गया है। इसके बाद उस पर दबाव और जलवायु संबंधी परीक्षण किए जाएंगे तथा आंतरिक साज-सज्जा सहित अन्य काम पूरे किए जाएंगे। ट्रेन के परीक्षण के लिए अगले वर्ष मई-जून तक इसे ट्रैक पर लाने की योजना है। परीक्षण पूरा होने के बाद प्रधानमंत्री इसका उद्घाटन करेंगे। उल्लेखनीय है कि वैष्णव ने एक दिन पहले वडोदरा में भी कहा था कि देश की स्वदेशी बुलेट ट्रेन मई-जून 2027 में परीक्षण के लिए ट्रैक पर आ जाएगी और परीक्षण के बाद दो से चार महीने में इसका उद्घाटन किया जा सकता है।

बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मप्र, छत्तीसगढ़ से जुड़ी तीन मल्टीट्रैकिंग रेल परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को 10,783 करोड़ रुपये की लागत वाली रेलवे की तीन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की। इससे पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में रेल नेटवर्क में करीब 656 किलोमीटर की वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में इन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी। वैष्णव ने बताया कि मंजूर परियोजनाओं में खड़गपुर-झारसुगुड़ा (बागदेही) चौथी लाइन, कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन और बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड तीसरी लाइन शामिल हैं। परियोजनाओं को 2029-30 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इससे 14 जिलों के करीब 4,790 गांवों और 56 लाख लोगों को बेहतर रेल संपर्क मिलने की उम्मीद है। वैष्णव ने कहा कि झारसुगुड़ा से आगे छत्तीसगढ़ के हिस्से में रेल मार्गों पर गंभीर भीड़भाड़ है। पिछले 50-60 वर्षों में इस क्षेत्र में रेल नेटवर्क का पर्याप्त विकास नहीं हुआ। पिछले 12 वर्षों में छत्तीसगढ़ में कई नई रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। आदिवासी बहुल यह क्षेत्र आर्थिक और देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है।

संक्षिप्त समाचार

सूरत की टेक्सटाइल मार्केट में लगी भीषण आग, कई दुकानें जलकर राख

सूरत । गुजरात के सूरत में बुधवार देर रात एक टेक्सटाइल मार्केट में भीषण आग लग गई, जिसके बाद आग बुझाने का अभियान चलाया गया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। सूरत के सरोली इलाके में स्थित श्याम संगिनी टेक्सटाइल मार्केट में यह घटना हुई। आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते इसने कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई दे रहा था। इमारत की चौथी और पांचवीं मंजिल पर आग लगी थी, जो पूरी तरह चपेट में आ गईं। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 25 से अधिक गाड़ियां, टर्नटेबल हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म और लगभग 150 दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे। ऊंचाई अधिक होने पर आग बुझाने के दौरान दमकल कर्मियों को चुनौतियों का सामना करना पड़ा। सूरत नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी बसंत पारिख ने बताया कि सरोली में श्याम संगिनी टेक्सटाइल मार्केट है। फायर ब्रिगेड कंट्रोल रूम को रात करीब 12.50 बजे आग लगने की सूचना मिली। तीन गेटों से गाड़ियां भेजी गईं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी बसंत पारिख के अनुसार, घटनास्थल पर पहुंचने के बाद अधिकारियों ने जानकारी दी कि चौथी और पांचवीं मंजिलें आग की लपटों में घिरी हुई थीं और घने धुएं के कारण कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था।

वित्त मंत्री का इस्तीफा लेकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराए भगवंत मान सरकारः राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पंजाब में किसान गुलजार सिंह की आत्महत्या के मामले को लेकर राज्य की भगवंत मान सरकार से वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा का तत्काल इस्तीफा लेने और मामले की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

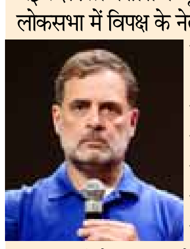

राहुल गांधी ने बुधवार को एक्स पोस्ट में आरोप लगाया कि दलित समुदाय से आने वाले गुलजार सिंह ने अपने बेटे के नशे का शिकार होने के बाद वित्त मंत्री से सरकार की ओर से ड्रग्स के कारोबार को रोकने में कथित नाकामी को लेकर सवाल किया था। इसके बाद गुलजार सिंह पर माफी मांगने के लिए दबाव बनाया गया और उन्हें प्रताड़ित तथा अपमानित किया गया। उन्होंने कहा कि इस घटनाक्रम के बाद गुलज़ार सिंह ने जहर खा लिया। गुलजार सिंह को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल ले जाया गया और इलाज नहीं मिलने के कारण आखिरकार उनकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि पंजाब में ऐसा यह पहला मामला नहीं है। पिछले सप्ताह उन्होंने मोहनजीत सिंह से भी बात की थी, जिन्हें मुख्यमंत्री मान के खिलाफ प्रदर्शन करने के कारण प्रताड़ित किया गया। राहुल ने कहा कि सरकार का काम जनता के सवालों का जवाब देना है, सवाल पूछने वालों को कुचलना नहीं। उन्होंने गुलज़ार के परिवार को जल्द न्याय दिलाने की मांग करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करनी चाहिए तथा जांच की प्राथमिकी में वित्त मंत्री का नाम दर्ज किया जाना चाहिए।

अमेरिका ने 27 ईरानी एयरलाइंस को किया बैन, कई कंपनियों को भी बनाया निशाना

आरोप- ये कंपनियां महान एयर को कार्गो सेवाएं और सहायता प्रदान कर रही थीं

वॉशिंगटन। अमेरिका के वित्त विभाग ने ईरान की 27 एयरलाइंस को अपनी स्पेशली डिजाइनेटेड नेशनल्स (एसडीएन) सूची में शामिल कर लिया है। इस कदम के साथ अमेरिका ने ईरान पर दबाव बढ़ाने की कोशिश करते हुए उसकी बची हुई सभी एयरलाइंस को निशाने पर ले लिया है। अमेरिकी वित्त विभाग ने कहा कि ईरान की वाणिज्यिक एयरलाइंस लंबे समय से ईरानी सरकार की अस्थिरता पैदा करने वाली गतिविधियों का समर्थन करती रही हैं। विभाग के मुताबिक आईआरजीसी कथित तौर पर निजी एयरलाइंस का इस्तेमाल हथियारों की खरीद और ढुलाई और अपने कर्मियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिए करता रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने पहली बार अक्टूबर 2011 में ईरान की एयरलाइन महान एयर पर प्रतिबंध लगाए थे।

इसके बाद 30 जुलाई को उसने कई कंपनियों को भी निशाना बनाया जिन्हें महान एयर के जनरल सेल्स एजेंट के रूप में देखा जाता है। नए प्रतिबंध उन गुप्त फ्रंट कंपनियों, विदेशी बिचौलियों और भ्रामक ट्रांजिट मार्गों को भी निशाना बनाते हैं, जिनका इस्तेमाल ईरान अमेरिकी मूल के विमान और संवेदनशील तकनीक हासिल करने के लिए करता है। खास तौर पर वित्त विभाग के ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल ने तुर्किये, मलेशिया और कजाकिस्तान की चार कंपनियों को प्रतिबंधित किया है।

श्रीराम के 100 साल पुराने मंदिर-मठ पर कब्जे का आरोप, ग्रामीण बोले, धार्मिक जमीन के कथित दलालों पर हो कार्रवाई

नई सोच एक्सप्रेस

पुनपुन। पुनपुन प्रखंड की बेहरावां पंचायत के शेखपुरा गांव में भगवान श्रीराम से जुड़ी 100 वर्ष से भी अधिक पुरानी धार्मिक धरोहर को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का आरोप है कि श्रीराम मंदिर एवं मठ की जमीन पर कुछ कथित जमीन दलालों और असामाजिक तत्वों की नजर है, जिन्होंने अंचल कार्यालय की कथित मिलीभगत से फर्जी तरीके से रसीद कटवाकर धार्मिक जमीन पर कब्जा कर लिया है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस भूमि पर वर्षों से भगवान श्रीराम की पूजा-अर्चना और धार्मिक गतिविधियां होती रही हैं, उस जमीन को कथित रूप से दलालों के कब्जे में देने का प्रयास ग्रामीणों की आस्था के साथ खिलवाड़ है। ग्रामीणों के मुताबिक मंदिर परिसर को भी क्षतिग्रस्त किया गया। इसके बाद गांव के लोगों ने आपसी सहयोग और चंदा जुटाकर भगवान श्रीराम के मंदिर परिसर के पुनर्निर्माण का बीड़ा उठाया है। ग्रामीणों का कहना है कि वे अपने आराध्य भगवान श्रीराम की इस प्राचीन धरोहर को किसी कथित जमीन दलाल या दबंग के कब्जे में नहीं जाने देंगे। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि धार्मिक जमीन पर कथित कब्जे का विरोध करने वालों को धमकाया जाता है और कुछ लोगों द्वारा जान से मारने की धमकी तक दी जाती है। इससे ग्रामीणों में भय और आक्रोश दोनों बढ़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि

"भगवान श्रीराम की जमीन को किसी दलाल की निजी संपत्ति नहीं बनने दिया जाएगा।" उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मठ की जमीन के पुराने दस्तावेज और राजस्व रिकॉर्ड की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा कथित फर्जी रसीद और कब्जे की जांच की जाए। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से यह भी मांग की है कि यदि जांच में जमीन पर अवैध कब्जा अथवा फर्जीवाड़ा सामने आता है तो जमीन के कथित दलालों और इसमें सहयोग

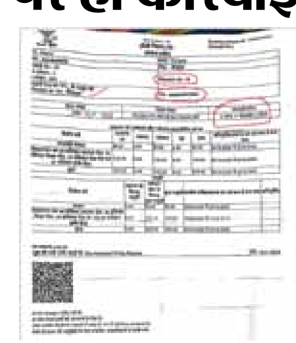

करने वाले जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।ग्रामीणों का कहना है कि यह महज जमीन का विवाद नहीं है, बल्कि भगवान श्रीराम की आस्था, सनातन परंपरा और गांव की 100 वर्ष पुरानी धार्मिक विरासत को बचाने की लड़ाई है।

प्रदर्शन में शामिल जीबीयू छात्र को 5 लाख का नोटिस, सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- कार्रवाई कैसे हुई?

ग्रेटर नोएडा। गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी (जीबीयू) के छात्र अक्षय त्रिपाठी को जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन में शामिल होने के मामले में जारी 5 लाख रुपये के नोटिस का विवाद अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। मामले का उल्लेख चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) सूर्यकांत के समक्ष किया गया। इस पर सीजेआई ने कहा कि वह गौतम बुद्ध नगर के जिलाधिकारी से मामले में जवाब मांगेंगे। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 1 सितंबर के अदालत के आदेश के बावजूद छात्र के खिलाफ कार्रवाई की गई। उन्होंने इसे सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की अवहेलना बताते हुए कहा कि इसका प्रभाव देशभर में प्रदर्शन में शामिल होने वाले छात्रों पर पड़ सकता है। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि अदालत के आदेश में स्पष्ट किया गया था कि प्रदर्शन में शामिल छात्रों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। उन्होंने मामले में गौतम बुद्ध नगर के जिलाधिकारी से जवाब लेने की बात कही। पुलिस रिपोर्ट के आधार पर 4 सितंबर को कार्यकारी मजिस्ट्रेट, ग्रेटर नोएडा की ओर से अक्षय त्रिपाठी को नोटिस जारी किया गया था।

भारत 6जी नेतृत्व और सुरक्षा के लिए 'कॉल टू एक्शन' पहल में हुआ शामिल

नई दिल्ली। भारत ने 6जी नेतृत्व और सुरक्षा के लिए वैश्विक 'कॉल टू एक्शन' पहल का समर्थन किया है। इसके साथ ही भारत उन 20 से अधिक देशों के समूह में शामिल हो गया है, जिन्होंने खुले, परस्पर-संचालित, सुरक्षित, लचीले और नवाचार आधारित अगली पीढ़ी के दूरसंचार नेटवर्क विकसित करने की साझा प्रतिबद्धता जताई है। संचार मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि इस पहल के तहत भारत की भागीदारी को आगे बढ़ाने और संबंधित गतिविधियों के समन्वय की जिम्मेदारी दूरसंचार विभाग (डीओटी) निभाएगा। विभाग उद्योग, शिक्षाविदों, विभिन्न सरकारी एजेंसियों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर इस दिशा में काम करेगा। मंत्रालय के अनुसार, यह पहल केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के उस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएगी, जिसमें भारत को 6जी तकनीक के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनाने का लक्ष्य रखा गया है। भारत ने वैश्विक 6जी मानकों और पेटेंट में 10 प्रतिशत योगदान देने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस पहल की घोषणा अमेरिका की जी-20 अध्यक्षता में 1 एवं 2 सितंबर को नॉर्थ कैरोलिना में आयोजित जी-20 इनोवेशन मंत्रिस्तरीय बैठक के अवसर पर की गई। इस दौरान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद और अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक के बीच औपचारिक मुलाकात भी हुई।

डीआरआई ने देशभर में 740 किलो मादक पदार्थ जब्त किए, 13 गिरफ्तार

एजेंसी। नई दिल्ली

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान के तहत पिछले 15 दिनों में देशभर में आठ बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 740 किलोग्राम गांजा, हाई-ग्रेड हाइड्रोपोनिक कैनबिस और चरस जब्त की है। इन मामलों में एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के तहत 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि जब्त मादक पदार्थों में 709.6 किलोग्राम गांजा, 24.5 किलोग्राम हाई-ग्रेड हाइड्रोपोनिक कैनबिस तथा पांच किलोग्राम चरस शामिल है। डीआरआई अधिकारियों ने 8 सितंबर को रायपुर के निकट ओल्ड

धमतरी रोड पर विशाखापट्टनम से आ रहे दो ट्रकों को रोककर तलाशी ली। इस दौरान ट्रकों के लोडिंग एरिया में रखी 10 बोरियों में छिपाए गए 61 पैकेट बरामद हुए, जिनमें 375.95 किलोग्राम गांजा मिला। दोनों ट्रकों को जब्त कर चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। इससे पहले 26 अगस्त को रायपुर के निकट एक ट्रक से करीब 124 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया था। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पांच और छह सितंबर को एक अन्य कार्रवाई में डीआरआई ने पटना के निकट औरंगाबाद-पटना राजमार्ग पर एक ट्रक का पीछा कर उसे रोका। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों पर हमला भी किया गया, जिसमें एक अधिकारी घायल हो गया, जबकि चालक मौके से फरार हो गया। वाहन की तलाशी में चालक के केबिन के पीछे बने गुप्त कक्ष से 140.5 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। एक और कार्रवाई में एक-दो सितंबर को पंजाब के लुधियाना के पास एक कार से लगभग 69 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। यह मादक पदार्थ वाहन के फर्श में बनाए गए विशेष गुप्त खांचों में छिपाकर रखा गया था। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। तीन सितंबर को गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर अमरनाथ एक्सप्रेस के सामान्य डिब्बे में यात्रा कर रहे तीन लोगों की तलाशी के दौरान करीब पांच किलोग्राम चरस बरामद की गई।

होर्मुज में एक दिन में 10 जहाज हुए तबाह

एजेंसी। तेहरान

खाड़ी क्षेत्र और विशेष रूप से होर्मुज स्ट्रेट एक बार फिर जंग का अखाड़ा बन गया है, जहाँ एक दिन में कई जहाजों पर हमले और जवाबी कार्रवाई की खबरें सामने आई हैं। ईरान ने खाड़ी के दूसरे देशों में मौजूद तेल टैंकरों को चेतावनी दी है कि वे कुवैत, जॉर्डन और बहरीन के उन बंदरगाहों को तुरंत खाली कर दें जहाँ अमेरिकी सैन्य उपस्थिति है या जो अमेरिकी कार्रवाई में सहयोग कर रहे हैं। ईरानी सरकारी टीवी पर पढ़े गए बयान में कहा गया कि ऐसे टैंकरों को निशाना बनाया जाएगा, जिससे तनाव अभूतपूर्व स्तर पर पहुँच गया है। यह चेतावनी अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) द्वारा पांच ईरानी क्रूड ऑयल कैरियर्स को नष्ट करने की जानकारी देने के बाद आई है। अमेरिका के मुताबिक, ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने पिछले दो दिनों में एक अमेरिकी नौसैनिक युद्धपोत को दो बार बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाने की कोशिश की थी, हालांकि अमेरिकी युद्धपोत दोनों हमलों से बच गया और कोई अमेरिकी सैनिक हताहत नहीं हुआ। सेंटकॉम के अनुसार, एमटी कवज, एमटी चारमीनार, एमटी होराइजन 1 और एमटी रीस्को को ओमान की खाड़ी में, जबकि एमटी दरिया को खार्ग द्वीप के पास निशाना बनाया गया था। अमेरिकी सेना ने हमले से पहले जहाजों के क्रू को उन्हें छोड़ने का निर्देश दिया था। इससे पहले 5 सितंबर को भी अमेरिका ने तीन ईरानी क्रूड ऑयल कैरियर्स को नष्ट करने का दावा किया था। सेंटकॉम के मुताबिक, यह कार्रवाई तब की गई जब आईआरजीसी ने एक अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर और गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर को निशाना बनाने की कोशिश की थी। अमेरिका का कहना है कि अमेरिकी युद्धपोतों के खिलाफ आईआरजीसी के सभी हमले नाकाम रहे हैं। इस बीच, ईरान ने एक अमेरिकी अंडरवाटर ड्रोन को पकड़ने का दावा किया है। हालांकि, पेंटागन ने इसके जवाब में कहा कि यह अंडरवाटर ड्रोन एक दिन से ज्यादा पहले ही खराब हो गया था और यह एक पुराना मॉडल था, जिसमें कोई संवेदनशील डेटा या वर्गीकृत सोनार अथवा रडार उपकरण नहीं था।

पहले यूएस फिर ईरान ने किए हमले

कर्नाटक में मंत्री के 5 ठिकानों पर सुबह-सुबह ईडी ने मारे छापे

सांसद बेटी और साले भी आ गए लपेटे में

बेंगलुरु। कर्नाटक में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार तड़के लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली और उनके करीबियों के कई ठिकानों पर एक साथ ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, ईडी ने जारकीहोली के साथ-साथ उनकी बेटी प्रियंका जारकीहोली और उनके साले मंजूनाथ के ठिकानों पर भी कार्रवाई की है। मामला बेलगावी में कई बार को अवैध रूप से लाइसेंस देने से जुड़ा है। जानकारी के मुताबिक, ईडी की टीमों ने बुधवार सुबह सुरक्षा बलों के जवानों की कड़ी सुरक्षा के बीच छापेमारी शुरू की। बेंगलुरु शहर के 5 मुख्य ठिकानों के अलावा बेलगावी और महाराष्ट्र में स्थित मंत्री और उनके साले मंजूनाथ के घर और दफ्तरों की भी तलाशी ली जा रही है। अधिकारी परिसरों में मौजूद वित्तीय दस्तावेजों, बैंक खातों और संपत्ति के कागजातों की बारीकी से जांच कर रहे हैं। यह मामला आबकारी विभाग में हुई कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। आरोप है कि सतीश जारकीहोली ने अपने मंत्री पद के प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए लगभग 18 बार को नियमों को ताक पर रखकर अवैध रूप से लाइसेंस दिलाए।

बलोचिस्तान में पाकिस्तान के सैन्य वाहनों पर फायरिंग

हमले में बड़ी संख्या में सैनिकों के मारे जाने का दावा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलोचिस्तान के खारान और पंजगुर जिलों में पाकिस्तान की सेना के वाहनों को निशाना बनाया गया है। हथियारबंद लोगों के इस हमले में बड़ा विस्मयकारी दावा किया गया है। इस दावे के अनुसार, हमले में 1,000 सैन्यकर्मी मारे गए या घायल हुए। इस दावे पर पाकिस्तान सरकार या संघीय सेना ने अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है। अभी तक किसी संगठन ने भी इस तरह के हमले की जिम्मेदारी ली है। द बलोचिस्तान पोस्ट की 08 सितंबर की शाम जारी रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय सूत्रों ने बताया कि हथियारबंद लोगों ने शाम को खारान शहर के पास पाकिस्तान की सेना की गाड़ियों को निशाना बनाया। सूत्रों का कहना है कि हमले के दौरान सेना की कम से कम तीन गाड़ियों पर सीधी फायरिंग हुई। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, हमले में लगभग 1,000 सैन्यकर्मी मारे गए या घायल हुए। अधिकारियों की ओर से घटना, हताहतों या हमले के बारे में तुरंत कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

संक्षिप्त समाचार

विधान परिषद के चयनित अभ्यर्थियों को आज मिलेंगे नियुक्ति पत्र

पटना। बिहार विधान परिषद् सचिवालय में विभिन्न पदों पर अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों को 10 सितंबर को नियुक्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। नियुक्ति पत्र वितरण समारोह विधान परिषद् स्थित उप भवन सभागार में सुबह 11 बजे आयोजित होगा। विधान परिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे। समारोह में विज्ञापन संख्या 03/2023 के तहत सुरक्षा प्रहरी, विज्ञापन संख्या 02/2025 के तहत निजी सहायक तथा विज्ञापन संख्या 01/2025 के तहत कार्यालय परिचारी के पदों के लिए अंतिम रूप से सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। विधान परिषद् सचिवालय की ओर से नियुक्ति पत्र वितरण समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

महासंघ (गोप गुट) ने ग्यारह सूत्री मांगों पर सरकार से वार्ता हेतु समय की मांग की

पटना। कर्मचारी नेता एवं बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ (गोप गुट) के महासचिव प्रेमचंद कुमार सिन्हा ने राज्य के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर ग्यारह सूत्री मांगों पर वार्ता हेतु समय निर्धारित करने की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि राज्य के कर्मचारियों और शिक्षकों की लंबित मांगों यथा- एनपीएस की समाप्ति एवं पुरानी पेंशन योजना की बहाली, केंद्र के अनुरूप मकान किराया भत्ता में वृद्धि करने, सभी कर्मियों को परिवहन भत्ता स्वीकृत करने, संविदा/आउटसोर्स कर्मियों की सेवा स्थायी करने, नियोजित शिक्षकों को बिना परीक्षा लिए हुए राज्यकर्मी का दर्जा देने, वर्षों से कार्यरत शिक्षकों को TET से मुक्त करने, समान काम के लिए समान वेतन देने, पंचायत सचिव, राजस्व कर्मचारियों एवं ANM की पदस्थापन गृह जिला में करने, डीडीटी मौसमी छिड़काव कर्मियों तथा सिंचाई विभाग में कार्यरत मौसमी कर्मियों की सेवा स्थायी करने, किसान सलाहकारों की सेवा जनसेवक संवर्ग के रिक्त पदों पर समायोजित करने ग्रामीण आवास सहायक एनं पर्यवेक्षक की सेवा स्थायी करने, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के अंतर्गत काम करने वाले सभी कर्मियों का मानदेय पुनरीक्षित करने, पशुपालन विभाग में कार्यरत टीकाकर्मी एवं पशु मैत्री की सेवा स्थायी करने, कार्यपालक सहायक एवं डाटा एंट्री ऑपरेटर की सेवा नियमित करने, बिस्वान (BSWAN)कर्मियों एवं BRC में कार्यरत डाटा एंट्री ऑपरेटर को आउटसोर्सिंग एजेंसी से मुक्त कर सरकारी कर्मी घोषित करने, लेखा लिपिक, अनुरेखक नीलचित्रक, आईटीआई के वरीय ग्रुप अनुदेशकों सहित सभी को संवर्गीय पदोन्नति देने, कमांड कर्मियों को 01 जनवरी 2016 से पुनरीक्षित वेतनमान एवं एम० ए० सी० पी० का लाभ देने , सभी संविदा एवं स्कीम कर्मियों को जीवन यापन योग्य पारिश्रमिक का भुगतान करने एवं EPF & ESIC से आच्छादित करने सहित सभी लंबित मांगों की पूर्ति हेतु महासंघ (गोप गुट) द्वारा समय-समय पर विभिन्न माध्यमों से राज्य सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया जाता रहा है, लेकिन उक्त मांगों की पूर्ति अभी तक नहीं की जा सकी है। जिसके कारण राज्य के लाखों कर्मचारियों और शिक्षक में हताशा एवं निराशा व्याप्त है।

'खड़ी-बोली' को भारतेन्दु ने अंगुली पकड़ कर चलना सिखाया

पटना। आधुनिक हिन्दी को, जिसे आरंभ में 'खड़ी-बोली' कहा गया, भारतेंदु ने ही अंगुली पकड़कर चलना सिखाया। इसीलिए आधुनिक हिन्दी साहित्य के इतिहास के आरंभिक-युग को 'भारतेंदु-युग' के रूप में स्मरण किया जाता है। भारतेंदु के नाटक 'सत्य हरिश्चन्द्र' और 'अंधेर-नगरी' सौ साल बाद भी प्रासंगिक बने हुए हैं। उनके काव्य और नाटक जन-मानस को झकझोरते और आंदोलित करते हैं। यह बातें बुधवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में, हिन्दी-पखवारा और पुस्तक चौदस मेला के ९वें दिन आयोजित भारतेंदु जयंती और संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। उन्होंने कहा कि अद्भुत प्रतिभा के इस कवि ने मात्र ३५ वर्ष की अपनी कुल आयु में जो कमाल कर दिया वह हिन्दी साहित्य के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है।

वित्तरहित शिक्षकों के वेतनमान की पहल का आरएलएसवाई कॉलेज में स्वागत

पटना। वित्तरहित अनुदानित स्कूल-कॉलेजों के शिक्षकों एवं कर्मियों के लिए वेतनमान और सम्मानजनक वेतन संरचना की दिशा में राज्य सरकार की पहल का राम लखन सिंह यादव कॉलेज, अनीसाबाद के शिक्षक-कर्मचारियों ने स्वागत किया है। मुख्यमंत्री की घोषणा और इस संबंध में गठित उच्चस्तरीय कमेटी की बैठक के बाद कॉलेज परिवार में खुशी का माहौल है। कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. सुरेंद्र प्रसाद ने कहा कि सरकार का यह निर्णय उच्च शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव लाने वाला ऐतिहासिक कदम है। पूर्व प्राचार्य एवं वित्तरहित मोर्चा अध्यक्ष मंडल के सदस्य प्रो. वीरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि चार दशकों से आर्थिक तंगी झेल रहे शिक्षकों-कर्मचारियों के लिए यह पहल नई उम्मीद लेकर आई है। वहीं प्रो. राय श्रीपाल सिंह ने कहा कि इससे वर्षों से आर्थिक और मानसिक परेशानी झेल रहे शिक्षकों को बड़ी राहत मिलेगी। इस अवसर पर प्रो. सतेंद्र कुमार, प्रो. सुरेंद्र यादव, प्रो. आनंद प्रकाश, डॉ. प्रो. शंकर साह, प्रो. प्रसिद्ध कुमार, प्रो. शुभम प्रकाश, प्रो. रोहित भारती, डॉ. प्रो. श्री भगवान सिंह, प्रो. अनुपम सिन्हा और प्रो. मनीष भारती समेत अन्य शिक्षकों ने सरकार के प्रति आभार जताया। कॉलेज परिवार ने उम्मीद जताई कि दशकों पुरानी इस समस्या का जल्द ही सम्मानजनक और स्थायी समाधान निकलेगा।

मुख्यमंत्री ने इंटरमीडियट एवं मैट्रिक वार्षिक परीक्षा-2026 के टॉपर सूची में स्थान प्राप्त किये हुये 168 मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लोक सेवक आवास स्थित 'नेक सवांद' सभागार में इंटरमीडियट एवं मैट्रिक वार्षिक परीक्षा-2026 के टॉपर सूची में स्थान प्राप्त किये हुये 168 मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर उन्हें सम्मनित किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करने के पश्चात् मुख्यमंत्री ने इंटरमीडियट वार्षिक परीक्षा-2026 (विज्ञान संकाय) के टॉप 3 स्थान प्राप्त करनेवाले आदित्य प्रकाश अमन, साक्षी कुमारी, सपना कुमारी, इंटरमीडियट वार्षिक परीक्षा-2026 (कला संकाय) के टॉप 4 स्थान प्राप्त करनेवाले निशु कुमारी, सिद्धि शिखा, चंद्रदीप कुमार, मो० लक्की अंसारी, इंटरमीडियट वार्षिक परीक्षा-2026 (वाणिज्य संकाय) के टॉप 2 स्थान प्राप्त करनेवाली अदिति कुमारी, माहि कुमारी, इंटरमीडियट वार्षिक परीक्षा-2026 (व्यावसायिक पाठ्यक्रम) के 2 स्थान प्राप्त करनेवाले प्रियांशु राज, अनिका उपाध्याय तथा वार्षिक माध्यमिक परीक्षा-2026 के टॉप 3 स्थान प्राप्त करनेवाले पुष्पांजलि कुमारी, साबरीन परवीन, नाहिद सुल्ताना को मेडल, प्रशस्ति पत्र एवं सांकेतिक चेक प्रदान किया। इंटरमीडियट एवं मैट्रिक में प्रथम स्थान प्राप्त करनेवाले छात्रों को 2 लाख, द्वितीय स्थान प्राप्त करनेवालों को 1.5 लाख तथा तृतीय स्थान प्राप्त करनेवाले छात्रों को 1 लाख रूपये की राशि प्रदान की गयी। साथ ही इंटरमीडियट में चतुर्थ एवं पंचम स्थान प्राप्त किये हुये विद्यार्थियों को 30 हजार रूपये तथा मैट्रिक में चतुर्थ से दशम स्थान प्राप्त किये हुये विद्यार्थियों को 20 हजार रूपये की राशि प्रदान की गयी। सभी पुरस्कृत विद्यार्थियों को लैपटॉप क्रय हेतु अतिरिक्त 51 हजार रूपये की राशि प्रदान की गयी। अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आज इंटरमीडियट एवं मैट्रिक वार्षिक परीक्षा-2026 के टॉपर सूची में स्थान प्राप्त किये हुये 168 मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर उन्हें सम्मनित किया गया है। आज के इस सम्मान समारोह में आप सभी का स्वागत करता हूँ। आपकी सफलता के लिए बधाई एवं शुभकामनायें देता हूँ। आपकी उपलब्धि आपके परिश्रम, प्रतिमा और लगन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आज का दिन आपके लिये भी और हमारे लिये भी खास है।

55 आरओबी में 8 का निर्माण पूरा, 42 पर काम जारी; देरी करने वाली एजेंसियों पर होगी कार्रवाई

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। पथ निर्माण मंत्री ई. कुमार शैलेन्द्र ने बुधवार को विभागीय कार्यालय में राज्य में चल रही आरओबी (रेल ओवर ब्रिज), आरयूबी और पहुंच पथ परियोजनाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा की। बैठक में पटना, सीतामढ़ी, सारण, पश्चिमी व पूर्वी चंपारण, मुजफ्फरपुर, बेगूसराय, दरभंगा, समस्तीपुर, औरंगाबाद और गया सहित विभिन्न जिलों की परियोजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा क्रियान्वित 55 आरओबी में 8 का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि 42 परियोजनाओं पर कार्य तेजी से जारी है। इसके अलावा एनएचएआई की निर्माणाधीन 18 आरओबी एवं आरयूबी परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। मंत्री ने रेलवे के साथ समन्वय, डिजाइन व जीएडी अनुमोदन, भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण, यूटिलिटी शिफ्टिंग, वन विभाग की एनओसी तथा एप्रोच रोड से जुड़े लंबित मामलों का शीघ्र समाधान करने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित जिला प्रशासन और रेलवे अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय कर बाधाओं को दूर करने को कहा। मंत्री ने स्पष्ट किया कि परियोजनाओं में अनावश्यक विलंब या कार्य में शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। देरी करने वाली एजेंसियों पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों को नियमित स्थल निरीक्षण कर मुख्यालय को प्रगति रिपोर्ट सौंपने को कहा। मंत्री ने कहा कि आम लोगों को सुरक्षित, सुगम और बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आरओबी परियोजनाओं का समय पर पूरा होना सरकार की प्राथमिकता है।

विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने पटना के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों एवं राहत शिविरों का किया निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने पटना जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर राहत एवं बचाव कार्यों तथा प्रभावित लोगों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने दीघा घाट क्षेत्र, कुर्जी घाट, जे.पी. गंगा पथ के आसपास तथा बिंद टोली स्थित राहत शिविरों का निरीक्षण किया। उन्होंने राहत शिविरों में मूलभूत सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवाओं एवं भोजन-पेयजल की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने राहत शिविरों में रह रहे बाढ़ पीड़ितों से संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सामूहिक रसोईघर का भी मुआयना किया और भोजन की गुणवत्ता एवं वितरण व्यवस्था की जानकारी ली। डॉ प्रेम कुमार ने कहा कि बिंद टोली स्थित राहत शिविर में लगभग 3,000 लोग और दीघा घाट के समीप स्थित राहत शिविर में लगभग 2,500 लोग रह रहे हैं । राहत शिविरों में साफ–सफाई, चिकित्सकों एवं दवाई तथा पशु चिकित्सा एवं पशुओं के लिए दवाई का समुचित प्रबंध किया गया है। बाढ़ प्रभावित परिवारों के बच्चों की पढ़ाई–लिखाई के लिए राहत शिविरों में अस्थायी विद्यालय के प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने पशु शेल्टर का भी निरीक्षण किया तथा वहां संरक्षित पशुओं, विशेषकर गौ माता को चारा खिलाकर उनकी सेवा की। उन्होंने पशुओं के लिए उपलब्ध चारा, पानी और चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आपदा की इस परिस्थिति में मानव जीवन के साथ-साथ पशुधन की सुरक्षा और देखभाल को भी प्राथमिकता में रखा गया है। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रशासन एवं संबंधित विभागों को निर्देश दिया गया है कि राहत शिविरों में उपलब्ध सुविधाओं की लगातार निगरानी करते हुए आवश्यकतानुसार उनमें तत्काल सुधार किया जाए, ताकि प्रभावित लोगों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण मिल सके। अध्यक्ष ने बिहार सरकार द्वारा बाढ़ पीड़ितों की व्यवस्था की सराहना की। उन्होंने पटना के जिलाधिकारी कुंदन कुमार से बात कर राहत शिविरों में की गई व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया।

बख्तियारपुर का नाम बदलकर नीतीशपुर करने की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार की सियासत में शहरों के नाम बदलने की राजनीति के बीच अब एक नया और बड़ा प्रस्ताव सामने आया है। बिहार सरकार के मंत्री और जीतन राम मांझी के बेटे डॉ.संतोष कुमार सुमन ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से बख्तियारपुर का नाम बदलकर नीतीशपुर या नीतीशपुरम करने की एक्सक्लूसिव मांग की है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के बयान के बाद पटना के बख्तियारपुर का नाम बदलने का मुद्दा फिर चर्चा में आ गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि फिलहाल नाम बदलने का कोई तत्काल सरकारी प्रस्ताव नहीं है, लेकिन वह व्यक्तिगत तौर पर इसके पक्ष में हैं और एक दिन यह नाम बदल जाएगा। दरअसल बिहार सरकार के मंत्री संतोष सुमन ने नालंदा के बख्तियारपुर का नाम बदलकर 'नीतीशपुर' करने का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सामने यह मांग रखते हुए कहा कि बख्तियारपुर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जन्मभूमि है। मंत्री के मुताबिक, नाम बदलने से नीतीश कुमार के योगदान और राजनीतिक विरासत को सम्मान मिलेगा। बख्तियारपुर नगर परिषद पहले ही शहर का नाम बदलकर 'मगध द्वार' करने का प्रस्ताव सरकार को भेज चुकी है। हालांकि, इस पर अभी कोई औपचारिक फैसला नहीं हुआ है। फिलहाल नाम बदलने की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

बाढ़ प्रभावित किसानों को हरसंभव सहायता देगी सरकार : विजय कुमार सिन्हा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। राज्य में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बुधवार को कृषि विभाग के वरीय अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों और फसलों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित इलाकों में फसल क्षति का वास्तविक, विस्तृत और प्रमाणिक आकलन जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। कृषि मंत्री ने सभी जिला कृषि पदाधिकारियों को अपने-अपने जिलों के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थल निरीक्षण कर फसल क्षति का आकलन करने तथा अद्यतन रिपोर्ट विभाग को शीघ्र उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने कहा कि वास्तविक क्षति का सही आकलन कर प्रभावित किसानों तक समय पर राहत एवं सहायता पहुंचाना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। श्री सिन्हा ने कहा कि फसल क्षति के विस्तृत आकलन के आधार पर प्रभावित किसानों को

» फसल क्षति का शीघ्र होगा विस्तृत आकलन, वैकल्पिक फसल के लिए भी तैयार होगी कार्ययोजना

नियमानुसार फसल क्षतिपूर्ति एवं अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बाढ़ की कठिन परिस्थिति में किसानों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। **वैकल्पिक फसल के लिए भी बनेगी कार्ययोजना:** कृषि मंत्री ने बताया कि जिन क्षेत्रों में बाढ़ के कारण फसल पूरी तरह या आंशिक रूप से प्रभावित हुई है और आगामी फसल चक्र को बनाए रखने के लिए वैकल्पिक फसल लगाने की जरूरत होगी, वहां कृषि विभाग कार्ययोजना तैयार कर रहा है। स्थानीय मिट्टी, मौसम और परिस्थितियों के अनुसार किसानों को उपयुक्त वैकल्पिक फसलों के लिए तकनीकी मार्गदर्शन और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल तत्काल राहत देना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि बाढ़ प्रभावित किसानों की आगामी कृषि गतिविधियां और फसल चक्र बाधित न हों तथा वे जल्द दोबारा खेती से जुड़ सकें। श्री सिन्हा ने कहा, "हम अपने अन्नदाता को इस मुश्किल की घड़ी में अकेले नहीं छोड़ेंगे। किसानों की कठिनाइयों को दूर करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। फसल क्षति का वास्तविक आकलन कर प्रभावित किसानों को नियमानुसार हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।" कृषि विभाग द्वारा जिलों से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर बाढ़ की स्थिति और कृषि क्षेत्र पर उसके प्रभाव की लगातार निगरानी की जा रही है। मंत्री ने अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ काम करते हुए राहत एवं सहायता की प्रक्रियाओं में तेजी लाने का निर्देश दिया, ताकि जरूरतमंद किसानों को समय पर सरकारी सहायता मिल सके।

मानवाधिकार, समानता और सम्मान के प्रति जागरूकता को लेकर एनआईटी पटना में प्रो. कन्हैया त्रिपाठी का संवाद

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। मानवाधिकार मूल्यों, समानता, समावेशिता एवं छात्र कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रो. कन्हैया त्रिपाठी ने एनआईटी पटना का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान के अधिकारियों एवं संकाय सदस्यों के साथ मानवाधिकारों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद किया। दौरे के दौरान प्रो. कन्हैया त्रिपाठी ने एनआईटी पटना के निदेशक से मुलाकात कर शैक्षणिक संस्थानों में मानवाधिकारों की भूमिका तथा छात्रों को उनके अधिकारों, कर्तव्यों, गरिमा, समानता एवं सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता पर चर्चा की। इसके बाद प्रो. प्रभात कुमार, डीन (छात्र कल्याण) ने प्रो. कन्हैया त्रिपाठी का संकाय सदस्यों एवं संस्थान के विभिन्न अधिकारियों से परिचय कराया। संवाद में हॉस्टल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, छात्र कल्याण से जुड़े एसोसिएट डीन, हॉस्टल वार्डन, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष, एससी/एसटी प्रकोष्ठ के लायजन अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर डीन (छात्र कल्याण) ने संस्थान में छात्रों के शैक्षणिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं समग्र विकास के लिए संचालित विभिन्न गतिविधियों और पहलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संस्थान छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ ऐसे अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है, जिससे उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, रचनात्मकता और संतुलित व्यक्तित्व का विकास हो। विशेष रूप से बताया गया कि एनआईटी पटना ने पहली बार 21 दिवसीय खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें लगभग 4,000 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को मनोरंजन, आपसी संवाद, शारीरिक गतिविधियों एवं सांस्कृतिक सहभागिता के अवसर उपलब्ध कराना तथा शैक्षणिक तनाव को कम करते हुए मानसिक एवं सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देना था।

छोटे व सीमांत किसानों तक आधुनिक कृषि यंत्र पहुंचाना सरकार का लक्ष्य : विजय कुमार सिन्हा

नई सोच एक्सप्रेस

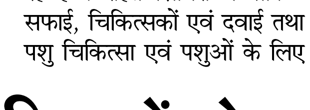

पटना। बिहार में कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने और छोटे एवं सीमांत किसानों तक आधुनिक कृषि यंत्रों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने पहल तेज कर दी है। कृषि विभाग ने 'सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन (2025-26)' योजना के तहत कस्टम हायरिंग सेंटर, फार्म मशीनरी बैंक और स्पेशल कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना के लिए 8 सितंबर से ऑनलाइन आवेदन शुरू कर दिया है। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि महंगे कृषि यंत्र खरीदना हर किसान के लिए संभव नहीं है। ऐसे में कस्टम हायरिंग सेंटर के माध्यम से किसान अपनी जरूरत के अनुसार आधुनिक कृषि यंत्र किराए पर लेकर उपयोग कर सकेंगे। इससे खेती की लागत और समय में कमी आएगी तथा उत्पादकता एवं किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। योजना के तहत राज्य में 267 कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित किए जाएंगे। प्रत्येक केंद्र की परियोजना लागत अधिकतम 10 लाख रुपये होगी, जिस पर 40 प्रतिशत यानी अधिकतम 4 लाख रुपये तक अनुदान दिया जाएगा। इसके अलावा 38 कृषि यंत्र बैंक स्थापित किए जाएंगे। इनकी लागत भी 10 लाख रुपये तक होगी और पात्र समूहों को 80 प्रतिशत, अधिकतम 8 लाख रुपये तक अनुदान मिलेगा। **फसल अवशेष प्रबंधन पर भी जोर:** फसल अवशेषों के वैज्ञानिक

» कृषि यंत्रीकरण योजना के तहत 267 कस्टम हायरिंग सेंटर व 38 कृषि यंत्र बैंक होंगे स्थापित

प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के लिए 200 स्पेशल कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित किए जाएंगे। प्रत्येक केंद्र की परियोजना लागत 20 लाख रुपये तक होगी। 55 हॉर्स पावर या उससे अधिक क्षमता वाले ट्रैक्टर एवं आवश्यक कृषि यंत्रों पर 40 से 80 प्रतिशत तक, अधिकतम 12 लाख रुपये का अनुदान दिया जाएगा। कृषि में ड्रोन तकनीक को बढ़ावा देने के लिए 480 किसान ड्रोन कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित करने का भी प्रावधान किया गया है। **86 प्रकार के कृषि यंत्रों पर अनुदान:** कृषि यंत्रीकरण योजना के तहत व्यक्तिगत किसानों को 86 प्रकार के कृषि यंत्रों पर 40 से 80 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा। योजना का लाभ जीविका समूह, ग्राम संगठन, एफआईजी, एफपीओ, एफपीसी, स्वयं सहायता समूह, पैक्स सहित पात्र संस्थाएं ले सकेंगी। इच्छुक आवेदक www.farmech.bihar.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। लाभार्थियों का चयन ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा और अनुदान की राशि डीबीटी के जरिए सीधे लाभार्थी के खाते में भेजी जाएगी। मंत्री ने किसानों से आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

प्रधानमंत्री अपनी नाकामी का रोना रो रहे हैं : भाकपा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के राज्य सचिव रामनरेश पांडेय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाने के बजाय अपनी नाकामी का रोना रो रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता कॉरपोरेट लूट, अपराध, महंगाई और भ्रष्टाचार से परेशान है, जबकि युवा बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहे हैं। रामनरेश पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री गुजरात में एक कार्यक्रम के दौरान केंद्र सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल का उल्लेख कर रहे थे, लेकिन उन्होंने बेरोजगारी, पेपर लीक, महंगी शिक्षा, सरकारी भर्तियों में अनियमितता, केंद्रीय सेवाओं में रिक्त पदों और बंद पड़ी भर्तियों जैसे मुद्दों पर कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि देश के युवा प्रधानमंत्री से 12 वर्षों का हिसाब मांग

» बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर जवाब दे सरकार : रामनरेश पांडेय

रहे हैं। भाकपा नेता ने बेरोजगारी के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि पीएलएफएस 2025 के अनुसार 18 से 29 वर्ष के युवाओं में बेरोजगारी दर 14.8 प्रतिशत है, जबकि डिप्लोमा, स्नातक और परास्नातक स्तर की शिक्षा प्राप्त युवाओं में यह दर 29.4 प्रतिशत तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी की वास्तविक स्थिति सरकारी आंकड़ों से भी अधिक गंभीर है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री युवाओं और छात्रों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय विपक्ष को निशाना बना रहे हैं और नए-नए जुमले गढ़ रहे हैं। पांडेय ने कहा कि छात्र, युवा और आम लोगों में बढ़ते आक्रोश से सरकार घबरा गई है। उन्होंने दावा किया कि देश की जनता अब बदलाव चाहती है।

संक्षिप्त समाचार

केनस्टार ने भारत में एयर फ्रायर की सबसे बड़ी रेंज पेश की

पटना।देश की प्रमुख होम अप्लायंस कंपनियों में से एक केनस्टार ने एयर फ्रायर की नई रेंज पेश की है। इस रेंज में अलग-अलग क्षमता, डिजाइन और कुकिंग सुविधाओं वाले मॉडल शामिल हैं। इन्हें भारतीय परिवारों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इनमें कम तेल में खाना पकाने के साथ सुविधा और अलग-अलग तरह के व्यंजन तैयार करने पर जोर दिया गया है। नई रेंज में रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए छोटे एयर फ्रायर से लेकर एक साथ दो व्यंजन पकाने वाले डुअल-बास्केट मॉडल, ऑल-ग्लास एयर फ्रायर और बड़े परिवारों के लिए ज्यादा क्षमता वाले एयर फ्रायर ओवन शामिल हैं। ग्राहक अपने परिवार के आकार, रसोई में उपलब्ध जगह और खाना पकाने की जरूरत के हिसाब से मॉडल चुन सकते हैं। कंपनी ने इसे गिफ्टिंग के लिए भी एक विकल्प के तौर पर पेश किया है। केनस्टार के सीईओ श्री सुनील जैन ने भारत में एयर फ्रायर्स की सबसे बड़ी रेंज के लॉन्च पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, "भारतीय रसोई में तेजी से बदलाव आ रहा है। ग्राहक अब ऐसे उपकरण चाहते हैं, जो खाना पकाने को आसान बनाएं, कई तरह के व्यंजन तैयार करने में मदद करें और जो खाना उन्हें पसंद है, उसे कम तेल में बनाने का विकल्प दें। केनस्टार में हमारा ध्यान हमेशा ऐसे इनोवेशन पर रहा है, जो रोजमर्रा की जिंदगी को आसान और ज्यादा सुखद बनाएं। हमारी नई एयर फ्रायर रेंज में 360-डिग्री टर्बो एयर टेक्नोलॉजी, कई तरह की कुकिंग सुविधाएं, बेहतर विजिबिलिटी और आधुनिक डिजाइन को पूरे विविध पोर्टफोलियो में एक साथ लाया गया है। इससे ग्राहक अपनी जरूरत के हिसाब से सही मॉडल चुन सकते हैं। इस रेंज के जरिए हम एयर फ्राइंग को रोजमर्रा की कुकिंग का ज्यादा सुविधाजनक और बहुउपयोगी हिस्सा बनाना चाहते हैं, साथ ही केनस्टार से मिलने वाली परफॉर्मेंस और भरोसे को बनाए रखना चाहते हैं।"

कॉपर की रिकॉर्ड रैली ने वेदांता लिमिटेड में कॉपर की बढ़ती स्टोरी पर डाली रोशनी

पटना।इस सप्ताह लंदन मैटल एक्सचेंज पर कॉपर अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया, तीन महीने के फ्यूचर्स जनवरी में बने पिछले रिकॉर्ड को पार करते हुए 14,617 डॉलर प्रति टन तक पहुंच गए। यह तेज़ी खान आपूर्ति में कमी, रिफाइंड कॉपर पर संभावित यूएस टैरिफ के बीच ग्लोबल ट्रेड फ्लो में बदलाव और विद्युतीकरण, नवीकरणीय उर्जा, पावर इंफ्रास्ट्रक्चर और एआई से बढ़ती मांग के एक मज़बूत संयोजन को दर्शाती है। इस साल अब तक कॉपर में लगभग 17 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ, यह कदम उन बड़े कॉपर उत्पादकों को रोशनी में ला रहा है जिनमें वॉल्यूम बढ़ाने और ज़्यादा रियलाइज़ेशन हासिल करने की क्षमता है। वेदांता लिमिटेड का कॉपर का बड़ा बिज़नेस है, और कॉपर की कीमतों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी के कारण इसके शेयर में तेज़ी आई। कंपनी कॉपर की उंची कीमतों से फ़ायदा उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है, क्योंकि इसका कॉपर बिज़नेस पहले से ही अच्छी रफ़्तार दिखा रहा है। वेदांता लिमिटेड ने भारत में आठ सालों में पहली तिमाही में कॉपर रॉड का सबसे ज़्यादा उत्पादन और बिक्री दर्ज की और वित्तीय वर्ष 27 की पहली तिमाही में 8.9 मिलियन डॉलर का कॉपर म्ठप्ज्क्। दर्ज किया, जबकि कॉपर की औसत कीमत डॉलर 13,329/टन रही

नशा मुक्त भारत अभियान को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं युवा

पटना।देश को नशा मुक्त बनाने के लिए केंद्र सरकार के नशा मुक्त भारत अभियान को अब जमीनी स्तर पर गति मिल रही है। इस अभियान को बिहार के प्रसिद्ध गांधीवादी और प्रेम यूथ फाउंडेशन के संस्थापक प्रेम जी ने एक जन आंदोलन बना दिया है।प्रेम जी का कहना है कि गांधी जी ने हमेशा नशा को समाज का सबसे बड़ा दुश्मन बताया था। उसी विचार को लेकर वह रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, स्कूल-कॉलेज और गांव-गांव जाकर युवाओं को जागरूक कर रहे हैं। क्या है इनका तरीका 1. **संकल्प पत्रः** युवाओं से नशा न करने और दूसरों को भी रोकने का लिखित संकल्प दिलवाते हैं। 2. **खेल और योग से जोड़नाः** युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए खेल, योग और सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ रहे हैं। वे हमेशा युवाओं को राष्ट्र निर्माण में लगाने की बात करते हैं। 3.**परिवार को जगानाः** केवल युवा नहीं, बल्कि उनके परिवार को भी समझाते हैं कि कैसे प्यार से समझाकर नशे की लत छुड़ाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि नशा सिर्फ एक व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार और देश के भविष्य को बर्बाद करता है। अगर भारत को विश्व गुरु बनना है तो हमें सबसे पहले अपने युवाओं को नशा मुक्त बनाना होगा। नशा मुक्त भारत ही स्वस्थ भारत और समर्थ भारत की नींव है। उन्होंने लोगो से नशा को ना कहे और जीवन को हा कहे का संकल्प कराया ।

डेंगू से बचाव को जरूरतमंद बच्चों के बीच मच्छरदानी व फलों का वितरण

पटना। डेंगू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए प्रभु आहार सेवा फाउंडेशन एवं आधार फाउंडेशन की ओर से बुधवार को जरूरतमंद बच्चों के बीच मच्छरदानी और फलों का वितरण किया गया। यह सेवा कार्य स्वर्गीय सीता साहू की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी स्मृति में उनकी पुत्री पल्लवी नारायण साहू द्वारा रेनबो होम, कुम्हरार में किया गया। इस दौरान बच्चों को मच्छरों से होने वाली बीमारियों और डेंगू से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया गया। बच्चों को मच्छरदानी के नियमित इस्तेमाल का महत्व भी बताया गया। साथ ही उन्हें सेब, केला समेत अन्य फल वितरित किए गए। सेवा कार्य से बच्चों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। मौके पर उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जरूरतमंद बच्चों को स्वास्थ्य सुरक्षा और पोषण से जुड़ी सामग्री उपलब्ध कराना समाज के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का परिचायक है। कार्यक्रम में राकेश कुमार, मुकेश जैन, प्रभा साहू, मनीषा, प्रियंका, तनु, अदिति, आदित्य, परेश, हरेश और राकेश नारायण साहू सहित साहू परिवार के अन्य सदस्य एवं सहयोगी मौजूद रहे। प्रभु आहार सेवा फाउंडेशन एवं आधार फाउंडेशन ने भविष्य में भी जरूरतमंद एवं वंचित लोगों की सेवा और सहायता के कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

ज्ञान भवन में तीन दिवसीय बिहार पोल्ट्री एवं एक्वा एक्सपो का शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।कृषिका एवं राइटर्स एंड क्रिएटर्स द्वारा आयोजित तीन दिवसीय बिहार पोल्ट्री एंड एक्वा एक्सपो - 2026 के चौथे संस्करण का शुभारंभ गाँधी मैदान स्थित ज्ञान भवन में किया गया। इस एक्सपो में देशभर से कुल 80 कम्पनियाँ भाग ले रही हैं जो 130 स्टॉल पर अपने उत्पाद और सेवाओं का प्रदर्शन कर रही है। इस एक्सपो का उद्घाटन बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, उच्च शिक्षा तथा क़ानून मंत्री संजय कुमार टाइगर, बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय पटना के कुलपति डॉ. इंद्रजीत सिंह एवं बिहार पोल्ट्री एवं एक्वा एक्सपो के आयोजक राकेश कश्यप द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि पोल्ट्री और एक्वा क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार की अपार संभावनाएं हैं। यह एक्सपो किसानों, मुर्गी पालकों एवं मत्स्य पालकों के लिए बेहद उपयोगी और ज्ञानवर्धक मंच है। देश के विभिन्न हिस्सों से कंपनियों और विशेषज्ञों

का यहां शामिल होना बिहार के लिए सकारात्मक संकेत है। इससे किसानों को आधुनिक तकनीक, नई मशीनरी, बेहतर नस्ल, वैज्ञानिक प्रबंधन और बाजार की बदलती जरूरतों की जानकारी मिलेगी। ऐसे आयोजनों से बिहार और देश के बीच व्यापारिक एवं तकनीकी साझेदारी मजबूत होगी तथा राज्य में रोजगार और निवेश के नए रास्ते खुलेंगे। वहीं अपने संबोधन में उच्च शिक्षा तथा क़ानून मंत्री संजय कुमार टाइगर ने कहा कि बिहार जैसे कृषि प्रधान राज्य में पोल्ट्री एंड एक्वा क्षेत्रों का विकास किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि इस एक्सपो का लाभ अधिक से अधिक किसानों, पशुपालकों, मत्स्य पालकों और युवा उद्यमियों तक पहुंचेगा। कार्यक्रम आयोजक राकेश कश्यप ने कहा कि इस बिहार पोल्ट्री एवं एक्वा एक्सपो का उद्देश्य केवल एक प्रदर्शनी आयोजित करना नहीं, बल्कि किसानों, पशुपालकों, उद्यमियों, उद्योग जगत, वैज्ञानिकों, तकनीकी विशेषज्ञों और नीति-निर्माताओं को एक साझा मंच पर लाकर ज्ञान, तकनीक और व्यवसाय के बीच मजबूत सेतु तैयार करना है। हमारा प्रयास है कि आधुनिक तकनीक और नई सोच सीधे किसानों एवं पशुपालकों के खेत और फार्म तक पहुंचे, ताकि उत्पादन बढ़े,

> » पोल्ट्री और एक्वा क्षेत्र में रोजगार की असीम संभावनाएं : विजय कुमार चौधरी

लागत कम हो और उनकी आय में वृद्धि हो। आज पोल्ट्री और मत्स्य क्षेत्र बिहार की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन के लिए बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र बन चुके हैं। इस एक्सपो के माध्यम से किसानों और युवाओं को नई तकनीकों, आधुनिक उपकरणों, गुणवत्तापूर्ण उत्पादों और नए व्यावसायिक अवसरों से परिचित कराने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही, देशभर से आए उद्योगों और विशेषज्ञों के साथ संवाद के माध्यम से बिहार में निवेश, रोजगार और नई साझेदारियों के अवसर भी तैयार होंगे। हमारा लक्ष्य है कि तकनीक खेत और फार्म तक पहुंचे, किसान अवसरों से जुड़े और बिहार का पोल्ट्री एवं मत्स्य क्षेत्र आधुनिक, आत्मनिर्भर और समृद्ध बने। मुझे विश्वास है कि यह आयोजन बिहार में रोजगार, उद्यमिता और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

डॉ. वर्गीज कुरियन की 14वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि, श्वेत क्रांति में योगदान को किया याद

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। वैशाल पाटलिपुत्र दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड, पटना के प्रांगण में बुधवार को श्वेत क्रांति के जनक एवं पटना डेयरी प्रोजेक्ट के संस्थापक अध्यक्ष पद्मविभूषित डॉ. वर्गीज कुरियन की 14वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष संजय कुमार एवं प्रबंध निदेशक रूपेश राज ने डॉ. कुरियन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघ के अध्यक्ष संजय कुमार ने कहा कि डॉ. वर्गीज कुरियन ने भारत में श्वेत क्रांति के माध्यम से दुग्ध उत्पादन और दुग्ध सहकारिता को नई दिशा दी। उन्होंने दुग्ध उत्पादक किसानों को संगठित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनका योगदान देश के दुग्ध क्षेत्र के विकास में सदैव स्मरणीय रहेगा। प्रबंध निदेशक रूपेश राज ने कहा कि डॉ. कुरियन का दूरदर्शी नेतृत्व, वैज्ञानिक सोच और सहकारिता के प्रति समर्पण भारत के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने अपने प्रयासों से देश को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की मजबूत नींव रखी। इस अवसर पर संघ के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने डॉ. कुरियन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके आदर्शों एवं सहकारिता के सिद्धांतों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

पर्युषण पर्व के दूसरे दिन जैन समाज ने दिया पाँच कर्तव्यों का संदेश

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। पर्युषण पर्व के दूसरे दिन बाकरगंज स्थित श्वेतांबर जैन मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का माहौल रहा। दिन की शुरुआत भगवान महावीर स्वामी के प्रक्षाल से हुई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुख, शांति और आत्मकल्याण की कामना की। जैन परंपरा के अनुसार श्रद्धालुओं ने स्वयं पूजा-अर्चना की। पूजा के बाद अहमदाबाद से आए काव्य भाई शाह ने श्रद्धालुओं को पर्युषण पर्व के पांच प्रमुख कर्तव्यों—जीव दया, साधर्मिक भक्ति, क्षमापना, अठम तप और चैत्य परिपाटी—के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पर्युषण केवल धार्मिक अनुष्ठान का पर्व नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, संयम, तप, त्याग और क्षमा का अवसर है। उन्होंने श्रद्धालुओं से इन कर्तव्यों को

जीवन में अपनाने का आह्वान किया। मंदिर में विराजमान प्रतिमाओं का आकर्षक श्रृंगार श्री प्रतीक बूच्चा ने किया। मनोहारी श्रृंगार श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। पंकज कोठारी ने प्रतिमाओं के श्रृंगार और धार्मिक सेवा की सराहना की। कार्यक्रम में धर्मेश दोषी, ज्ञानचंद बोथरा, भूपत भाई कोठारी, रमेश भाई कामदार, चैताली बेन घाघरा, मालतीबेन कोठारी, शोभाबेन बोथरा, कोकी बेन मेहता और वर्षा शाह

> » भगवान महावीर स्वामी का प्रक्षाल, पूजा-अर्चना और प्रवचन आयोजित

समेत बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर के सिद्धांतों को जीवन में अपनाने तथा अहिंसा, करुणा और क्षमा की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया।

सिविल सेवा में सफलता के लिए ज्ञान के साथ समय प्रबंधन जरूरी : अंशुमन सिंह

नई सोच एक्सप्रेस

खगौल।जगत नारायण लाल कॉलेज, खगौल में दृष्टि आईएएस संस्थान के सहयोग से प्लेसमेंट सेल एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के संयुक्त तत्वावधान में प्रेरणादायक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की प्रधानाचार्या प्रो. मधुप्रभा सिंह ने की।m प्रधानाचार्या ने छात्र-छात्राओं को सिविल सेवा को करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सिविल सेवा के माध्यम से युवा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को इसके लिए लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर तैयारी करने की सलाह दी। दृष्टि आईएएस के सदस्य अंशुमन सिंह ने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी

के मापदंडों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में केवल ज्ञान के आधार पर सिविल सेवा परीक्षा में सफलता हासिल करना पर्याप्त नहीं है। समय प्रबंधन और बेहतर रणनीति भी सफलता के लिए बेहद जरूरी है। जिस अभ्यर्थी में समय और संसाधनों के बेहतर प्रबंधन की क्षमता होती है, उसके चयन की संभावना अधिक रहती है। दृष्टि आईएएस के निदेशक राम प्रताप सिंह ने कहा कि सिविल सेवा देश की कठिन परीक्षाओं में शामिल है। इसके विस्तृत पाठ्यक्रम को कम समय में पूरा करने के लिए सुनियोजित रणनीति और नियमित अध्ययन आवश्यक है। प्रो. गिरिजेश नंदन कुमार ने कहा कि ऊंची सोच के साथ निरंतर परिश्रम करने वाला व्यक्ति अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त करता है। वहीं डॉ. शशिकांत प्रसाद ने कहा कि सही समय पर उचित मार्गदर्शन मिल जाए तो लक्ष्य तक पहुंचना आसान हो जाता है। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. पल्लवी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. श्वेता ने किया। इस अवसर पर प्लेसमेंट सेल की समन्वयक डॉ. शुभांगी त्रिपाठी सहित कॉलेज के अनेक शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पटना में अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से होगी 'भर लो उड़ान' क्रिकेट स्कूल लीग

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।राजधानी के युवा क्रिकेटरों को बेहतर मंच देने के उद्देश्य से टर्निंग प्वायंट की ओर से अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में कासा पिकोला 'भर लो उड़ान क्रिकेट स्कूल लीग' का आयोजन किया जाएगा। आईपीएल की तर्ज पर आयोजित होने वाली इस लीग में अंडर-12 और अंडर-15 आयु वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। लीग के विजेता और उपविजेता टीमों को दी जाने वाली ट्रॉफी का अनावरण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर बिहार विधान परिषद सदस्य अरविंद शर्मा, भाजपा प्रदेश महामंत्री प्रीति शेखर, भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ के संयोजक सतीश राजू, बिहार प्लेयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मृत्युंजय तिवारी, प्लानेट इंटीरियर एंड कंस्ट्रक्शन के निदेशक निर्मल कुमार व सुमित कुमार सिंह, कासा पिकोला के प्रबंध निदेशक राजेश शर्मा, टर्निंग प्वायंट के निदेशक सह आयोजन

अध्यक्ष विजय शर्मा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान उदीयमान क्रिकेटरों को सम्मानित भी किया गया। **आईपीएल की तर्ज पर होगा आयोजनः**टर्निंग प्वायंट के एमडी विजय शर्मा ने बताया कि लीग को पेशेवर अंदाज में आयोजित करने की तैयारी की जा रही है। आईपीएल की तर्ज पर अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है, जिससे युवा खिलाड़ियों को फ्रेंचाइजी आधारित क्रिकेट का अनुभव मिल सके। उन्होंने कहा कि लीग के माध्यम से खिलाड़ियों के तकनीकी कौशल, आत्मविश्वास और टीम भावना को विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। **10 टीमें होंगी शामिलः** सरदार पटेल स्पोर्ट्स फाउंडेशन के महासचिव नवीन कुमार ने बताया कि लीग में कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी। अंडर-12 वर्ग में बॉल स्टार्स, अल्फा स्क्वाड, राइजिंग हीरोज, डिफेंडर्स, ब्रेव बटालियन्स और गेम चेंजर्स तथा अंडर-15 वर्ग में टारगेट ट्रैकर्स, गोल गेटर्स, पीक परफॉर्मर्स और लेगेसी लेजेंड्स टीमें मैदान में उतरेंगी। लीग के दौरान प्लेयर ऑफ द मैच, बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर और मैन ऑफ द सीरीज समेत

> » आईपीएल की तर्ज पर अंडर-12 व अंडर-15 के खिलाड़ी लेंगे हिस्सा, 10 टीमें दिखाएंगी दमखम

कई पुरस्कार दिए जाएंगे। विजेता और उपविजेता टीमों के लिए भी आकर्षक पुरस्कार रखे गए हैं। **खिलाड़ियों के लिए अल्पाहार की व्यवस्थाः**लीग के प्रायोजकों में शामिल प्लानेट इंटीरियर एंड कंस्ट्रक्शन के निदेशक निर्मल कुमार और सुमित कुमार सिंह ने बताया कि खिलाड़ियों के लिए मैदान पर अल्पाहार की व्यवस्था की जाएगी। आयोजकों के अनुसार, लीग का उद्देश्य केवल प्रतियोगिता कराना नहीं, बल्कि पटना और बिहार की प्रतिभाशाली नई पीढ़ी के क्रिकेटरों की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देना है। इससे स्कूल क्रिकेट को नया मंच मिलने और युवा खिलाड़ियों में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट का अनुभव विकसित होने की उम्मीद है।

युवती के बैग से अवैध शराब जब्त, तस्करी के आरोप में युवती और उसका साथी हिरासत में

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई के दौरान कोतवाली थाना पुलिस ने पटना जंक्शन के पास एक छात्रा को शराब की खेप के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इंदौर एक्सप्रेस से शराब की खेप के साथ दानापुर की रहने वाली BA की छात्रा (जो बिहार पुलिस की तैयारी भी कर रही है) और उसके एक साथी को भी धर दबोचा है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए युवती के हैंड बैग और शोल्डर बैग की तलाशी ली। तलाशी के दौरान अलग-अलग ब्रांड की आधा दर्जन से अधिक अंग्रेजी शराब की बोतलें बरामद हुईं। पूछताछ में खुलासा हुआ कि महज 2,000 रुपये के कमीशन के लिए वह बनारस से शराब की खेप लेकर पटना पहुंची थी। जब्त शराब की कीमत करीब 14 हजार रुपये बताई गई है। सिविल ड्रेस में तैनात जवानों को शक होने पर पीछा कर दोनों को पकड़ लिया

गया। पूछताछ में युवती ने पुलिस को बताया कि एक परिचित युवक ने उसे पैसे देने का लालच देकर उत्तर प्रदेश से शराब लाने के लिए तैयार किया था। वह ट्रेन से शराब लेकर पटना पहुंची थी। पटना जंक्शन से बाहर निकलते ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया। युवती ने पुलिस को बताया कि वह पहली बार इस तरह के मामले में शामिल हुई है। हालांकि, पुलिस उसके दावे की जांच कर रही है। पुलिस अब यह खंगालने में जुटी है कि बनारस में शराब उपलब्ध कराने वाला मुख्य तस्कर कौन था और पटना में यह खेप किसे सौंपी जानी थी। नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा रही है।

पटना में डेंगू के मामलों में भारी गिरावट, 2026 में अब तक 178 मरीज

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।राजधानी में डेंगू एवं अन्य मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए पटना नगर निगम की ओर से चलाए जा रहे सघन अभियान का असर दिखाई देने लगा है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, पटना में डेंगू के मामलों में पिछले वर्षों की तुलना में लगातार कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2023 में करीब 8 हजार मामले सामने आए थे, जो 2024 में घटकर करीब 5 हजार और 2025 में 1800 रह गए। वहीं, 2 सितंबर 2026 तक डेंगू के 178 मामले दर्ज किए गए हैं। नगर निगम के अनुसार, 2023 की तुलना में 2025 में डेंगू के मामलों में करीब 79 प्रतिशत की कमी आई है। इस

वर्ष भी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।**75 वार्डों में दो पालियों में फॉगिंगः**डेंगू नियंत्रण के लिए नगर निगम मच्छरों को खत्म करने के साथ उनके प्रजनन स्थलों को समाप्त करने पर भी जोर दे रहा है। निगम क्षेत्र के सभी 75 वार्डों में प्रतिदिन दो पालियों में फॉगिंग और एंटी-लार्वा का छिड़काव कराया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिह्नित हॉटस्पॉट और संवेदनशील इलाकों में जरूरत के अनुसार दिन में तीन बार तक फॉगिंग की जा रही है। डेंगू का मामला सामने आते ही संबंधित क्षेत्र में तत्काल फॉगिंग एवं एंटी-लार्वा गतिविधियां शुरू करने का निर्देश है। **132 फॉगिंग मशीनें तैनातः**अभियान के लिए नगर निगम ने 57 वाहन माउंटेड और 75 हैंड-हेल्ड फॉगिंग मशीनें तैनात की हैं। कुल 132 कर्मी इस अभियान में प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हैं। अंचलवार भी फॉगिंग टीमों की तैनाती की गई है। इसके अलावा सभी 75 वार्डों को 375 सेक्टरों में बांटा गया है और प्रत्येक सेक्टर में एक एंटी-लार्वा यूनिट सक्रिय है। टीमें नालियों, जलजमाव वाले स्थानों, खाली प्लॉट, निर्माणाधीन भवनों तथा सार्वजनिक और निजी परिसरों में संभावित मच्छर प्रजनन स्थलों की जांच कर आवश्यकतानुसार छिड़काव कर रही हैं। **घाटों पर भी बढ़ाई गई निगरानीः**गंगा के जलस्तर में कमी के बाद घाटों और आसपास के क्षेत्रों में जमा पानी को लेकर नगर निगम ने विशेष सतर्कता बढ़ाई है। टीमों द्वारा संभावित जलजमाव एवं मच्छर प्रजनन स्थलों की पहचान कर एंटी-लार्वा का छिड़काव और जरूरत के अनुसार फॉगिंग की जा रही है। **MSU कर रही मॉनिटरिंगः**डेंगू नियंत्रण अभियान की निगरानी अंचल स्तर से निगम मुख्यालय तक की जा रही है। मेट्रोपॉलिटन सर्विलांस यूनिट (MSU) की टीमें भी फॉगिंग और एंटी-लार्वा गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग कर रही हैं। फील्ड कर्मियों को फॉगिंग, ब्रीडिंग साइट की पहचान और एंटी-लार्वा छिड़काव की निर्धारित प्रक्रिया का प्रशिक्षण भी दिया गया है। नगर निगम ने नागरिकों से डेंगू नियंत्रण अभियान में सहयोग की अपील की है। घरों की छत, कूलर, गमले, पुराने टायर, खाली डिब्बे और अन्य स्थानों पर पानी जमा नहीं होने देने तथा सप्ताह में कम से कम एक बार इन स्थानों की सफाई करने को कहा गया है। फॉगिंग या एंटी-लार्वा छिड़काव के लिए नागरिक टोल फ्री नंबर 155304 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

हर खबर पर पैनी नजर
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

संक्षिप्त समाचार

युवा आपदा मित्र प्रशिक्षण शिविर में स्वयंसेवकों को सिखाए आपदा प्रबंधन के गुर

दरभंगा।ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के एनएसएस कोषांग द्वारा बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पटना के सौजन्य से आयोजित सात दिवसीय 'युवा आपदा मित्र आवासीय प्रशिक्षण शिविर' दूसरे दिन भी जारी रहा। जुबिली हॉल में आयोजित शिविर में दरभंगा जिले के 200 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक सह शिविर संयोजक डॉ. आरएन चौरसिया ने प्रशिक्षण का शुभारंभ करते हुए आपदा प्रबंधन, अनुशासन और शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। एसडीआरएफ प्रशिक्षकों ने स्वयंसेवकों को बाढ़ के कारण, प्रभाव एवं बचाव के उपायों की जानकारी दी। स्थानीय संसाधनों से राफ्ट बनाने तथा डूबते व्यक्ति को रस्सी, मानव श्रृंखला सहित विभिन्न तरीकों से बचाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षकों ने प्राथमिक चिकित्सा के तहत शरीर का तापमान, नाड़ी, श्वसन दर और हृदय गति की जानकारी भी दी। प्रशिक्षण के बाद स्वयंसेवकों के सवालों के जवाब दिए गए तथा दस प्रतिभागियों ने दिनभर के प्रशिक्षण का सार प्रस्तुत किया।

भारत निर्वाचन आयोग ने मांगी मधुबनी की 50 पेंटिंग, स्थानीय कलाकारों को मिलेगा राष्ट्रीय मंच

मधुबनी/बिहार।मिथिला की प्रसिद्ध मधुबनी चित्रकला को राष्ट्रीय स्तर पर एक और महत्वपूर्ण पहचान मिलने जा रही है। भारत निर्वाचन आयोग ने मधुबनी चित्रकला संस्थान, मधुबनी से आधिकारिक प्रयोजन के लिए 50 मधुबनी पेंटिंग उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। आयोग के प्रोटोकॉल अधिकारी की ओर से भेजे गए पत्र में ऐसी पेंटिंग उपलब्ध कराने को कहा गया है, जिनमें मधुबनी की पारंपरिक कला, संस्कृति और समृद्ध विरासत की स्पष्ट झलक दिखाई दे। पेंटिंग के चयन में स्थानीय कला परंपरा और उसकी मौलिकता को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया है।आयोग ने पेंटिंग की व्यवस्था के लिए मधुबनी कला के संरक्षण और संवर्धन से जुड़े स्थानीय कलाकारों एवं शिल्पकारों को प्राथमिकता देने का अनुरोध किया है। इससे जिले के कलाकारों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर मिलने के साथ स्थानीय कलाकारों और शिल्पकारों को प्रोत्साहन भी मिलेगा। प्रत्येक पेंटिंग के साथ उसकी विषय-वस्तु और कलात्मक विशेषताओं का संक्षिप्त विवरण अंग्रेजी में उपलब्ध कराने को कहा गया है। पेंटिंग की आपूर्ति निर्धारित प्रक्रिया के तहत संबंधित बिल अथवा इनवॉइस के साथ की जाएगी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मधुबनी की पारंपरिक चित्रकला को आधिकारिक प्रयोजन के लिए चुना जाना मिथिला की सदियों पुरानी कला परंपरा के प्रति सम्मान के रूप में देखा जा रहा है। इससे मधुबनी पेंटिंग को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने के साथ स्थानीय कलाकारों के लिए भी नए अवसर खुलने की उम्मीद है।

पुराने विवाद में दो पक्षो के बीच फायरिंग, चाचा-भतीजे समेत दो घायल

मधुबनी।खजौली थाना क्षेत्र के बिरौल गांव में बुधवार सुबह करीब 6:30 बजे पुराने आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच फायरिंग हो गई। घटना में एक पक्ष के दो लोगों के हाथ में गोली लगी है। दोनों घायल आपस में चाचा-भतीजा बताए गए हैं।घायलों की पहचान बिरौल निवासी राजदेव सिंह और उनके पुत्र राजा कुमार सिंह के रूप में हुई है। घटना के बाद ग्रामीणों की मदद से दोनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल, मधुबनी भेजा गया, जहां चिकित्सकों के अनुसार दोनों की स्थिति खतरे से बाहर है और उनका इलाज जारी है। सूचना मिलते ही खजौली थानाध्यक्ष पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर-02 तथा एफएसएल की टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाए। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक, मधुबनी ने एसडीपीओ सदर-02 के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया है। पुलिस द्वारा घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है तथा आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। पुलिस के अनुसार घटनास्थल पर स्थिति पूरी तरह सामान्य और नियंत्रण में है।

पितृपक्ष से पहले बोधगया में व्यवस्थाओं का फुल एक्शन प्लान, प्रेम कुमार ने अफसरों को दिए सख्त निर्देश

गयाजी। पितृपक्ष मेला-2026 को लेकर बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने बोधगया अतिथि गृह में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने बिजली, पानी, सफाई, यातायात, पार्किंग, सड़क, शौचालय और वेदी स्थलों की व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए।एयरपोर्ट से महाबोधि मंदिर तक विशेष सफाई के साथ श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग व्यवस्था की गई है। छोटी गाड़ियों के लिए नोड-1, बड़ी गाड़ियों के लिए नोड-2 और वीआईपी वाहनों के लिए कालचक्र मैदान के पास पार्किंग होगी।अधिकारियों ने बताया कि करीब 3 हजार घरों में गंगाजल की आपूर्ति हो रही है, जबकि शेष 6 हजार घरों के लिए करीब 135 करोड़ की पेयजल योजना पर काम चल रहा है। करीब 100 करोड़ की एसटीपी योजना और एयरपोर्ट से महाबोधि मंदिर तक 10 स्थानों पर सार्वजनिक शौचालय बनाने की योजना भी प्रगति पर है।डॉ. प्रेम कुमार ने महाबोधि मंदिर के आसपास भिखारियों और बेसहारा पशुओं पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। दोमुहान में टोटो-टेंपो के लिए व्यवस्थित स्टैंड बनाने तथा सरकारी जमीन को विकसित कर जाम की समस्या दूर करने को भी कहा।उन्होंने कहा कि बोधगया आने वाले देश-विदेश के श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा देना सभी विभागों की प्राथमिकता होनी चाहिए।

अनुमंडल कार्यालय में भूमि विवाद जनसुनवाई: एसडीओ राकेश कुमार की अध्यक्षता में 07 में से 05 मामलों का मौके पर निपटारा

समस्तीपुर।अनुमंडल कार्यालय प्रकोष्ठ में अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार की अध्यक्षता में भूमि विवाद जनसुनवाई का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में लंबे समय से लंबित जमीनी विवादों का त्वरित, निष्पक्ष और पारदर्शी समाधान सुनिश्चित कर आम जनता को राहत पहुंचाना था। बैठक के दौरान कुल 07 भूमि विवाद से जुड़े मामले सामने आए, जिनमें से 05 मामलों पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए मौके पर ही उनका स्थाई निपटारा कर दिया गया। शेष बचे हुए मामलों की गहन समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को समय सीमा के भीतर जांच पूरी कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए ताकि उनका भी जल्द से जल्द समाधान किया जा सके। प्रशासन की इस सक्रियता और मौके पर ही फैसलों से जनसुनवाई में पहुंचे फरियादियों को बड़ी राहत मिली है।

भगवान श्रीकृष्ण के छठियार पर राधा-कृष्ण ठाकुरबाड़ी मठ में हुआ भव्य भंडारा

नई सोच एक्सप्रेस

मोतीहारी।सुगौली नगर पंचायत स्थित राधा-कृष्ण ठाकुरबाड़ी मठ परिसर में भगवान श्रीकृष्ण के छठियार के अवसर पर भव्य महाभंडारा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को लेकर मठ परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भक्तिमय माहौल के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।भंडारे का शुभारंभ बाबा जयराम दास, बाबा मनीष दास, धर्मेंद्र नायक एवं सांसद प्रतिनिधि प्रदीप सराफ ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण शुरू किया गया। भंडारे में नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। देखते ही देखते मठ परिसर श्रद्धालुओं से भर गया। आयोजन समिति एवं स्थानीय लोगों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की समुचित व्यवस्था की गई थी।इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकारों ने भक्ति गीतों एवं धार्मिक प्रस्तुतियों के माध्यम से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान पूरा परिसर भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और जयकारों से गूंजता रहा।मौके पर बाबा मनीष दास ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी राधा-कृष्ण ठाकुरबाड़ी मठ में जन्माष्टमी का पर्व पूरे उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। जन्माष्टमी के उपरांत भगवान श्रीकृष्ण के छठियार के अवसर पर महाभंडारे का आयोजन किया गया है। इसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया।उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों का उद्देश्य लोगों को भगवान की भक्ति से जोड़ने के साथ-साथ आपसी भाईचारा और सामाजिक एकता को मजबूत करना भी है। उन्होंने आयोजन में सहयोग करने वाले सभी श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। भंडारे में सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। आयोजन में शामिल लोगों ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण के दौरान व्यवस्था बनाए रखने में आयोजन से जुड़े लोगों एवं स्थानीय युवाओं ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।कार्यक्रम के दौरान अंकुर चौधरी, प्रशांत सराफ, उदतम कुमार, गोविंद कुमार, मिथलेश झा, आकाश सराफ, दिलीप कुमार, शंकर पांडेय, चंदन कुमार, अनमोल सिंह, हरिशंकर पटेल, सार्थक सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे। राधा-कृष्ण ठाकुरबाड़ी मठ में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम ने पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना दिया। देर तक चले कार्यक्रम में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और भगवान श्रीकृष्ण के छठियार के अवसर पर आयोजित भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत बनाना ही बैठक का मुख्य उद्देश्य : बसपा प्रदेश महासचिव अब्दुल करीम अंसारी

नई सोच एक्सप्रेस

भभुआ।चैनपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रामगढ़ सेक्टर में बुधवार को बहुजन समाज पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अयोध्या कुमार एवं संचालन प्रखंड अध्यक्ष संजय कुमार राम ने किया।तो वही मुख्य अतिथि के रूप में बसपा प्रदेश महासचिव अब्दुल करीम अंसारी ने भाग लिया।इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे बसपा प्रदेश महासचिव अब्दुल करीम अंसारी ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी चुनाव को लेकर पार्टी को बूथ स्तर पर मजबूत करना ही बैठक का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया की आगामी पंचायत चुनाव,लोकसभा चुनाव तथा उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बसपा के राष्ट्रीय अध्यक्षा माननीय बहन कुमारी मायावती जी के हाथों को मजबूत बनाना है।जिसके लिए हम सभी कार्यकर्ताओं को बूथ, सेक्टर,प्रखंड एवं जिला स्तर पर बसपा की मजबूत प्रदर्शन के लिए मेहनत करना बेहद जरूरी है।ताकि आगामी पंचायत,लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव में बसपा को मजबूत बनाया जा सके।तो वही दूसरी तरफ उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को संगठित होकर बसपा को पूरे बिहार प्रदेश में मजबूत करने की अपील भी किया है।इस मौके पर बसपा कार्यकर्ता आनंद कुमार दिनकर,सनउर अली,रामलाल सिंह,सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

परसियां में चल रहे चतुर्मास महायज्ञ में शामिल होंगे भूमि एवं राजस्व मंत्री दिलीप जायसवाल

नई सोच एक्सप्रेस

भभुआ।भभुआ विधानसभा के लोकप्रिय विधायक भरत बिंद ने क्षेत्र अंतर्गत परसिया गांव में चल रहे चातुर्मास यज्ञ में शामिल होने के लिए बिहार सरकार के भूमि एवं राजस्व मंत्री दिलीप जायसवाल को पटना जाकर आमंत्रित किया है। इस मौके पर उन्होंने भूमि एवं राजस्व विभाग के मंत्री दिलीप जायसवाल से मुलाकात पर उन्हें परम पूज्य लक्ष्मी प्रपंन्न जीयर स्वामी महाराज के महायज्ञ में शामिल होने का भी आमंत्रण दिया। इस मौके पर भरत बिंद ने कहा की भूमि एवं राजस्व विभाग के मंत्री दिलीप जायसवाल को इस पावन महायज्ञ में शामिल होने से कैमूर की धरा में एक नया संदेश जाएगा। तथा महायज्ञ की शोभा और बढ़ जाएगी। इस पर मंत्री दिलीप जायसवाल ने भी विधायक भरत बिंद को भरोसा दिलाते हुए महायज्ञ में शामिल होने के लिए खुशी जाहिर किया।तो वही इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता दुर्गेश चौबे ने भी विधायक के साथ मंत्री दिलीप जायसवाल को महायज्ञ में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया इस मौके पर भूमि एवं राजस्व मंत्री दिलीप जायसवाल भभुआ विधायक भरत बिंद एवं भाजपा नेता दुर्गेश चौबे के द्वारा आमंत्रण हेतु मुलाकात की एक तस्वीर फेसबुक पर काफी सुर्खियां बटोर रहा है।

» भभुआ विधायक भरत बिंद एवं भाजपा नेता दुर्गेश चौबे ने मंत्री से शिष्टाचार मुलाकात कर दिया आमंत्रण

स्काउट-गाइड शिविर में विद्यार्थियों को मिल रहा नेतृत्व और सेवा का प्रशिक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।जिला शिक्षा पदाधिकारी, सारण के निर्देश के आलोक में मकेर और परसा प्रखंड में भारत स्काउट एवं गाइड के प्रशिक्षण शिविरों का शुभारंभ हुआ। शिविरों में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी अनुशासन, नेतृत्व, टीम भावना और सेवा का पाठ सीख रहे हैं। मकेर में राजेंद्र विद्यालय मंदिर को प्रथम सोपान प्रशिक्षण शिविर का केंद्र बनाया गया है। शिविर का उद्घाटन विद्यालय की प्राचार्या कुमारी अनीता ने किया। यहां राजेंद्र विद्यालय मंदिर के अलावा उच्च माध्यमिक विद्यालय फुलवरिया, उच्च माध्यमिक विद्यालय पीर मकेर, मध्य विद्यालय अंजनी और मध्य विद्यालय मकेर के स्काउट एवं गाइड प्रशिक्षण ले रहे हैं। मौके पर अरुणा प्रिया, मनीष कुमार, स्काउट मास्टर धीरेन्द्र सिंह, गाइड कैप्टेन संध्या कुमारी सहित अन्य शिक्षक एवं प्रशिक्षण दल के सदस्य मौजूद रहे। परसा के संत मिशन इंटरनेशनल स्कूल में प्रथम एवं द्वितीय सोपान प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन संचालक राजा राम दास, अध्यक्ष उर्मिला देवी, उप-प्राचार्य बलिराम दास, नोडल शिक्षक रजनीश कुमार मिश्रा एवं अंजलि कुमारी ने किया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को प्राथमिक उपचार, गांठ एवं बंधन, ध्वज शिष्टाचार, मार्च-पास्ट, कैंपिंग, स्वच्छता, आपदा प्रबंधन और समाजसेवा जैसी गतिविधियों का व्यावहारिक ज्ञान दिया जा रहा है। इससे विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता, जिम्मेदारी, सहयोग, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है।

मधुबनी में सड़क कनेक्टिविटी को मिलेगी नई रफ्तार, ग्रामीण सड़को के लिए मंत्री से मिले विधायक माधव आनंद

नई सोच एक्सप्रेस

मधुबनी/बिहार।मधुबनी विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण सड़को के निर्माण, जर्जर पथों के पुनर्निर्माण और गांवों के बीच बेहतर सड़क कनेक्टिविटी को लेकर विधायक माधव आनंद ने बुधवार को पटना में ग्रामीण कार्य विभाग के मंत्री सुनील कुमार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र से संबंधित तीन महत्वपूर्ण प्रतिवेदन मंत्री को सौंपे और विभिन्न सड़क योजनाओं को स्वीकृति देने की मांग रखी। विधायक ने रहिका प्रखंड की विभिन्न ग्रामीण सड़कों को मुख्यमंत्री सड़क संपर्क योजना के तहत पक्कीकरण कराने, मधुबनी विधानसभा क्षेत्र-36 में अनुरक्षण अवधि से बाहर हो चुके तथा जर्जर पथों के निर्माण एवं पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक स्वीकृति प्रदान करने की मांग की। इसके अलावा पंडौल प्रखंड की महत्वपूर्ण ग्रामीण सड़को के पक्कीकरण, निर्माण तथा गांवो को आपस में बेहतर सड़क संपर्क से जोड़ने के संबंध में भी प्रतिवेदन सौंपा।माधव आनंद ने कहा कि सड़कें केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास की जीवनरेखा हैं। बेहतर सड़क संपर्क से गांवों को स्कूल, अस्पताल, बाजार, रोजगार और विकास के अवसरों से जोड़ने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि मधुबनी विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।मंत्री सुनील कुमार ने विधायक द्वारा सौंपे गए तीनों प्रतिवेदनों को गंभीरता से लेते हुए सकारात्मक आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि कई महत्वपूर्ण सड़क योजनाओं को इसी वर्ष स्वीकृति देकर कार्यान्वित कराने का प्रयास किया जाएगा, जबकि शेष योजनाओं को अगले वर्ष स्वीकृति दिलाने की दिशा में आवश्यक पहल की जाएगी।मधुबनी विधायक माधव आनंद ने मंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मधुबनी के विकास से जुड़े विषयों पर उन्हें पूर्व में भी मंत्री का सहयोग और मार्गदर्शन मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास उनके लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी है और मधुबनी के गांव-गांव तक बेहतर सड़क, सुगम आवागमन तथा मजबूत कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के लिए वे निरंतर प्रयास करते रहेंगे।

» मधुबनी में सड़क विकास को लेकर सक्रिय हुए माधव आनंद, मंत्री को सौंपे तीन प्रस्ताव

नवपदस्थापित एसडीपीओ दीप्ति मोनाली से डॉ. त्रिवेणी यादव ने की शिष्टाचार मुलाकात

नई सोच एक्सप्रेस

जमुई।बुधवार को जमुई की नवपदस्थापित एसडीपीओ सह आईपीएस अधिकारी दीप्ति मोनाली से पूर्व राजद जिलाध्यक्ष डॉ. त्रिवेणी यादव ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने दीप्ति मोनाली को जमुई में एसडीपीओ के रूप में पदभार ग्रहण करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुलाकात के दौरान जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। डॉ. त्रिवेणी यादव ने उम्मीद जताई कि नवपदस्थापित एसडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के साथ आम लोगों में सुरक्षा की भावना को और बढ़ाएगा। गौरतलब है कि वर्ष 2024 बैच की आईपीएस अधिकारी दीप्ति मोनाली ने मंगलवार को जमुई एसडीपीओ के पद पर कार्यभार संभाला है। पदभार ग्रहण करने के साथ ही वह जमुई जिले में एसडीपीओ का पद संभालने वाली पहली महिला आईपीएस अधिकारी बन गई हैं। उनके पदभार संभालने के बाद जिले में पुलिसिंग व्यवस्था को लेकर लोगों की उम्मीदें भी बढ़ी हैं।

चिड़ेन पुल के समीप 72 घंटे से सड़क किनारे पड़ा क्षतिग्रस्त हाईवा, हादसे का खतरा

नई सोच एक्सप्रेस

जमुई।जिले के सोनो बटिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बटिया घाटी मुख्य मार्ग पर बटिया-चकाई मार्ग स्थित चिड़ेन पुल के समीप सड़क किनारे पिछले करीब 72 घंटे से दुर्घटनाग्रस्त हाईवा वाहन पड़ा हुआ है। सड़क किनारे खड़े क्षतिग्रस्त वाहन और मार्ग में बने बड़े-बड़े गड्ढों के कारण यहां लगातार दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और पुलिस से तत्काल क्षतिग्रस्त वाहन को हटाने की मांग की है।बताया जाता है कि विगत सोमवार की दोपहर हाईवे और एक लग्जरी वाहन की टक्कर में एक मोटरसाइकिल चालक समेत तीन वर्षीय बच्ची और उसके पिता की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। वहीं दुर्घटना में मृतक की पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं,जिनका इलाज पटना में चल रहा है।इस दर्दनाक हादसे के बाद भी दुर्घटनाग्रस्त हाईवा को अब तक सड़क किनारे से नहीं हटाया गया है।स्थानीय लोगों के अनुसार चिड़ेन पुल के समीप सड़क किनारे खड़े क्षतिग्रस्त हाईवा के कारण बटिया की ओर से आने वाले और चकाई की ओर से आने वाले वाहनों को एक-दूसरे को रास्ता देने के लिए रुकना पड़ता है। घाटी का यह हिस्सा पहले से ही जोखिम भरा है। ऐसे में वाहनों के रुकने और अचानक एक-दूसरे के सामने आने से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।इस मार्ग पर दोपहिया वाहनों से लेकर बड़े मालवाहक वाहनों तक का लगातार आवागमन होता है। इसके अलावा सड़क के बीच जगह-जगह बड़े गड्ढे भी बन गए हैं, जिससे वाहन चालकों को काफी परेशानी हो रही है। खासकर रात के समय स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से अपील करते हुए कहा कि अगर समय रहते सड़क किनारे पड़े दुर्घटनाग्रस्त हाईवा को नहीं हटाया गया तो किसी दूसरे परिवार को भी हादसे का शिकार होना पड़ सकता है। लोगों ने भावुक होकर कहा कि प्रशासन की लापरवाही के कारण फिर किसी घर का चिराग न बुझे और किसी मासूम बच्ची को अपने माता-पिता से बिछड़ना न पड़े।ग्रामीणों ने संबंधित पुलिस पदाधिकारियों एवं प्रशासन से तत्काल कार्रवाई करते हुए दुर्घटनाग्रस्त वाहन को हटाने, सड़क के गड्ढों की मरम्मत कराने और चिड़ेन पुल के समीप यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाने की मांग की है।

» प्रशासन की लापरवाही से मंडरा रहा खतरा, स्थानीय लोगों ने वाहन हटाने की मांग की

मधुबनी में पोषण माह की शुरुआत, पूरे सितंबर चलेगा जागरूकता अभियान

नई सोच एक्सप्रेस

मधुबनी/बिहार।जिले में 9वें पोषण माह 2026 का शुभारंभ बुधवार को उद्घाटन समारोह के लाइव टेलीकास्ट के साथ हुआ। वाराणसी में आयोजित राज्यस्तरीय उद्घाटन समारोह का प्रसारण जिला मुख्यालय से लेकर प्रखंड, पंचायत एवं आंगनवाड़ी केंद्रों तक किया गया।वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। इसका लाइव प्रसारण जिला मुख्यालय स्थित जिला एनआईसी सहित जिले के सभी प्रखंडों, पंचायतों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों पर किया गया। पोषण माह के तहत पूरे एक महीने जिले में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आंगनवाड़ी, पंचायत, प्रखंड एवं जिला स्तर पर होने वाली गतिविधियों के माध्यम से लोगों को संतुलित पोषण के महत्व, स्वस्थ जीवनशैली तथा पोषण संबंधी जागरूकता के प्रति प्रेरित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य पोषण को लेकर आमजन की भागीदारी बढ़ाना और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए जागरूकता को व्यापक स्तर तक पहुंचाना है।जिला मुख्यालय स्थित एनआईसी में आयोजित लाइव टेलीकास्ट के दौरान नगर आयुक्त उमेश कुमार भारती, सिविल सर्जन हरेन्द्र कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, वरीय उप समाहर्ता सह जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी ज्योति रानी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी राकेश कुमार, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी आईसीडीएस ललिता कुमारी, जिला समन्वयक मिशन पोषण 2.0 स्मित प्रतीक, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक जिला स्वास्थ्य समिति, जिला कार्यक्रम प्रबंधक जीविका सहित कई जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी से जूझ रहा वजीरगंज सीएचसी, मरीजों को इलाज के लिए जाना पड़ रहा बाहर

गया जी। वजीरगंज प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार भवन में बुधवार को रोगी कल्याण समिति की बैठक बीडीओ प्रभाकर सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की स्वास्थ्य सुविधाओं और मरीजों को मिल रही सेवाओं की समीक्षा की गई। महिला रोग विशेषज्ञ और हड्डी रोग विशेषज्ञ समेत कई विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी का मुद्दा प्रमुखता से उठा।समिति सदस्यों ने कहा कि विशेषज्ञ चिकित्सकों के अभाव में मरीजों को बेहतर इलाज के लिए दूसरे अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जिला स्तर के अधिकारियों को स्थिति से अवगत कराते हुए जरूरी विशेषज्ञ चिकित्सकों की पदस्थापना की मांग की जाएगी। अस्पताल में रेबीज का इंजेक्शन उपलब्ध नहीं होने का मामला भी सामने आया है। स्वास्थ्य प्रबंधक सैयद नैयर आजम ने जानकारी देते हुए बताया कि फिलहाल पूरे जिले में ही रेबीज इंजेक्शन उपलब्ध नहीं है। जिले में आपूर्ति शुरू होते ही वजीरगंज सीएचसी को भी इंजेक्शन उपलब्ध कराया जाएगा।वही स्वास्थ्य प्रबंधक ने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी समिति के सदस्यों को दी। बीडीओ प्रभाकर सिंह ने स्वास्थ्यकर्मियों को मरीजों और उनके परिजनों के साथ संवेदनशील व्यवहार करने तथा त्वरित स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।बैठक में अस्पताल परिसर स्थित सभाकक्ष की जर्जर स्थिति पर भी चर्चा हुई। बीडीओ ने सभाकक्ष की शीघ्र मरम्मत और रंग-रोगन कराने की बात कही। उन्होंने बताया कि मरम्मत के बाद रोगी कल्याण समिति की अगली बैठक अस्पताल परिसर में ही आयोजित की जाएगी।

मिशन चबूतरा के तहत जहानाबाद पुलिस ने सूखे नशे के विरुद्ध सख्त

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। पुलिस ने सूखे नशे के विरुद्ध मुहिम तेज कर दी है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर घोसी थाना परिसर में 'मिशन चबूतरा' के तहत पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों की ब्रीफिंग आयोजित की गई। थानाध्यक्ष एवं अंचल निरीक्षक ने पुलिस कर्मियों को नशे के सेवन और अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ब्रीफिंग के दौरान विशेष रूप से स्मैक एवं अन्य सूखे नशीले पदार्थों के सेवन, बिक्री और कारोबार पर रोक लगाने को लेकर लगातार छापेमारी करने तथा संलिप्त लोगों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने क्षेत्र में नशे के संभावित ठिकानों और कारोबारियों पर नजर रखने के साथ-साथ सूचना तंत्र को मजबूत करने का निर्देश दिया। बैठक में डायल-112 एवं पुलिस दीदी की टीम भी मौजूद रही। पुलिस की ओर से आम लोगों से भी अपील की गई कि नशीले पदार्थों के सेवन अथवा अवैध कारोबार से संबंधित जानकारी पुलिस को दें ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। पुलिस का उद्देश्य युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाकर समाज को सुरक्षित बनाना है। 'नशे के खिलाफ जहानाबाद पुलिस की मुहिम 'सुरक्षित युवा- उज्ज्वल भविष्य' के संदेश के साथ अभियान को लगातार प्रभावी बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

दो दिन में दुरुस्त हुआ माही का तटबंध, उपमुख्यमंत्री ने लिया जायजा

छपरा। बाढ़ प्रभावित सारण जिले में प्रशासन और जल संसाधन विभाग की तत्परता से माही नदी के दाएं तटबंध की टूटन को महज दो दिनों में दुरुस्त कर लिया गया। बुधवार को उपमुख्यमंत्री सह सारण के प्रभारी मंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव ने तटबंध के 11.90 किलोमीटर बिंदु पर पहुंचकर मरम्मत कार्य और वर्तमान स्थिति का स्थलीय निरीक्षण किया। छह सितंबर को गंगा नदी के उच्चतम जलस्तर के कारण बैकवॉटरिंग की स्थिति उत्पन्न हुई थी। इसके चलते माही नदी का दायां तटबंध 11.90 किलोमीटर बिंदु पर क्षतिग्रस्त होकर टूट गया था। सूचना मिलते ही जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता, बाढ़ संघर्षात्मक कार्य के अध्यक्ष और कार्यपालक अभियंता के नेतृत्व में तकनीकी टीम मौके पर पहुंची और युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य शुरू किया। अभियंत्रण टीम ने लगातार दिन-रात काम करते हुए आवश्यक संसाधन और तकनीकी उपाय जुटाए। आठ सितंबर की रात तक तटबंध की टूटन को बंद कर नदी के बहाव को नियंत्रित कर लिया गया। इससे संभावित गंभीर स्थिति को टालने में महत्वपूर्ण सफलता मिली। उपमुख्यमंत्री ने मौके पर अधिकारियों से मरम्मत कार्य की जानकारी ली और त्वरित कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि बाढ़ की अवधि समाप्त होने तक अधिकारी पूरी सतर्कता और मुस्तैदी बनाए रखें। संवेदनशील तटबंधों की लगातार निगरानी करने और किसी भी क्षति की सूचना मिलते ही तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

डकैती कांड में फरार पांच हजार का इनामी अभियुक्त गिरफ्तार

मोतीहारी। सुगौली थाना पुलिस ने डकैती कांड में लंबे समय से फरार चल रहे पांच हजार रुपये के इनामी अभियुक्त एजाज अंसारी को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष अनिष कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर पश्चिमी चंपारण जिले के योगापट्टी थाना क्षेत्र में छापेमारी कर आरोपी को पकड़ा।गिरफ्तार एजाज अंसारी अमेठिया गांव निवासी नुरूल हुदा अंसारी का पुत्र बताया गया है। पुलिस के अनुसार वह सुगौली थाना कांड संख्या 340/24 से संबंधित डकैती मामले में अप्राथमिक अभियुक्त है और काफी समय से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने पांच हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। इसके बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। थानाध्यक्ष अनिष कुमार सिंह ने बताया कि फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी और अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस का अभियान लगातार जारी है।

नगर निगम क्षेत्र के सभी मुख्य चौक चौराहों व भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर होगा प्रसाधन सुविधाओं का निर्माणः गरिमा

नई सोच एक्सप्रेस

बेतिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि नगर निगम के सघन शहरी क्षेत्र में नागरिक प्रसाधन सुविधाओं के विस्तार की पहल तेज की गई है। इसको लेकर नगर निगम द्वारा पारित प्रस्ताव के आधार पर भीड़भाड़ वाले महत्वपूर्ण स्थानों पर सार्वजनिक मूत्रालयों के निर्माण कार्य के लिए चयनित संवेदकों के नाम से कार्यादेश जारी किया गया है। इसके तहत नगर निगम क्षेत्र के बेतिया बगहा रोड पर छावनी ओवर ब्रिज के नीचे और बेतिया मैनाटांड़ रोड पुल के नीचे के सार्वजनिक मूत्रालयों का निर्माण कार्य का महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने निरीक्षण किया। इस

मौके पर महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि जन उपयोगी इन प्रसाधन सुविधा की योजनाओं को पूरा करने के लिए ई टेंडरिंग विधि से चयनित संवेदक के लिए कार्यादेश जारी किया गया है। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि सार्वजनिक मूत्रालयों के अभाव में लोगों को असुविधा के साथ-साथ खुले में मूत्र त्याग जैसी अनिवार्यता की स्थिति में असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है। वही दूसरी तरफ इससे

» निरीक्षण के मौके पर बोलीं महापौर- सार्वजनिक मूत्रालयों के बिना लोगों को असुविधा के साथ खुले में मूत्र त्याग से शहर स्वच्छता और पर्यावरण होते हैं प्रभावित

शहर की स्वच्छता और पर्यावरण दोनों प्रभावित होते हैं। महापौर ने बताया कि स्वच्छ और व्यवस्थित शहर बनाने के लिए केवल सड़कों, नालियों और कचरा प्रबंधन की बेहतर व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। सार्वजनिक प्रसाधन सुविधाओं की उपलब्धता और उनका नियमित रखरखाव भी संपूर्ण स्वच्छता अभियान का अहम हिस्सा है।

पितृपक्ष मेला से पहले ट्रैफिक पर शिकंजा, गया की सड़कों पर चला सघन वाहन जांच अभियान

नई सोच एक्सप्रेस

गयाजी। पितृपक्ष मेला-2026 को लेकर गया में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए प्रशासन ने वाहन जांच अभियान तेज कर दिया है। बुधवार को जिला परिवहन पदाधिकारी राजेश कुमार, सदर एसडीओ और यातायात पुलिस उपाधीक्षक की संयुक्त टीम ने बाईपास, घुघड़ीटांड़, बोधगया रोड, माड़नपुर समेत प्रमुख मार्गों पर सघन वाहन जांच की।अभियान के दौरान ड्राइविंग लाइसेंस, प्रदूषण प्रमाण-पत्र, वाहन के कागजात और अन्य दस्तावेजों की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। नाबालिगों के वाहन चलाने के मामलों पर भी विशेष नजर रखी गई।जिला परिवहन विभाग ने करीब 6 लाख रुपए, जबकि यातायात विभाग ने करीब 50 हजार रुपए का जुर्माना वसूला अधिकारियों ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और नाबालिगों को वाहन नहीं चलाने देने की अपील की।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पितृपक्ष मेले तक वाहन जांच अभियान लगातार जारी रहेगा। इसका उद्देश्य देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के लिए सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यातायात सुनिश्चित करना है।

जयनगर में 50 लाख की रंगदारी का मामला, मकान पर ताला जड़ने वाले तीन गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

मधुबनी/बिहार। जयनगर दिनांक 08 सितंबर को जयनगर थाना को सूचना प्राप्त हुई कि जयनगर बाजार स्थित आर्य कुमार पुस्तकालय रोड में कुछ असामाजिक तत्वों/भूमाफियाओं द्वारा प्रमोद अग्रवाल, पिता स्व. रिचपाल अग्रवाल के 14 वर्ष पुराने आवासीय घर के मुख्य गेट में रंगदारी को लेकर ताला मार दिया गया है। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के दौरान ज्ञात हुआ कि प्रमोद अग्रवाल एक वृद्ध व्यक्ति हैं। उनके घर पर सभी परिजन बाहर रहकर नौकरी करते हैं। उनकी पत्नी के देहांत के बाद वे भी ज्यादातर बाहर ही रहते हैं। इसी बीच कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा प्रमोद अग्रवाल के घर का गलत दावेदार बनकर 50 लाख रुपये रंगदारी मांगने एवं इनकार करने पर कब्जा करने की नीयत से मकान में ताला मार दिया गया। घटनास्थल पर मौजूद रवि राम, उमाकांत यादव एवं रंजन

कुमार तथा सूचक प्रमोद अग्रवाल को थाना लाया गया। प्रमोद अग्रवाल के आवेदन पर जयनगर थाना कांड संख्या 458/26, दिनांक 08.09.2026, धारा119(1)/308(5)/61(2)/3(5) बीएनएस के अंतर्गत रवि राम, उमाकांत यादव एवं रंजन कुमार समेत अन्य तीन के विरुद्ध मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया।अनुसंधान के दौरान पुलिस ने पाया कि नामजद अभियुक्तों द्वारा कमजोर लोगों की जमीन/मकान का गलत दावेदार आगे कर अवैध तरीके से जमीन/मकान पर कब्जा किया जाता है।मामले में पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में रवि राम, पिता स्व. मिश्रि राम, सानो कोईलख, थाना राजनगर, जिला मधुबनी, उमाकांत यादव, पिता जयनारायण यादव, सानो पदमा, थाना लदनियां, जिला मधुबनी तथा रंजन कुमार, पिता रामकृपाल यादव, सानो बेल्ही, थाना जयनगर, जिला मधुबनी शामिल हैं।बरामदगी में तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। मामले में पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है।

महिलाओं की आंखों की जांच एवं चश्मा वितरण को लेकर शिविर का आयोजन किया गया

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। सदर प्रखंड के अमैन पंचायत अंतर्गत कोसडिहरा गांव में महिलाओं की आंखों की जांच एवं चश्मा वितरण को लेकर शिविर का आयोजन किया गया। ग्लासेस फॉर लाइवलीहुड प्रोजेक्ट के तहत डीबीएस एवं पीसीआई के सहयोग से आयोजित इस शिविर में 205 महिलाओं को जांच के बाद चश्मा प्रदान किया गया। शिविर का शुभारंभ पीसीआई के प्रोजेक्ट मैनेजर एजाज अहमद, पीसीआई के संदीप कुमार, वार्ड सदस्य, समिति की अध्यक्ष नीतू कुमारी, भोला सिंह, संतोष कुमार सहित अन्य गणमान्य लोगों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। चश्मा मिलने के बाद महिलाओं के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। उन्होंने संस्था के

सदस्यों के प्रति आभार जताते हुए इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर समिति के सीओ भोला प्रसाद एवं एफडीई संतोष कुमार ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। इसके लिए संस्था से जुड़ी महिलाओं को रोजगारोन्मुख गतिविधियों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में महिलाओं के स्वास्थ्य, विशेषकर आंखों की रोशनी को लेकर भी पहल की जा रही है। संस्था द्वारा 35 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं की आंखों की जांच कर जरूरत के अनुसार उन्हें चश्मा उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि उन्हें दैनिक जीवन में होने वाली दृष्टि संबंधी परेशानियों से राहत मिल सके। संस्था के प्रतिनिधियों ने बताया कि अब तक जिले के विभिन्न गांवों में 25 से अधिक शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। शिविर में संस्था की ओर से दीपक कुमार, चंद्रकांत कुमार, जूली कुमारी, रिया कुमारी, रुक्मिणी देवी एवं संतोष कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

रामगढ़वा के मझहरिया में लगा माँ प्रतिमा हॉस्पिटल का निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

नई सोच एक्सप्रेस

मोतीहारी। रामगढ़वा प्रखंड के रघुनाथपुर पंचायत अंतर्गत मझहरिया गांव में माँ प्रतिमा हॉस्पिटल के तत्वावधान में एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। स्थानीय निवासी झुन्नू सिंह के दरवाजे पर युवा समाजसेवी अभिषेक कुमार के विशेष सहयोग से आयोजित इस शिविर में आसपास के ग्रामीण इलाकों से आए 150 से ज्यादा जरूरतमंद मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई और मुफ्त चिकित्सा सलाह दी गई।इस शिविर में माँ प्रतिमा हॉस्पिटल के प्रतिष्ठित चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। मरीजों के स्वास्थ्य परीक्षण में कंसल्टेंट फिजिशियन डॉ. कवि कुमार (डॉ. के.के. निर्मल), जनरल फिजिशियन डॉ. आर. कुमार, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. भूपेंद्र कुमार, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. कल्पना कुमारी और डॉ. वीणा कुमारी मुख्य रूप से शामिल रहीं। चिकित्सकों ने मरीजों की स्वास्थ्य समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनका परीक्षण किया, तथा शिविर में कई मरीजों को मुफ्त दवाइयां भी वितरित की गईं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को उनके घर के नजदीक बेहतर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस शिविर का आयोजन किया गया था। मझहरिया गांव में लगे इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर से लाभान्वित हुए सैकड़ों ग्रामीणों ने अस्पताल प्रबंधन, युवा समाजसेवी अभिषेक कुमार और स्थानीय सहयोगियों के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा की है।

शिखर मोड़ पर कबाड़ी दुकान में छापा, रेलवे का चोरी का सामान हुआ बरामद

नई सोच एक्सप्रेस

गयाजी। नरोमा हॉस्पिटल के पास शिखर मोड़ स्थित संजय कबाड़ी दुकान में छापेमारी कर रेलवे में इस्तेमाल होने वाली चोरी की सामग्री बरामद की गई। कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक बनारसी यादव के निर्देशन में आरपीएफ टीम ने की। मौके पर दुकान संचालक संजय कुमार (33) को गिरफ्तार किया गया।तलाशी के दौरान दुकान से रेलवे में उपयोग होने वाले लोहे के 9 छोटे-बड़े चदरे और 2 पेंड्रोल क्लिप बरामद हुए। पूछताछ में संजय ने पुलिस को बताया कि यह सामग्री बंटी कुमार (36), निवासी इकबाल नगर ने उसे बेचने के लिए दी थी।संजय की निशानदेही पर टीम ने कार्रवाई करते हुए बंटी कुमार को रेलवे की सामग्री चोरी करते हुए गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से रेलवे में इस्तेमाल होने वाली 11 पेंड्रोल क्लिप बरामद की गईं। इस तरह दोनों आरोपियों के कब्जे से रेलवे सामग्री की बरामदगी हुई।बरामद सामान की अनुमानित कीमत 4,105 रुपये बताई गई है। मामले में उप निरीक्षक आरके सिंह के शिकायत पत्र के आधार पर आरपीएफ पोस्ट गया कांड संख्या 7/26, धारा 3 RP (UP) Act के तहत केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जिम्मेदारी उप निरीक्षक सत्येंद्र कुमार को सौंपी गई है।

बहुचर्चित गोलीकांड में कोर्ट का फैसलाः दोषी विनय ठाकुर को उम्रकैद, 75 हजार रुपये जुर्माना

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर। समस्तीपुर व्यवहार न्यायालय ने बहुचर्चित गोली मारकर हत्या मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिलेश कुमार सिंह की अदालत ने ताजपुर थाना क्षेत्र के मोरवाड़िह निवासी विनय ठाकुर को हत्या का दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने IPC की धारा 302 के तहत दोषी को आजीवन कारावास और 50 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई, जुर्माना नहीं देने पर एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। वहीं एक अन्य धारा में 5 वर्ष के सश्रम कारावास और 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई है, जुर्माना नहीं देने पर एक वर्ष अतिरिक्त साधारण कारावास और दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी। इस संबंध में गणेश कुमारी ने ताजपुर थाना में कांड संख्या 385/2019 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी, आरोप था कि पुरानी रंजिश को लेकर विनय ठाकुर ने गोली मारकर हत्या की घटना को अंजाम दिया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक रमेश प्रसाद सिंह ने पक्ष रखा, जबकि बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता सुधीर कुमार ने बहस की, गवाहों के बयान और साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने यह फैसला सुनाया।

दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष शिविर, 18 से 30 सितंबर तक प्रखंड स्तर पर बनेंगे यूडीआईडी कार्ड

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिले में 6 से 18 वर्ष आयु वर्ग के दिव्यांग बच्चों के दिव्यांगता प्रमाणीकरण एवं यूडीआईडी कार्ड बनाने के लिए प्रखंड स्तर पर विशेष जांच शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिलाधिकारी छिरिङ वाई भूटिया के निर्देशानुसार एवं बिहार शिक्षा परियोजना परिषद पटना के आलोक में यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत 18 सितंबर से 30 सितंबर तक जिले के विभिन्न प्रखंडों में शिविर लगाए जाएंगे। शिविर का समय सुबह 10:30 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित किया गया है। इन शिविरों में दिव्यांग बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण, दिव्यांगता का प्रमाणीकरण और यूडीआईडी कार्ड निर्गत करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। प्रखंडवार निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 18 सितंबर को मध्य विद्यालय शकुराबाद रतनी फरीदपुर 21 सितंबर को बीआरसी मखदुमपुर, 23 सितंबर को बीआरसी काको, 24 सितंबर

को बीआरसी मोदनगंज, 26 सितंबर को डे केयर सेंटर जहानाबाद, 28 सितंबर को बीआरसी हुलासगंज तथा 30 सितंबर को मध्य विद्यालय घोषी में विशेष शिविर आयोजित होंगे। जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग ने दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों से इस अभियान में सहयोग करने की अपील की है। अभिभावकों से कहा गया है कि वे अपने 6 से 18 वर्ष तक के दिव्यांग बच्चों को निर्धारित तिथि और समय पर संबंधित शिविर में लेकर पहुंचें तथा उनका स्वास्थ्य परीक्षण एवं दिव्यांगता प्रमाणीकरण अवश्य कराएं। प्रशासन का उद्देश्य जिले के सभी पात्र दिव्यांग बच्चों को यूडीआईडी कार्ड उपलब्ध कराकर उन्हें सरकारी योजनाओं, छात्रवृत्ति, शिक्षा एवं अन्य कल्याणकारी सुविधाओं का लाभ सुगमता से दिलाना है।

बलुआही मिट्टी का अवैध परिवहन करते तीन ट्रैक्टर जब्त, 3.15 लाख का दंड अधिरोपित

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिलाधिकारी छिरिङ वाई भूटिया के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत लगातार छापेमारी एवं कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में एक सजग नागरिक ने जिलाधिकारी को मखदुमपुर क्षेत्र में अवैध खनन और बलुआही मिट्टी के परिवहन से संबंधित सूचना मिली। जिलाधिकारी ने तत्काल संबंधित पदाधिकारियों को सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। जिला खनन पदाधिकारी थानाध्यक्ष मखदुमपुर, खान निरीक्षक और सशस्त्र बल की संयुक्त टीम द्वारा मखदुमपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बोकनारी कला के समीप छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान बलुआही मिट्टी का बिना किसी वैध कागजात के परिवहन करते हुए तीन ट्रैक्टर पकड़े गए। वाहन चालकों से पूछताछ के क्रम में पाया गया कि उक्त सामग्री का

व्यवसायिक उपयोग हेतुले जाया जा रहा है तथा खनन कार्य जिला खनन कार्यालय की अनुमति एवं निर्धारित रॉयल्टी के भुगतान के बिना किया गया है। इस मामले में तीनों वाहनों को नियमानुसार जब्त कर मखदुमपुर थाना में सुरक्षित रखा गया है। इसके साथ ही संबंधित मामले में कुल 3,15,000/- (तीन लाख पंद्रह हजार रुपये) का दंड अधिरोपित किया गया है।

» अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध जिला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया गया है कि अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

BRICS के बहाने वैश्विक शक्ति-संतुलन में भारत की अग्निपरीक्षा

आरती कुमारी

नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को प्रस्तावित 18वां BRICS शिखर सम्मेलन भारत के लिए महज एक अंतरराष्ट्रीय आयोजन नहीं है। यह सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया एक साथ कई गंभीर संकटों से गुजर रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में जारी तनाव, अमेरिका और चीन के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धा, व्यापारिक टकराव, ऊर्जा सुरक्षा, आपूर्ति-श्रृंखला पर बढ़ता दबाव, प्रतिबंधों की राजनीति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के तेजी से बदलते स्वरूप ने वैश्विक व्यवस्था को अस्थिर कर दिया है। ऐसे दौर में BRICS की अध्यक्षता भारत के हाथ में होना अपने आप में महत्वपूर्ण है। भारत ने अपनी अध्यक्षता के लिए Resilience, Innovation, Cooperation and Sustainability यानी लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थायित्व को प्रमुख आधार बनाया है। यह केवल आर्थिक सहयोग का एजेंडा नहीं है, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था के बीच भारत की व्यापक कूटनीतिक सोच को भी प्रतिबिंबित करता है। इसलिए दिल्ली सम्मेलन के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि इसके बाद दुनिया भारत को किस रूप में देखेगी एक बड़े विकासशील देश के रूप में, BRICS के संयोजक के रूप में या ऐसे स्वतंत्र वैश्विक शक्ति-केंद्र के रूप में, जो अमेरिका, रूस, चीन और ग्लोबल साउथ के बीच अपने हितों के अनुरूप संतुलन कायम करने की क्षमता रखता है?

BRICS को पश्चिम-विरोधी मंच बनने से रोकना बड़ी चुनौती

भारत के सामने पहली और सबसे महत्वपूर्ण कूटनीतिक चुनौती BRICS की दिशा को लेकर है। संगठन में चीन और रूस जैसे देश हैं, जिनके अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ गंभीर रणनीतिक मतभेद हैं। वहीं भारत स्वयं अमेरिका, यूरोप, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ अपने सामरिक और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत कर रहा है। ऐसे में भारत के लिए यह जरूरी है कि BRICS को किसी पश्चिम-विरोधी धुरी के रूप में स्थापित न होने दिया जाए। भारत की विदेश नीति लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित रही है। नई दिल्ली का स्पष्ट संदेश यही रहा है कि बहुध्रुवीय विश्व का अर्थ पश्चिम-विरोधी विश्व नहीं है। भारत के लिए अमेरिका महत्वपूर्ण है, यूरोप महत्वपूर्ण है, रूस महत्वपूर्ण है, चीन के साथ संवाद भी महत्वपूर्ण है और ग्लोबल साउथ की आवाज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यही संतुलन दिल्ली सम्मेलन में भारत की कूटनीतिक क्षमता की वास्तविक परीक्षा होगा।

चीन के साथ संवाद और प्रतिस्पर्धा दोनों-BRICS के भीतर भारत के लिए सबसे जटिल संबंध चीन के साथ हैं। सीमा विवाद और सामरिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद चीन भारत का बड़ा व्यापारिक साझेदार है और BRICS का प्रभावशाली सदस्य भी। इसलिए भारत को दिल्ली में एक साथ दो संदेश देने होंगे प्रतिस्पर्धा भी और संवाद भी।

भारत के लिए यह आवश्यक है कि चीन के साथ आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ाने के रास्ते खुले रहें, लेकिन आर्थिक निर्भरता एकतरफा न हो। तकनीक, निवेश, आपूर्ति-श्रृंखला और व्यापार के क्षेत्र में भारत को अपने दीर्घकालिक हितों की रक्षा करनी होगी। भारत-चीन संबंधों में स्थिरता केवल दोनों देशों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे एशिया और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए BRICS भारत को संवाद का एक ऐसा मंच देता है, जहां राजनीतिक मतभेदों के बावजूद साझा आर्थिक और वैश्विक मुद्दों पर बातचीत जारी रखी जा सकती है।

रूस के साथ दोस्ती और पश्चिम के साथ साझेदारी-यूक्रेन युद्ध ने भारत की विदेश नीति के सामने एक कठिन परिस्थिति पैदा की है।रूस भारत का पुराना रणनीतिक साझेदार है, जबकि अमेरिका और यूरोप आज भारत के महत्वपूर्ण आर्थिक, तकनीकी और सामरिक सहयोगी हैं। भारत ने इस पूरे संकट के दौरान किसी एक खेमे में शामिल होने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर स्वतंत्र विदेश नीति अपनाने पर जोर दिया है। BRICS में रूस की सक्रिय मौजूदगी भारत के लिए अपनी इसी नीति को स्पष्ट करने का अवसर है। भारत रूस के साथ रक्षा और ऊर्जा संबंध बनाए रखना चाहता है, लेकिन साथ ही पश्चिमी देशों के साथ आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी भी मजबूत करना चाहता है। इसका अर्थ यह है कि भारत किसी गुट का अनुयायी बनने के बजाय अपने हितों का स्वतंत्र निर्धारक बनने की कोशिश कर रहा है। दिल्ली सम्मेलन इस नीति को अंतरराष्ट्रीय मंच पर और मजबूती से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करता है।

पश्चिम एशिया का संकट भी एजेंडे में-पश्चिम एशिया की परिस्थितियां भी BRICS सम्मेलन को प्रभावित कर सकती हैं। संगठन के भीतर अलग-अलग देशों के अपने क्षेत्रीय हित और प्राथमिकताएं हैं। ईरान, खाड़ी क्षेत्र और अन्य सदस्य देशों के बीच भी अनेक जटिलताएं हैं। ऐसे में पश्चिम एशिया के संघर्षों, फिलिस्तीन के प्रश्न और मानवीय संकट जैसे मुद्दों पर साझा भाषा तैयार करना भारत के लिए आसान नहीं होगा। भारत लगातार यह कहता रहा है कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है और संवाद तथा कूटनीति को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यदि नई दिल्ली BRICS के मंच से संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में संवाद, मानवीय सहायता और राजनीतिक समाधान के पक्ष में व्यापक सहमति बनाने में सफल होती है, तो इससे भारत की वैश्विक कूटनीतिक भूमिका को निश्चित रूप से बल मिलेगा।

ग्लोबल साउथ की आवाज बने भारत-BRICS का विस्तार उसकी ताकत भी है और चुनौती भी। नए सदस्यों के आने से संगठन अधिक विविध हुआ है। अलग-अलग देशों की राजनीतिक व्यवस्था, आर्थिक क्षमता, विदेश नीति और क्षेत्रीय प्राथमिकताएं अलग हैं। ऐसे में सभी देशों को एक साझा एजेंडे पर लाना कठिन है।

भारत के सामने अवसर यह है कि वह इस विविधता को कमजोरी के बजाय ताकत में बदलने का प्रयास करे। विकासशील देशों की आवाज को वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रभावी बनाना भारत की विदेश नीति का प्रमुख हिस्सा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और अन्य वैश्विक संस्थाओं में विकासशील देशों के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने का प्रश्न इसी व्यापक चिंता से जुड़ा है। सवाल यह है कि क्या 21वीं सदी की वैश्विक संस्थाएं अभी भी 20वीं सदी के शक्ति-संतुलन के आधार पर चलती रहेंगी? भारत का उत्तर स्पष्ट है वैश्विक संस्थाओं में वर्तमान आर्थिक और जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं के अनुरूप सुधार होना चाहिए।

डॉलर के विकल्प की राजनीति से सावधानी-BRICS में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और वैकल्पिक भुगतान व्यवस्था की चर्चा लगातार बढ़ी है। लेकिन भारत के लिए इस मुद्दे पर संतुलित दृष्टिकोण जरूरी है। भारत की प्राथमिकता किसी एक वैश्विक मुद्रा को हटाना नहीं, बल्कि वैश्विक वित्तीय व्यवस्था को अधिक विविध, सुरक्षित और स्थिर बनाना होनी चाहिए। 'डॉलर को हटाने' की राजनीतिक भाषा की तुलना में वित्तीय जोखिम कम करने, स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने और भुगतान प्रणालियों को अधिक सक्षम बनाने की भाषा भारत के हितों के अधिक अनुकूल होगी।

आर्थिक अपराध के खिलाफ सहयोग-BRICS को केवल बड़ी घोषणाओं और राजनीतिक वक्तव्यों का मंच बनाने के बजाय व्यावहारिक सहयोग का संगठन बनाना भी जरूरी है। आर्थिक अपराध, साइबर अपराध, अवैध वित्तीय लेन-देन और धन की सीमा-पार आवाजाही आज पूरी दुनिया के लिए चुनौती बन चुके हैं। यदि BRICS देश वित्तीय सूचनाओं के आदान-प्रदान, संदिग्ध लेन-देन की निगरानी और आर्थिक अपराधियों की संपत्ति से जुड़ी जानकारी साझा करने की प्रभावी व्यवस्था विकसित कर सकें, तो संगठन की उपयोगिता काफी बढ़ सकती है। भारत के लिए यह घरेलू आर्थिक अपराध और अवैध वित्तीय नेटवर्क से निपटने के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण पहल होगी।

AI होगी अगली बड़ी कूटनीतिक चुनौती-भविष्य की वैश्विक राजनीति केवल तेल, व्यापार और मुद्रा से तय नहीं होगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आने वाले वर्षों में शक्ति-संतुलन का एक प्रमुख आधार बनने वाली है। सवाल यह है कि AI की तकनीक और उसके नियम कौन तय करेगा? क्या विकासशील देशों को अत्याधुनिक तकनीक तक समान पहुंच मिलेगी? क्या AI डिजिटल असमानता को कम करेगा या उसे और बढ़ाएगा?

भारत के पास अपनी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और तकनीकी क्षमता के आधार पर इस क्षेत्र में नेतृत्व करने का अवसर है। भारत को यह सुनिश्चित करने की कोशिश करनी चाहिए कि AI कुछ चुनिंदा देशों और बड़ी तकनीकी कंपनियों के नियंत्रण तक सीमित न रह जाए। विकासशील देशों को तकनीक, डेटा और डिजिटल क्षमता के क्षेत्र में समान अवसर मिलना चाहिए। BRICS की वास्तविक सफलता एकता में नहीं, सहमति में होगी दिल्ली सम्मेलन की सफलता को केवल समझौतों या घोषणाओं की संख्या से नहीं मापा जाना चाहिए। असली चुनौती BRICS के भीतर मौजूद विविध हितों के बीच साझा राजनीतिक भाषा तैयार करने की है। भारत और चीन के मतभेद हैं। रूस और पश्चिम के बीच गंभीर संघर्ष है। पश्चिम एशिया में सदस्य देशों के अपने-अपने हित हैं। ऐसे में BRICS की सफलता का अर्थ यह नहीं हो सकता कि सभी सदस्य देश हर मुद्दे पर एक जैसी राय रखें। वास्तविक सफलता यह होगी कि मतभेदों के बावजूद साझा हितों पर काम करने की क्षमता विकसित हो। यही बहुपक्षीय कूटनीति की वास्तविक ताकत है।

मोदी की विदेश नीति की भी परीक्षा-दिल्ली सम्मेलन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति के लिए भी महत्वपूर्ण परीक्षा है। पिछले वर्षों में भारत ने QUAD, G20, SCO, BRICS और विभिन्न द्विपक्षीय साझेदारियों के बीच अपनी जगह बनाई है। भारत को अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी चाहिए, रूस के साथ रक्षा और ऊर्जा संबंध चाहिए, यूरोप के साथ व्यापार और तकनीकी सहयोग चाहिए, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ हिंद-प्रशांत सहयोग चाहिए तथा चीन के साथ आर्थिक एवं बहुपक्षीय संवाद भी बनाए रखना है। इसलिए भारतीय विदेश नीति का सबसे महत्वपूर्ण शब्द शायद 'गठबंधन' नहीं बल्कि 'संतुलन' है। यदि भारत चीन के साथ संवाद रखते हुए अमेरिका के साथ साझेदारी, रूस के साथ संबंध बनाए रखते हुए यूरोप के साथ सहयोग और ग्लोबल साउथ की आवाज उठाते हुए पश्चिमी संस्थाओं के साथ संवाद कायम रखता है, तो यह उसकी रणनीतिक स्वायत्तता की महत्वपूर्ण सफलता होगी।

दिल्ली से दुनिया को क्या संदेश मिलेगा?-भारत की BRICS अध्यक्षता की सबसे बड़ी उपलब्धि कोई एक घोषणापत्र या आर्थिक समझौता नहीं होगी। असली उपलब्धि यह होगी कि भारत दुनिया को यह विश्वास दिलाने में कितना सफल होता है कि बदलती विश्व-व्यवस्था में शक्ति का अर्थ केवल सैन्य क्षमता नहीं है। संवाद कायम रखने, मतभेदों के बीच सहयोग तलाशने और विभिन्न शक्ति-केंद्रों के बीच संतुलन बनाने की क्षमता भी आधुनिक शक्ति की पहचान है। नई दिल्ली को यह स्पष्ट करना होगा कि भारत न तो पश्चिम-विरोधी धुरी का हिस्सा है और न ही चीन-रूस केंद्रित किसी नए गुट का अनुयायी। भारत एक ऐसी बहुध्रुवीय विश्व-व्यवस्था चाहता है जिसमें विकासशील देशों की आवाज मजबूत हो, वैश्विक संस्थाओं में सुधार हो, आर्थिक संबंध अधिक संतुलित हों और तकनीकी विकास का लाभ व्यापक समाज तक पहुंचे। भारत की अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक शहरों में सैकड़ों बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाने की बात भी इस ओर संकेत करती है कि नई दिल्ली BRICS को केवल दो दिन के शिखर सम्मेलन के रूप में नहीं, बल्कि पूरे वर्ष चलने वाली कूटनीतिक प्रक्रिया के रूप में देख रही है।

साधारण इंसान की तलाश - दर्द वही बस पैकेजिंग बदल गयी है

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

पटनाः वर्तमान काल में हम सुख की चाहत में इतने मशरूफ हैं कि पता ही नहीं चलता है कि कब दुःख चुपके से हमसफर बनकर गले पड़ गया है। जब तक उसकी आहट महसूस होती है, तब तक समस्या यह नहीं रह जाती है कि दुःख हमारे जीवन में क्यों आया है, बल्कि यह तय करना कठिन हो जाता है कि उसे निम्नस्तरीय, मध्यमवर्गीय, एलीट या प्रीमियम क्लास में रखा जाए। आखिर आजकल दुःख भी साधारण कहां रह गया है। कभी दुःख मनुष्य की निजी अनुभूति हुआ करता था। आंखों से आंसू निकलते थे, कोई अपना कंधा देता था और चुपचाप पूछता था कि "क्या हुआ?" आज दुःख भी सार्वजनिक प्रदर्शन की वस्तु बनता जा रहा है। दर्द भीतर जितना है, उसकी प्रस्तुति बाहर उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गयी है। अब सवाल यह नहीं कि मन कितना टूटा है, सवाल यह है कि टूटे हुए मन की तस्वीर पर कितने लाइक आये। यही हमारे समय का विचित्र विरोधाभास है कि दुःख बढ़ रहा है, लेकिन दुःख साझा करने की संस्कृति बदल रही है। मोह-माया, अपेक्षा-उपेक्षा और असंतोष की वसुधा के गर्भ से निकली तृष्णा और आसक्ति के नीर से सींचा गया दुःख अब केवल वेदना नहीं रहा है। वह सामाजिक पहचान, सहानुभूति और कभी-कभी आभासी प्रसिद्धि की सीढ़ी भी बन गया है। निम्नवर्गीय दुःख पेट की चिंता में दबा रहता है। मध्यमवर्गीय दुःख बच्चों की फीस, नौकरी, कर्ज, मकान और भविष्य की चिंता में उलझा रहता है। एलीट दुःख प्रतिष्ठा, संबंधों, अकेलेपन और सामाजिक छवि की चिंता में अपना नया रूप धारण करता है। और प्रीमियम दुःख? उसके लिए तो अलग मंच, अलग भाषा और अलग पैकेज चाहिए। आध्यात्मिक, आधिभौतिक और आधिदैविक संताप, जिन्हें भारतीय दर्शन ने मनुष्य के जीवन की मूल पीड़ाओं के रूप में समझाया, आज आधुनिक जीवन में नये-नये रूपों में उपस्थित हैं। फर्क इतना है कि पहले दुःख को सहने की कोशिश होती थी, आज उसे समझाने, सजाने और प्रदर्शित करने की कला विकसित हो गयी है। आधुनिक समाज की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि जिनके पास वास्तविक दुःख हैं, उनके पास उन्हें दिखाने का मंच नहीं है। और जिनके पास मंच है, उनके दुःख अक्सर आभासी दुनिया की तरंगों में गोते लगाते दिखाई देते हैं। एक गरीब पिता के पास बच्चे की फीस भरने के लिए पैसे नहीं है। उसकी चिंता किसी कैमरे तक नहीं पहुंचती। किसी मजदूर की बीमारी, किसी किसान का कर्ज, किसी मां की रसोई की चिंता या किसी बेरोजगार युवक की रातों की बेचैनी सोशल मीडिया के ट्रेंडिंग विषय नहीं बनती। दूसरी ओर, किसी की छोटी-सी भावनात्मक परेशानी खूबसूरत बैकग्राउंड, उचित प्रकाश, प्रभावशाली संगीत और कुछ चुने हुए शब्दों के साथ लाखों लोगों तक पहुंच सकती है। इसलिए निम्न और मध्यमवर्गीय दुःख आज गूलर के फूल की तरह होते जा रहे हैं, दिखाई ही नहीं देते हैं। दुःख वही है, लेकिन उसके प्रदर्शन की क्षमता वर्ग के अनुसार बदल गयी है। एक समय था जब किसी अपने के चेहरे पर उदासी देखकर परिवार पूछता था कि "क्या हुआ?" मित्र हाथ पकड़कर बैठ जाता था। पड़ोसी बिना बुलाये पहुंच जाता था। रिश्तेदार चाहे जितना औपचारिक हो, बीमारी या संकट में घर तक आ जाता था। अब हम डिजिटल युग में हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब की रीलें ऐसे हमदर्द बन गयी है, जो कभी प्रियजन निभाया करते थे। अंतर केवल इतना है कि पहले इंसान हाथ पकड़कर पूछता था कि "कैसे हुआ?" और अब एल्गोरिदम पूछता है कि "कितने व्यू आए?" लाइक, कमेंट, शेयर और व्यू आधुनिक युग के मलहम बन गये हैं। दर्द कम हो या न हो, नोटिफिकेशन मन को थोड़ी देर के लिए यह विश्वास जरूर दिला देता है कि दुनिया हमें देख रही है। नोटिफिकेशन की घंटी आज ऐसी आधुनिक लोरी बन गयी है कि कई बार आदमी अपनी मां की लोरी तक भूल जाता है। यह दृश्य हास्यास्पद भी है और चिंताजनक भी। हम अपने दुख की चिकित्सा मनुष्यों के पास नहीं, आंकड़ों के पास खोजने लगे हैं। हमें यह जानना अधिक जरूरी लगने लगा है कि कितने लोगों ने हमारी पीड़ा देखी, बजाय इसके कि किसी एक व्यक्ति ने वास्तव में उसे समझा या नहीं। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति के नये रास्ते खोले हैं, यह उसकी उपलब्धि है। लेकिन इसी के साथ उसने भावनाओं को बाजार की भाषा भी सिखा दी है। अब दुःख भी "कंटेंट" है। किसी का रोना वीडियो है। किसी का बिछड़ना पोस्ट है। किसी की बीमारी अपडेट है। किसी का अकेलापन स्टेटस है। किसी की मृत्यु श्रद्धांजलि पोस्ट है और कभी-कभी किसी की अंतिम यात्रा भी कैमरे की आंख से गुजरती हुई डिजिटल स्मृति बन जाती है। दुःख वही है, बस पैकेजिंग बदल रही है। पहले दुःख को जीया जाता था, अब कई बार उसे प्रस्तुत किया जाता है। यह कहना गलत होगा कि हर सार्वजनिक अभिव्यक्ति दिखावा है। मनुष्य स्वभावतः अपनी पीड़ा साझा करना चाहता है और सोशल मीडिया ने उसे अभिव्यक्ति का मंच दिया है। समस्या तब शुरू होती है, जब अभिव्यक्ति का उद्देश्य मन हल्का करना नहीं, बल्कि प्रतिक्रिया बटोरना बन जाता है। हम ऐसे समय में जी रहे हैं जहां बाजार ने जीवन के लगभग हर क्षेत्र को "प्रीमियम" बना दिया है। पानी प्रीमियम। खाना प्रीमियम। शिक्षा प्रीमियम। अस्पताल प्रीमियम। होटल प्रीमियम। यात्रा प्रीमियम। मनोरंजन प्रीमियम। यहां तक कि रिश्तों और अंतिम संस्कार तक के लिए अलग-अलग स्तर के पैकेज उपलब्ध है। मनुष्य ने जीवन की आवश्यकताओं को भी हैसियत के प्रतीक में बदल दिया है। जो साधारण है, वह पिछड़ा हुआ समझा जाने लगा और जो महंगा है, वह बेहतर मान लिया गया। लेकिन इसी चमकदार बाजार में एक चीज लगातार "आउट ऑफ स्टॉक" होती जा रही है इंसान और इंसानियत की कीमत। हमारे पास महंगे मोबाइल हैं, लेकिन किसी के लिए पांच मिनट नहीं। बड़े घर हैं, लेकिन मन में जगह कम है। बड़ी गाड़ियां हैं, मगर किसी दुखी व्यक्ति के घर जाने का समय नहीं। बैंक बैलेंस बढ़ रहा है, लेकिन भरोसा घट रहा है। यह कैसी प्रगति है? हमने सुख को भी वस्तुओं से जोड़ दिया है। बड़ा घर मिलेगा तो सुखी होंगे। महंगी गाड़ी मिलेगी तो सुखी होंगे। बैंक बैलेंस बढ़ेगा तो सुखी होंगे। प्रसिद्धि मिलेगी तो सुखी होंगे। लोग प्रशंसा करेंगे तो सुखी होंगे। लेकिन हर उपलब्धि के बाद अगली उपलब्धि सामने खड़ी हो जाती है। यही तृष्णा का खेल है। मनुष्य जिस चीज को प्राप्त करने के लिए संघर्ष करता है, उसे प्राप्त करते ही उसका आकर्षण कम होने लगता है और दूसरी चीज आकर्षक लगने लगती है। इस दौड़ का कोई अंतिम पड़ाव नहीं है। परिणाम यह होता है कि आदमी पूरी जिन्दगी सुख की तलाश करता है और रास्ते भर छोटे-बड़े दुःख जमा करता जाता है। फिर एक दिन किसी आलीशान कमरे में बैठकर मन अचानक पूछता है कि "जिसके लिए इतनी जिंदगी भागे थे... वह आखिर था कहां?" और तब शायद पहली बार समझ आता है कि मंजिल तो बहुत पहले पीछे छूट गयी थी। हम दूसरों की नजरों में सफल दिखने की दौड़ में अपने ही जीवन से आगे निकल गये हैं। सफलता बुरी नहीं है। धन, सुविधा, प्रतिष्ठा और उपलब्धियां जीवन को बेहतर बना सकती हैं। समस्या तब पैदा होती है जब साधन ही जीवन का उद्देश्य बन जाते हैं। हमने सफलता का पैमाना बाहरी बना लिया है। कितना कमाते हैं? कहां रहते हैं? कौन-सी गाड़ी चलाते हैं? कहां घूमते हैं? कितने लोग जानते हैं? सोशल मीडिया पर कितने फॉलोअर हैं? लेकिन शायद असली प्रश्न होना चाहिए कि क्या हम चैन से सो पाते हैं? क्या अपने लोगों के साथ हंस पाते हैं? क्या किसी दुखी व्यक्ति के काम आ सकते हैं? क्या बिना दिखावे के खुश रह सकते हैं? क्या अपने भीतर के मनुष्य को बचाकर रख पाए हैं? यदि इन प्रश्नों के उत्तर नकारात्मक हैं तो बाहरी प्रीमियम जीवन भी भीतर से बहुत साधारण, बल्कि दरिद्र हो सकता है। आधुनिक समाज ने "साधारण" शब्द को जैसे हीनता का पर्याय बना दिया है। हमें साधारण नौकरी नहीं चाहिए, साधारण घर नहीं चाहिए, साधारण कपड़े नहीं चाहिए, साधारण जीवन नहीं चाहिए। लेकिन जीवन की सुंदरता अक्सर साधारण चीजों में ही छिपी होती है। सुबह की चाय। परिवार के साथ बैठना। पुराने मित्र का फोन। बच्चे की हंसी। मां की आवाज। बारिश की खुशबू। बिना किसी कारण मुस्कुराना। किसी अनजान व्यक्ति की मदद करना। इन सबका कोई प्रीमियम पैकेज नहीं होता, फिर भी इनका मूल्य अनमोल है। शायद भविष्य की सबसे बड़ी उपलब्धि यह साबित करना नहीं होगी कि हम कितने प्रीमियम हैं। सबसे बड़ी उपलब्धि यह होगी कि हम साधारण होकर भी खुश रह सकते हैं। कम में भी जी सकते हैं। बिना दिखावे के सम्मानित हो सकते हैं। बिना आभासी प्रसिद्धि के संतुष्ट रह सकते हैं। बिना हर भावना को सार्वजनिक किये अपने मन को समझ सकते हैं और बिना किसी प्रीमियम पैकेज के इंसान बने रह सकते हैं। क्योंकि जीवन का मूल्य उसके मूल्य-टैग से निर्धारित नहीं होता है। किसी व्यक्ति की कीमत उसके कपड़े, घर, गाड़ी, पद या बैंक खाते से नहीं, बल्कि इस बात से होती है कि उसके होने से कितने लोगों के जीवन में उजाला आता है। जिन्दगी का सबसे महंगा सुख वही है, जिसे खरीदने के लिए इंसान को अपना सुकून न बेचना पड़े। यदि धन कमाने की कीमत रिश्ते खोना है, तो वह धन महंगा है। यदि प्रसिद्धि होने की कीमत निजता खोना है, तो वह प्रसिद्धि महंगी है। यदि बड़ा बनने की कीमत भीतर के मनुष्य को छोटा करना है, तो ऐसी सफलता भी महंगी है और यदि प्रीमियम जीवन जीने के लिए मन को हमेशा बेचैन रखना पड़े, तो वह प्रीमियम जीवन वास्तव में सबसे साधारण दुःख है। इसलिए शायद हमें जीवन की श्रेणियां बदलने की जरूरत है। निम्नस्तरीय, मध्यमवर्गीय, एलीट और प्रीमियम दुःख से ऊपर उठकर एक ऐसी दुनिया बनानी होगी जहां दुःख को वर्ग नहीं, संवेदना मिले, जहां पीड़ा को लाइक नहीं, कंधा मिले; जहां अकेलेपन को फॉलोअर नहीं, दोस्त मिले और जहां इंसान की पहचान उसकी हैसियत से नहीं, उसकी इंसानियत से हो। आखिर में जीवन हमसे यह नहीं पूछेगा कि हमारे पास कितना प्रीमियम था। वह शायद केवल इतना पूछेगा कि "तुमने इंसान होकर कितना इंसान बचाए रखा?" और शायद जिंदगी का सबसे बड़ा प्रीमियम भी यही है कि "साधारण रहकर भी असाधारण इंसान बने रहना।"

राम मंदिर और तीन तलाक दोनों चुनाव प्रचार का मुद्दा

हरिशंकर व्यास

प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की उन उपलब्धियों की बात करें, जो सचमुच बताने लायक हैं या जिन्हें सही अर्थों में उपलब्धि कह सकते हैं तो उनमें सबसे पहले जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35ए हटाने का फैसला है। हालांकि इन्हें हटाने से पहले भी इनका असर बहुत कम रह गया था। फिर भी इन दोनों को हटाना बड़ा फैसला था। अनुच्छेद 370 हटाने और राज्य का विभाजन करने के बाद वहां शांति बनाए रखना और आतंकवादी घटनाओं को तुलनात्मक रूप से कम कर देना बड़ी उपलब्धि है। हालांकि उसके बाद जो बदलाव होने चाहिए थे और जम्मू कश्मीर को जिस तरह भारत की मुख्यधारा से जुडऩा चाहिए था वह नहीं हो सका। इसी तरह नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए एक वास्तविक उपलब्धि है। जिस तरह दुनिया में यहूदियों के लिए एक देश इजराइल है वैसे ही हिंदुओं के लिए एक देश भारत है। इसलिए यह कानून होना चाहिए कि अगर कोई हिंदू कहीं से प्रताड़ित होकर भारत आता है तो उसे नागरिकता मिले। इस दिशा में सीएए से एक पहल हुई। हालांकि यह कानून सिर्फ पड़ोस के इस्लामिक देशों से आने वाले गैर मुस्लिमों के लिए है फिर भी यह अच्छी पहल है। हालांकि सरकार ने कानून बनाने के बाद पांच साल तक इसके नियम अधिसूचित नहीं किए और जब किए भी तो पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से प्रताड़ित होकर भारत आए गैर हिंदुओं को नागरिकता देने की रफ्तार बहुत धीमी और प्रक्रियागत परेशानियां ज्यादा हैं।

इंद्रप्रस्थ की उपेक्षा और आक्रांताओं का गौरवगान : स्वतंत्र भारत ने अपनी सभ्यतागत स्मृति से न्याय नहीं किया

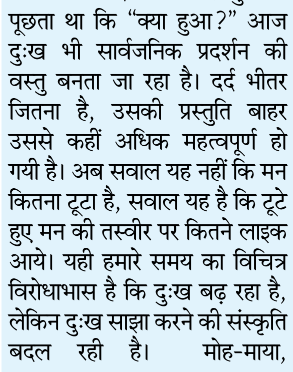

आचार्य अशोक चौधरी प्रियदर्शी

कटिहार, बिहार भारत की राजधानी दिल्ली केवल सत्ता का केंद्र नहीं, बल्कि हजारों वर्षों की भारतीय सभ्यता, संस्कृति और इतिहास की साक्षी है। यह वह भूमि है जिसे भारतीय परंपरा महाभारतकालीन इंद्रप्रस्थ से जोड़ती है और जहाँ समय-समय पर अनेक राजवंशों, साम्राज्यों तथा शासकों ने अपनी-अपनी ऐतिहासिक छाप छोड़ी। इसलिए दिल्ली का इतिहास किसी एक कालखंड का इतिहास नहीं, बल्कि भारत की दीर्घ सभ्यतागत यात्रा का इतिहास है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या स्वतंत्र भारत ने इस सभ्यतागत निरंतरता को समान रूप से सम्मान दिया, अथवा इतिहास की प्रस्तुति और सार्वजनिक स्मृति में एक असंतुलन विकसित हो गया? इतिहास के प्रति ईमानदारी का तकाज़ा है कि यह स्पष्ट कहा जाए कि पुरातत्व आज तक निर्णायक रूप से यह सिद्ध नहीं कर पाया है कि वर्तमान पुराना किला ही महाभारतकालीन इंद्रप्रस्थ था। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि भारतीय परंपरा, अनेक ऐतिहासिक विवरण तथा दिल्ली के सांस्कृतिक इतिहास में इंद्रप्रस्थ की स्मृति अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखती है। पुराना किला क्षेत्र में हुए उत्खननों से प्राचीन बसावट के प्रमाण अवश्य प्राप्त हुए हैं, जिससे इस क्षेत्र की प्राचीनता सिद्ध होती है। इसलिए इंद्रप्रस्थ का प्रश्न केवल पुरातत्व का नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक स्मृति का भी है। यहीं से स्वतंत्र भारत की ऐतिहासिक नीति पर बहस प्रारंभ होती है। 1947 में देश स्वतंत्र हुआ तो अपेक्षा थी कि औपनिवेशिक इतिहास-दृष्टि का पुनर्मूल्यांकन होगा, भारतीय सभ्यता के प्राचीन अध्यायों को नई प्रतिष्ठा मिलेगी और राष्ट्रीय स्मृति का पुनर्संतुलन किया जाएगा। आलोचकों का मत है कि लंबे समय तक केंद्र की सत्ता में रही कांग्रेस सरकारें इस दिशा में अपेक्षित पहल नहीं कर सकीं। इतिहास-लेखन, शैक्षिक पाठ्यक्रमों, स्मारक-नीति और सार्वजनिक नामकरण में प्राचीन भारतीय सभ्यता की अपेक्षा मध्यकालीन और औपनिवेशिक विरासत को अधिक प्रमुखता मिलती रही। यदि यह धारणा बनी, तो उसके लिए उस समय की नीतियों और प्राथमिकताओं पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। यह कहना उचित नहीं होगा कि किसी कालखंड को इतिहास से मिटा दिया गया, क्योंकि ऐसा नहीं हुआ। दिल्ली में आज भी इंद्रप्रस्थ एस्टेट, इंद्रप्रस्थ मेट्रो स्टेशन और अन्य संदर्भ इस स्मृति को जीवित रखते हैं। किंतु प्रश्न यह है कि क्या भारत की राजधानी की सार्वजनिक पहचान में इंद्रप्रस्थ को उतना महत्व मिला, जितना उसकी सांस्कृतिक परंपरा अपेक्षित करती है? यही वह प्रश्न है जिस पर गंभीर राष्ट्रीय विमर्श होना चाहिए। स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस दशकों तक देश की सबसे प्रभावशाली राजनीतिक शक्ति रही। यदि उसी अवधि में इतिहास-लेखन की दिशा, पाठ्यपुस्तकों की संरचना और सांस्कृतिक नीति निर्धारित हुई, तो उनके परिणामों पर चर्चा होना लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है। आलोचक यह तर्क देते हैं कि उस दौर में भारतीय इतिहास की व्याख्या में प्राचीन भारतीय उपलब्धियों की अपेक्षा मध्यकालीन सत्ता-संरचनाओं और औपनिवेशिक दृष्टिकोण को अपेक्षाकृत अधिक स्थान मिला। यह मत विवाद से परे नहीं है, लेकिन इस पर गंभीर अकादमिक चर्चा अवश्य हो सकती है। यहाँ यह भी स्पष्ट करना आवश्यक है कि दिल्ली के लाल किले, हुमायूँ के मकबरे, कुतुब परिसर, तुगलकाबाद या अन्य मध्यकालीन स्मारक भारत की ऐतिहासिक धरोहर हैं। उनका संरक्षण भारत का कर्तव्य है। किसी स्मारक या किसी कालखंड को नष्ट करना इतिहास का सम्मान नहीं होगा। वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या प्राचीन भारत की सभ्यतागत विरासत को भी समान महत्व मिला? यदि किसी विद्यार्थी को दिल्ली का इतिहास पढ़ाते समय मुख्यतः सल्तनत, मुगल और ब्रिटिश काल का विस्तार से अध्ययन कराया जाए, जबकि इंद्रप्रस्थ, खांडवप्रस्थ, प्राचीन दिल्ली, वैदिक और महाभारतीय परंपरा का उल्लेख सीमित रहे, तो उसकी ऐतिहासिक समझ स्वाभाविक रूप से अधूरी रह जाएगी। इतिहास का उद्देश्य किसी एक युग का महिमामंडन नहीं, बल्कि समग्र राष्ट्रीय स्मृति का निर्माण होना चाहिए। स्वतंत्र भारत के इतिहास-बोध पर बहस का अर्थ यह नहीं है कि किसी कालखंड या किसी शासक के अस्तित्व को नकार दिया जाए। बल्कि वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या हमारी राष्ट्रीय स्मृति का निर्माण संतुलित ढंग से हुआ? क्या हमारी शिक्षा, सांस्कृतिक नीति और सार्वजनिक प्रतीकों में भारत की पाँच हजार वर्ष से अधिक पुरानी सभ्यतागत यात्रा का समुचित प्रतिनिधित्व दिखाई देता है? यदि इस प्रश्न का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो यह केवल इतिहासकारों के लिए नहीं, बल्कि नीति-निर्माताओं और समाज के लिए भी चिंतन का विषय है। स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक केंद्र में कांग्रेस का शासन रहा। इस दौरान इतिहास-लेखन, शैक्षिक संस्थानों, सांस्कृतिक निकायों और राष्ट्रीय स्मारक-नीति के निर्माण में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। आलोचकों का मत है कि इस अवधि में भारतीय इतिहास की प्रस्तुति में एक ऐसी प्रवृत्ति विकसित हुई, जिसमें प्राचीन भारतीय सभ्यता के अनेक आयाम अपेक्षाकृत कम प्रमुख रहे, जबकि मध्यकालीन और औपनिवेशिक काल के अध्ययन को अधिक संस्थागत महत्व मिला। यह एक वैध अकादमिक और सार्वजनिक बहस का विषय है, जिस पर विभिन्न इतिहासकारों के अलग-अलग मत हैं। यदि किसी लोकतांत्रिक समाज में इतिहास की पुनर्समीक्षा की माँग उठती है, तो उसे किसी दल विशेष के विरोध के रूप में नहीं, बल्कि नए शोध, नए पुरातात्त्विक साक्ष्यों और नए ऐतिहासिक प्रश्नों के आलोक में देखा जाना चाहिए। इतिहास कोई स्थिर दस्तावेज नहीं होता; वह निरंतर शोध और विमर्श से समृद्ध होता है। इसलिए यदि आज इंद्रप्रस्थ, सरस्वती सभ्यता, प्राचीन गणराज्यों, नालंदा, तक्षशिला, विक्रमशिला या भारतीय ज्ञान-परंपरा पर अधिक शोध हो रहा है, तो यह इतिहास का विस्तार है, किसी अन्य कालखंड का निषेध नहीं। इंद्रप्रस्थ का प्रश्न भी इसी व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। भारतीय परंपरा में इसका स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। महाभारत में वर्णित इंद्रप्रस्थ केवल एक नगर नहीं, बल्कि राज्यकला, नीति, न्याय, कूटनीति और सभ्यता का प्रतीक है। भले ही पुरातत्व अभी तक वर्तमान पुराना किला और महाभारतकालीन इंद्रप्रस्थ के बीच निर्णायक संबंध स्थापित न कर पाया हो, लेकिन इससे उसकी सांस्कृतिक और साहित्यिक महत्ता कम नहीं हो जाती। सभ्यतागत स्मृतियाँ केवल पुरातात्त्विक निष्कर्षों से नहीं, बल्कि साहित्य, परंपरा और सामूहिक चेतना से भी निर्मित होती हैं। यह भी स्मरण रखना चाहिए कि इतिहास का उद्देश्य प्रतिशोध नहीं, परिष्कार होना चाहिए। यदि दिल्ली में किसी मध्यकालीन स्मारक का संरक्षण किया जाता है, तो वह भारत की विरासत का ही संरक्षण है। उसी प्रकार यदि इंद्रप्रस्थ, खांडवप्रस्थ या प्राचीन दिल्ली की स्मृतियों को अधिक प्रमुखता दी जाती है, तो वह भी भारतीय इतिहास के एक उपेक्षित पक्ष को सामने लाने का प्रयास होगा। दोनों कार्य एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। समाधान केवल नाम परिवर्तन में भी नहीं है। यदि किसी सड़क या संस्थान का नाम बदल दिया जाए, लेकिन नई पीढ़ी को यह न बताया जाए कि इंद्रप्रस्थ क्या था, महाभारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परंपरा क्या है।

संक्षिप्त समाचार

SIR: झारखंड में फॉर्म-6 के 3.91 लाख से अधिक आवेदन, 15 सितंबर तक दावा-आपत्ति

रांची। झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के तहत दावा एवं आपत्ति अवधि में मतदाताओं की ओर से बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय की ओर से 9 सितंबर को जारी बुलेटिन के अनुसार, 8 सितंबर 2026 तक फॉर्म-6 के जरिए कुल 3,91,374 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें अकेले 8 सितंबर को 15,374 आवेदन मिले। वहीं, फॉर्म-6A के जरिए कुल 74 आवेदन प्राप्त हुए हैं। फॉर्म-7 के माध्यम से मतदाता सूची में नाम को लेकर कुल 2,879 आवेदन/आपत्तियां प्राप्त हुई हैं, जिसमें 8 सितंबर को 832 आवेदन शामिल हैं। मतदाता सूची में विवरण में सुधार अथवा अन्य संशोधन के लिए फॉर्म-8 के तहत कुल 2,48,554 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें 8 सितंबर को 9,306 आवेदन मिले। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अनुसार, SIR के तहत दावा एवं आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। इसके बाद प्रक्रिया पूरी कर अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 19 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा।

स्व. सुदिव्य कुमार की स्मृति में शोकसभा, पदाधिकारियों व कर्मियों ने दी श्रद्धांजलि

रांची। झारखंड सरकार के पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग की ओर से बुधवार को स्वर्गीय मंत्री सुदिव्य कुमार की स्मृति में शोकसभा आयोजित की गई। FFP बिल्डिंग के मीटिंग हॉल में आयोजित कार्यक्रम में विभागीय पदाधिकारियों एवं कर्मियों के साथ प्रोजेक्ट बिल्डिंग में कार्यरत विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। शोकसभा में उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय सुदिव्य कुमार के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उनके जीवन, व्यक्तित्व, जनसेवा और सार्वजनिक कार्यों पर आधारित विशेष ट्रिब्यूट वीडियो भी प्रदर्शित किया गया। वीडियो के माध्यम से उनके सार्वजनिक जीवन की स्मृतियों, महत्वपूर्ण कार्यों तथा राज्य एवं जनहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को याद किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने स्वर्गीय सुदिव्य कुमार के सरल एवं सहज व्यक्तित्व तथा जनसेवा के प्रति उनके समर्पण को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और असामयिक निधन झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है। अंत में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोक-संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

टाटीझरिया पुलिस की बड़ी कार्रवाईः अवैध लॉटरी टिकटों का बड़ा जखीरा बरामद, पिकअप वाहन चालक गिरफ्तार

टाटीझरिया (हजारीबाग)। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अवैध लॉटरी टिकटों की बड़ी खेप बरामद की है। इस मामले में एक पिकअप वाहन को जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। दिनांक 07 सितंबर के शाम पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि हजारीबाग से टाटीझरिया होते हुए बगोदर की ओर एक पिकअप वाहन में भारी मात्रा में अवैध लॉटरी टिकट ले जाया जा रहा है। सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए वरीय अधिकारियों के निर्देशानुसार टाटीझरिया थाना प्रभारी (पु०अ०नि०) इन्द्रजीत कुमार के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया। प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान छापेमारी टीम जैसे ही 17 माइल टाटीझरिया के पास पहुंची, हजारीबाग की ओर से आ रही एक सफेद रंग की पिकअप वाहन (पंजीयन संख्या - JH02BW3718) दिखाई दी। पुलिस वाहन को देखकर चालक गाड़ी को सड़क पर ही छोड़कर भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन सशस्त्र बल के सहयोग से उसे खदेड़कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में चालक ने अपना नाम विकाश कुमार प्रजापति बताया. जब्त पिकअप वाहन के डाला की तलाशी लेने पर प्लास्टिक के बोरों से सील किए हुए 30 बंडल बरामद हुए। प्रत्येक बंडल में 2 कार्टून (कुल 60 कार्टून) पाए गए। हर कार्टून में करीब 1500 लॉटरी के पेपर थे। इस प्रकार पुलिस ने कुल 90,000 अवैध लॉटरी पेपर (जिसमें अलग-अलग नाम के कुल 21 लॉटरी टिकट छपे थे) बरामद किए। इस संबंध में टाटीझरिया थाना कांड संख्या - 48/26, दिनांक - 08/09/2026 दर्ज किया गया है। आरोपी के खिलाफ बी०एन०एस० (BNS) की सुसंगत धाराओं तथा धारा - 7(3) लॉटरी (विनियमन) अधिनियम 1998 के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

ज्ञान दीप पब्लिक स्कूल में JTET मॉक परीक्षा जारी

पत्थलगड़ा (चतरा)। नावाडीह जगारनाथी, नवाडीह स्थित ज्ञान दीप पब्लिक स्कूल में जेटीईटी अभ्यर्थियों के लिए मॉक परीक्षा का संचालन जारी है। बुधवार को आयोजित मॉक परीक्षा में कुल 20 अभ्यर्थी शामिल हुए। इनमें खोरठा, हिंदी, अंग्रेजी, गणित एवं विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, नागपुरी तथा संस्कृत विषयों के अभ्यर्थी शामिल रहे। मॉक परीक्षा के माध्यम से अभ्यर्थियों को वास्तविक परीक्षा के अनुरूप अभ्यास कराया जा रहा है। इससे अभ्यर्थियों को समय प्रबंधन, प्रश्न हल करने की गति और अपनी तैयारी का आकलन करने का अवसर मिल रहा है। परीक्षा में अभ्यर्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मॉक परीक्षा के संचालक ने जेटीईटी की तैयारी कर रहे अन्य अभ्यर्थियों को भी मॉक परीक्षा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। इच्छुक अभ्यर्थी अधिक जानकारी एवं जुड़ने के लिए 9801152654, 9798463385 पर संपर्क कर सकते हैं। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, प्रत्येक बुधवार और रविवार को आयोजन होगी एवं अभ्यर्थियों की बेहतर तैयारी के उद्देश्य से मॉक परीक्षा का संचालन आगे भी जारी रहेगा।

हजारीबाग में व्यवस्थित वेंडिंग जोन विकसित करने के लिए उपायुक्त ने किया स्थल निरीक्षण

हजारीबाग। शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने, सुंदरता बढ़ाने और सड़क किनारे दुकानों व ठेले-खोमचे को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से उपायुक्त (डीसी) हेमंत सती ने विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर आयुक्त ओम प्रकाश गुप्ता सहित नगर निगम के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कहा कि सुव्यवस्थित वेंडिंग जोन बनने से फुटपाथ पर अनियोजित दुकानों की समस्या खत्म होगी और शहर में स्वच्छता व यातायात में सुधार होगा। उपायुक्त ने अधिकारियों को उपलब्ध भूमि, उपयोगिता और पार्किंग जैसी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए शीघ्र डीपीआर तैयार करने का आदेश दिया। वेंडिंग जोन में दुकानदारों के लिए पेयजल, प्रकाश, स्वच्छता और पार्किंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। योजना में वर्तमान के साथ-साथ भविष्य की आवश्यकताओं का ध्यान रखते हुए समय-सीमा के भीतर चरणबद्ध निर्माण का निर्देश दिया गया है।

उपायुक्त रवि आनंद ने किया प्रसिद्ध चुंदरू धाम का निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

टंडवा (चतरा)। बुधवार को उपायुक्त रवि आनंद प्रखंड के प्रसिद्ध चुंदरू धाम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने धार्मिक एवं पर्यटन स्थल के रूप विकसित करने को लेकर अधिकारिओ को दिशा निर्देश दिए।मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सुविधा, प्रकाश व्यवस्था तथा स्वच्छ एवं सुगम वातावरण उपलब्ध कराने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने चुंदरू धाम परिसर एवं आसपास की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था के लिए हाई मास्ट लाइट एवं हैलोजन लाइट लगाने की बाट कही,ताकि संध्या एवं रात्रि के समय यहां आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को सुविधा मिल सके। चुंदरू धाम क्षेत्र में संचालित विभिन्न परियोजनाओं से उत्पन्न धूल एवं डस्ट की समस्या को देखते हुए उपायुक्त ने संबंधित परियोजनाओं को नियमित रूप से जल छिड़काव सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में आवागमन करने वाले श्रद्धालुओं, पर्यटकों एवं स्थानीय लोगों को धूल से होने वाली परेशानी नहीं होनी चाहिए तथा पर्यावरण एवं जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कदम उठाए जाएं। उपायुक्त ने चुंदरू धाम में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सुविधा के लिए आवश्यक अन्य व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली। उन्होंने चुंदरू धाम के समग्र विकास एवं आवश्यक मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए अंचल अधिकारी, टंडवा गौरव कुमार से आवश्यकताओं से संबंधित प्रस्ताव उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि आवश्यकतानुसार आगे की कार्रवाई की जा सके। निरीक्षण के दौरान जिला योजना पदाधिकारी श्री शिशिर पंडित, टंडवा प्रखंड विकास पदाधिकारी टंडवा देवलाल उरांव, अंचल अधिकारी गौरव कुमार सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

दावा-आपत्ति की सुनवाई में टोकन सिस्टम अपनाएं : के. रवि कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने राज्य के सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक कर विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR), दावा-आपत्ति एवं सुनवाई, युवा मतदाता पंजीकरण, ELC गतिविधियों तथा मतदाता सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने सभी कार्य भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। के. रवि कुमार ने कहा कि दावा-आपत्ति की सुनवाई के दौरान अनावश्यक भीड़ न लगने दी जाए। इसके लिए टोकन सिस्टम के माध्यम से क्रमवार सुनवाई कराई जाए और प्रत्येक व्यक्ति को अपना पक्ष रखने का पर्याप्त अवसर दिया जाए। दस्तावेजों एवं तथ्यों के परीक्षण के बाद नियमानुसार निर्णय लेने तथा लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने शून्य तथा 1 से 5 फॉर्म-6 वाले मतदान केंद्रों पर विशेष ध्यान देने को कहा। बीएलओ के माध्यम से ऐसे पात्र युवाओं की पहचान करने का निर्देश दिया गया, जिनकी आयु 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष पूर्ण हो रही है और जिनका नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं है। पात्र नागरिकों से फॉर्म-6 एवं आवश्यक घोषणा-पत्र प्राप्त कर उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ना सुनिश्चित करने को कहा गया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने साहेबगंज में सामने आई अनियमितता की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवेदन, दस्तावेज, सत्यापन और निर्वाचन डेटा की प्रभावी निगरानी करने तथा गड़बड़ी मिलने पर तत्काल नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने 19 एवं 20 नवंबर को होने वाले राज्यस्तरीय ELC कार्यक्रमों की तैयारियां अभी से शुरू करने और ELC कोऑर्डिनेटर नियुक्त कर जिम्मेदारियां तय करने को कहा। स्कूल-कॉलेजों में ECINET का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा विद्यार्थियों और युवा मतदाताओं को डिजिटल मतदाता सेवाओं की जानकारी देने का भी निर्देश दिया। बैठक में NVSP पर प्राप्त शिकायतों तथा ECINET की 'Book a Call' सुविधा से मिलने वाली शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा गया। जिला स्तर पर इन मामलों की नियमित मॉनिटरिंग करने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज कुमार ठाकुर, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह सहित सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे।

छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने और सीबीआई जांच की मांग को लेकर भाजपा का प्रदर्शन

नई सोच एक्सप्रेस

सरायकेला-खरसावां। छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने और भर्ती परीक्षाओं में कथि अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने बुधवार को जिला मुख्यालय स्थित उपायुक्त कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने कहा कि जब तक छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस नहीं लिए जाते और परीक्षा में हुई कथित धांधली की सीबीआई जांच नहीं कराई जाती, तब तक भाजपा छात्रों के समर्थन में आंदोलन जारी रखेगी। आदित्य साहू ने झामुमो-कांग्रेस गठबंधन सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पर बालू, कोयला, पत्थर और जमीन के साथ-साथ अब झारखंड के युवाओं के रोजगार और भविष्य को भी नुकसान पहुंचाने के आरोप लग रहे हैं। उन्होंने भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाते हुए कहा कि स्थानीय भाषाओं से संबंधित पदों पर ऐसे अभ्यर्थियों का चयन हुआ, जिन्हें संबंधित भाषाओं की पर्याप्त जानकारी नहीं है, जबकि योग्य स्थानीय अभ्यर्थी चयन से वंचित रह गए। उन्होंने सीजीएल परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक और अभ्यर्थियों को प्रश्न रटाए जाने का भी आरोप लगाया और पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने छात्र आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि छात्रों ने शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक तरीके से 26 दिनों तक अनशन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि आंदोलन के दौरान छात्रों को परेशान किया गया तथा करीब एक हजार छात्रों पर मुकदमे दर्ज किए गए। उन्होंने सरकार से सभी कथित झूठे मुकदमे वापस लेने की मांग की। एमएमडीआर बिल को लेकर आदित्य साहू ने कहा कि भाजपा के अनुसार यह बिल झारखंड के हित में है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार द्वारा कोयला और लौह अयस्क पर सेस लगाने की नीति से वैध खनन और बिक्री प्रभावित हो रही है तथा राज्य को राजस्व का नुकसान हो रहा है। उन्होंने झामुमो-कांग्रेस पर एमएमडीआर बिल को लेकर जनता के बीच कथित दुष्प्रचार करने का आरोप लगाते हुए लोगों से इससे सावधान रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा छात्रों के अधिकार और रोजगार के मुद्दे पर सरकार के खिलाफ सड़क से लेकर सदन तक आवाज उठाती रहेगी।

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए उपायुक्त की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग। जिला उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में जिले की स्वास्थ्य सेवाओं और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल समेत जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति का जायजा लिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त रिया सिंह, सिविल सर्जन और सभी प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी (MOIC) मौजूद रहे।.डीसी ने सिविल सर्जन को मानव संसाधन का कुशल प्रबंधन करने और स्वास्थ्य विभाग की भर्ती प्रक्रिया को हर हाल में दिसंबर तक पूरा करने का निर्देश दिया। सभी ओपीडी का नियमित संचालन, लैब जांच की दैनिक रिपोर्टिंग, चिकित्सकों द्वारा लिखी जाने वाली दवाओं की सूची शनिवार तक उपलब्ध कराने और परिसर में साफ-सफाई सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया। जिला यक्ष्मा पदाधिकारी द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में कफ सिरप की अवैध बिक्री की जानकारी दिए जाने पर डीसी ने कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। खराब पड़े सोलर सिस्टम को दुरुस्त करने, आउटसोर्स कर्मियों के समय पर मानदेय भुगतान, आयुष्मान भारत योजना की प्रगति और संस्थागत प्रसव का प्रतिशत बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

जल जीवन मिशन में उत्कृष्ट कार्य के लिए आठ जलसहिया सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित एवं सुरक्षित पेयजल आपूर्ति और जलापूर्ति योजनाओं के बेहतर संचालन में उत्कृष्ट योगदान देने वाली झारखंड की आठ जलसहियाओं को विशेष सम्मान दिया गया। नेपाल हाउस में आयोजित कार्यक्रम में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव अबु इमरान ने उन्हें प्रशस्ति-पत्र, स्मृति चिह्न और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। सम्मान पाने वाली जलसहियाओं में बोकारो की पांच और रांची की तीन जलसहिया शामिल हैं। उन्होंने अपने-अपने गांव एवं पंचायतों में जल एवं स्वच्छता समितियों (VWSC) के साथ समन्वय कर जलापूर्ति योजनाओं के संचालन और रखरखाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जलसहियाओं ने जलापूर्ति में आने वाली समस्याओं की पहचान कर सूचना देने, पानी की गुणवत्ता बनाए रखने, जल संरक्षण तथा पानी के सुरक्षित और विवेकपूर्ण उपयोग को लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया। साथ ही ग्रामीण परिवारों को नियमित जल शुल्क के महत्व की जानकारी देकर योजनाओं के संचालन में सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने में योगदान दिया। सचिव अबु इमरान ने सम्मानित जलसहियाओं के कार्यों की सराहना करते हुए राज्य की अन्य जलसहियाओं को भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में जलसहियाओं ने अपने अनुभव भी साझा किए। विभाग के अनुसार, जल जीवन मिशन का उद्देश्य केवल घरों तक नल से पानी पहुंचाना नहीं, बल्कि नियमित, पर्याप्त, सुरक्षित और दीर्घकालिक जल सेवा उपलब्ध कराना है। जल शुल्क से प्राप्त राशि का उपयोग प्लंबर व पंप ऑपरेटरों के मानदेय, मरम्मत तथा जलापूर्ति योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव में किया जाता है।

एसआईआर के लिए नया जाति या आवासीय प्रमाण-पत्र बनवाने की जरूरत नहीं : के. रवि कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के लिए नागरिकों को विशेष रूप से नया जाति या आवासीय प्रमाण-पत्र बनवाने की आवश्यकता नहीं है। सत्यापन पहले से उपलब्ध वैध दस्तावेजों एवं अभिलेखों के आधार पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत किया जाएगा। बुधवार को सभी जिलों के सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) प्रबंधकों एवं उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक में उन्होंने एसआईआर कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने साहेबगंज के एक सीएससी में सामने आई अनियमितता जैसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। के. रवि कुमार ने कहा कि सक्षम पदाधिकारी द्वारा जारी वैध पारिवारिक सूची/वंशावली, खतियान की प्रति और अन्य उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर आवश्यक सत्यापन किया जा सकता है। ऐसे दस्तावेजों का उपयोग पहले से ही जाति या आवासीय प्रमाण-पत्र बनाने में किया जाता है। इसलिए एसआईआर के नाम पर लोगों को अनावश्यक रूप से नए प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए प्रेरित या बाध्य नहीं किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीएससी की सेवाएं केवल भारतीय नागरिकों के लिए हैं। विदेशी नागरिकों के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार करने या जमा कराने में सहयोग करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। निर्वाचन संबंधी डाटा में उम्र में हेरफेर, अनधिकृत बदलाव या किसी प्रकार की छेड़छाड़ करने वाले सीएससी केंद्रों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई होगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों और सीएससी प्रबंधकों को निर्देश दिया कि सभी केंद्रों को इन निर्देशों से तत्काल अवगत कराते हुए उनकी गतिविधियों की नियमित निगरानी करें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता और विश्वसनीयता से किसी भी स्तर पर समझौता स्वीकार्य नहीं होगा।

उपायुक्त रवि आनंद ने किया टंडवा प्रखंड का दौरा, प्रखंड कार्यालय का किया निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा। चतरा उपायुक्त रवि आनंद ने बुधवार को टंडवा प्रखंड का दौरा कर प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय एवं निर्माणाधीन कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र के मल्टीप्लेक्स हॉल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय की कार्यप्रणाली, व्यवस्थाओं एवं आमजनों से जुड़े कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय के निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने कार्यालय परिसर की साफ-सफाई, पदाधिकारियों एवं कर्मियों की उपस्थिति तथा विभिन्न शाखाओं में संचालित कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अभिलेखों की जांच करते हुए उनके संधारण एवं अद्यतन स्थिति का भी अवलोकन किया। साथ ही कार्यालय में प्राप्त आवेदनों के निष्पादन एवं लंबित आवेदनों तथा प्रक्रियाओं की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान SIR-2026 (मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण) के कार्यों के संबंध में भी उपायुक्त ने जानकारी ली। उन्होंने SIR के दौरान आमजनों को हो रही परेशानियों एवं प्रमाण-पत्र से संबंधित मामलों की जानकारी संबंधित पदाधिकारियों से प्राप्त की। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि नियमानुसार आवश्यक प्रमाण-पत्रों का अविलंब निर्गत करना सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजनों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को समय पर कार्यालय में उपस्थित रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी एवं कर्मी निर्धारित समय पर कार्यालय में उपस्थित रहें तथा कार्यालय पहुंचने वाले आमजनों की समस्याओं एवं प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार त्वरित एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजनों को सरकारी सेवाओं का लाभ प्राप्त करने में अनावश्यक कठिनाई नहीं होनी चाहिए। इसके बाद उपायुक्त ने टंडवा में निर्माणाधीन कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र के मल्टीप्लेक्स हॉल का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों से योजना की वर्तमान स्थिति एवं कार्य पूर्ण होने की निर्धारित समय-सीमा की जानकारी प्राप्त की। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य में निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी स्तर पर गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाए तथा कार्य को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करना सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान जिला योजना पदाधिकारी शिशिर पंडित, प्रखंड विकास पदाधिकारी टंडवा देवलाल उरांव,अंचल अधिकारी गौरव कुमार सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

3260 राजनीतिक दलों से जुड़े कथित टैक्स मामले पर कांग्रेस ने केंद्र से मांगा जवाब

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (RUPPs) से जुड़े कथित कर चोरी के मामले को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने दावा किया कि 3,260 RUPPs के जरिए 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की कथित टैक्स चोरी का मामला सामने आया है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस मामले में अब तक हुई कार्रवाई का ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग की। सिन्हा ने सवाल उठाया कि यदि इतने बड़े पैमाने पर कर चोरी के आरोप सामने आए हैं, तो अब तक कितनी राशि की वसूली हुई और कितने मामलों में जांच पूरी की गई। उन्होंने यह भी पूछा कि कितने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई हुई तथा कितने राजनीतिक दलों की पंजीकरण संबंधी स्थिति पर कार्रवाई की गई। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के बैंक खातों को फ्रीज करने और टैक्स नोटिस देने में केंद्र सरकार ने तेजी दिखाई, जबकि कथित फर्जी राजनीतिक दलों के नेटवर्क के मामले में कार्रवाई को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि टैक्स कानून सभी के लिए समान होना चाहिए और इसका इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। सिन्हा ने केंद्र सरकार से पूरे मामले की स्वतंत्र जांच कराने और जांच के निष्कर्ष सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि आरोप सही हैं तो यह केवल टैक्स चोरी का मामला नहीं, बल्कि चुनावी और लोकतांत्रिक व्यवस्था की पारदर्शिता से भी जुड़ा गंभीर विषय है। उन्होंने भाजपा से पूछा कि कथित राजनीतिक दलों के नेटवर्क के पीछे कौन है और इस मामले में अब तक क्या कार्रवाई की गई है।

संक्षिप्त समाचार

वेदांता ने पूरे भारत में 6 लाख से अधिक बच्चों और युवाओं के लिए सीखने के रास्ते बनाए

पटना। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के मौके पर, वेदांता ग्रुप ने देश भर में 6 लाख से ज्यादा बच्चों और युवाओं के लिए सीखने के रास्ते बनाने की अपनी कोशिशों को उजागर किया है। अपने इन प्रयासों के तहत वेदांता ने 50 फीसदी से अधिक महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित किया है तथा 15,000 से अधिक नंद घरों और 500 स्कूलों एवं कम्युनिटी लर्निंग सेंटरों के जरिए शैक्षणिक पहलों को अंजाम दिया है। शुरुआती बचपन के विकास और बुनियादी शिक्षा से लेकर स्टेम शिक्षा, डिजिटल लर्निंग, मेंटरशिप, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और व्यवसायिक कौशल तक, वेदांता ने सुनिश्चित किया है कि बच्चों की परिस्थितियाँ उनकी आकांक्षाओं को सीमित न कर दें। वेदांता का दृष्टिकोण लर्निंग के त्रि-आयामी तरीके पर आधारित है: 1) शुरुआती बचपन की शिक्षा, बुनियादी शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य के जरिए मजबूत नींव बनाना; 2) एकेडमिक सपोर्ट, रेमेडियल टीचिंग, टेक्नोलॉजी, मेंटरशिप और एक्सपोजर के माध्यम से लर्निंग और महत्वाकांक्षाओं को बढ़ावा देना; और 3) शिक्षा को उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, व्यवसायिक कौशल, रोजगार की क्षमता और आजीविका से जोड़कर नए अवसर उत्पन्न करना। सरकारी संस्थानों, स्कूलों, शिक्षकों, समुदायों और इम्प्लीमेंटेशन पार्टनर्स के साथ मिलकर, यह ग्रुप सीखने के नतीजों को बेहतर बना रहा है; प्रयास कर रहा है कि बच्चों की स्कूली शिक्षा बीच में ही न छूट जाए; साथ ही ऐसे रास्ते बना रहा है जो शुरुआती शिक्षा को बुनियादी स्किल्स से, एकेडमिक तरक्की को उच्च शिक्षा से, और शिक्षा को कौशल और रोजगार से जोड़ते हैं। इसमें भी ग्रामीण, आदिवासी और कम सुविधा वाले समुदायों के बच्चों एवं युवाओं पर खास ध्यान दिया जाता है।

तुर्कीश एयरलाइंस बनेगी लिवरपूल फुटबॉल क्लब की मुख्य क्लब पार्टनर

पटना। तुर्कीश एयरलाइंस, जो दुनिया की किसी भी अन्य एयरलाइन की तुलना में सबसे अधिक देशों के लिए उड़ानें संचालित करती है, ने घोषणा की है कि वह 1 जून 2027 से लिवरपूल फुटबॉल क्लब की मुख्य क्लब पार्टनर बनेगी। 2027/28 सीजन की शुरुआत से पुरुष, महिला और अकादमी टीमों की जर्सी के सामने तुर्कीश एयरलाइंस का लोगो दिखाई देगा। यह घोषणा लिवरपूल एफसी के व्यावसायिक इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत है और 17 वर्षों में पहली बार क्लब की मुख्य क्लब पार्टनर में बदलाव का प्रतिनिधित्व करेगी। तुर्कीश एयरलाइंस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अहमत ओल्मुश्तुर ने कहा लिवरपूल फुटबॉल क्लब दुनिया के सबसे अधिक पहचाने जाने वाले और सम्मानित फुटबॉल क्लबों में से एक है। इसकी विरासत असाधारण है और दुनिया भर में इसके समर्थकों का समुदाय वास्तव में वैश्विक है। हमें बेहद खुशी है कि तुर्कीश एयरलाइंस क्लब की मुख्य क्लब पार्टनर बनेगी और हमारा नाम विश्व खेलों की सबसे प्रतिष्ठित जर्सियों में से एक पर अपनी जगह बनाएगा। यह समझौता वैश्विक खेलों के प्रति तुर्कीश एयरलाइंस के लंबे समय से चले आ रहे समर्थन में एक महत्वपूर्ण नए अध्याय की शुरुआत भी करता है। हमारा मानना है कि सीमाओं से परे जाकर समुदायों को एक साथ लाने की खेलों में अनूठी शक्ति होती है। जैसे ही हम इस नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं, हम लिवरपूल एफसी और दुनिया भर में उसके समर्थकों के साथ मिलकर आगे बढ़ने के लिए उत्सुक हैं।

शिवपुर पुलिस ने चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को किया गिरफ्तार

» कब्जे से एक सफेद धातु का चेन,एक सफेद धातु का ब्रेसलेट,एक पायल सफेद धातु का,एक टीवी सैमसंग व 7120/नगदी किया बरामद

समाचार भारत युसुफ खान , वाराणसी | पुलिस आयुक्त के निर्देशानुसार जनपद में चोरी, लूट, छिनैती,नकबजनी आदि की घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के दौरान सहायक पुलिस आयुक्त कैण्ट प्रज्ञा पाठक के नेतृत्व में गठित प्रभारी निरीक्षक शिवपुर अजीत वर्मा की पुलिस टीम द्वारा ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत मुखबिर की सूचना पर चोरी करने वाले दो शातिर चोरों सतीश कुमार गौड़ पुत्र विजय कुमार गौड़ निवासी नया कांशीराम आवास इंद्रपुर शिवपुर तथा विकास कुमार पुत्र बहादुर कुमार निवासी नया कांशीराम आवास इंद्रपुर शिवपुर को बुधवार को अपरान्ह नया कांशी राम आवास इन्द्रपुर वन विभाग के जंगल शिवपुर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से एक सफेद धातु का चैन, एक सफेद धातु का ब्रेसलेट,एक पायल,एक सैमसंग टीवी व 7120/नगदी बरामद किया। गिरफ्तार चोरों के संबंध में प्रभारी निरीक्षक शिवपुर अजीत वर्मा ने बताया कि 31अगस्त को वादी मुकदमा द्वारा वादी के घर का ताला तोड़कर सोने चांदी के आभूषण और सीसीटीवी डीवीआर चोरी कर लेने व 06 सितम्बर वादिनी मुकदमा द्वारा उसके घर में अज्ञात चोरों द्वारा घर का ताला तोड़कर आभूषण चोरी करने के संबंध में तहरीर दिया गया था। जिसका पर्दाफाश करने के लिए गठित की गई पुलिस टीम द्वारा दोनों शातिर चोरों को कांशीराम आवास वन विभाग के जंगल के पास से बुधवार को अपरान्ह गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों के भा0द0वि0 की धारा 305 (ए), 331(4),317(2) बीएनएस के अन्तर्गत मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक शिवपुर अजीत वर्मा, उ0नि0 अम्बरीष दूबे,म0उ0नि0 मानवी शुक्ला, हे0का0 अवध बिहारी, का0 उपेन्द्र नाथ,का0 अखिलेश कुमार,का0 विजय चौहान आदि शामिल रहे।

समन्वय विभागीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता में खेलो इण्डिया के खिलाड़ियों का हुआ शानदार प्रदर्शन

वाराणसी। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित समन्वय विभागीय महिला खेलकूद एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन 8 एवं 9 सितंबर 2026 को मदन मोहन मालवीय स्टेडियम प्रयागराज में किया गया। इस प्रतियोगिता में खेलो इंडिया एथलेटिक्स के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग करते हुए शानदार प्रदर्शन किया और अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता में खेलो इंडिया अथलेटिक्स के खिलाड़ियों ने दो कांस्य पदक हासिल कर संस्था एवं वाराणसी का गौरव बढ़ाया।इस प्रतियोगिता में पूनम विश्वकर्मा ने 400 मीटर हर्डल रेस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया।वहीं रक्तिमा पटेल ने 400 मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर खेलो इण्डिया अथलेटिक्स के प्रशिक्षकों, अधिकारियों एवं साथी खिलाड़ियों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। प्रशिक्षकों ने कहा कि खिलाड़ियों की यह सफलता उनके निरंतर अभ्यास, अनुशासन और मेहनत का प्रतिफल है।

बाढ़ और सूखे का यह खेल कब तक? किसान मरे, व्यवस्था मलाई काटे!

नई सोच एक्सप्रेस

फतुहा। प्रकृति का कहर या सरकारी कुप्रबंधन का परिणाम? बिहार में एक तरफ बाढ़ का पानी खेत, घर और फसलें बहा ले जाता है, तो दूसरी तरफ उसी समय कई जिलों में किसान बूंद-बूंद पानी के लिए तरसते हैं। अखबार में प्रकाशित तस्वीरें बिहार की इसी विडंबना को उजागर करती हैं—एक तरफ पानी की तबाही, दूसरी तरफ पानी के अभाव में सूखती जमीन। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि यह कोई नई घटना नहीं है। बिहार में वर्षों से बाढ़ और सूखे का चक्र चलता आ रहा है। सवाल यह है कि सरकार हर साल राहत की घोषणा करने के बजाय स्थायी समाधान क्यों नहीं करती? बाढ़ आए तो राहत, सूखा पड़े तो मुआवजा—स्थायी समाधान कब? हर वर्ष बाढ़ के समय नाव, राहत सामग्री, तटबंध और मुआवजे की बातें होती हैं। सूखे के समय सिंचाई, डीजल अनुदान और राहत पैकेज की घोषणाएं होती हैं। लेकिन बाढ़ का पानी रोकने, उसे सुरक्षित जलाशयों में पहुंचाने और सूखे इलाकों तक वही पानी पहुंचाने की दीर्घकालिक योजना कहां है? अगर करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी किसान को कभी बाढ़ तो कभी सूखे का सामना करना पड़ रहा है, तो सरकार को अपनी नीति और व्यवस्था पर आत्ममंथन करना चाहिए। पानी बिहार में है, फिर किसान पानी के लिए क्यों तरसे? बिहार में नदियों की कोई कमी नहीं है। मानसून में नदियां उफनती हैं और खेत डूबते हैं। लेकिन कुछ ही समय बाद वही खेत सिंचाई के पानी के लिए तरसते हैं। यह केवल प्राकृतिक समस्या नहीं, बल्कि जल प्रबंधन की गंभीर विफलता भी है। सरकार को बाढ़ के पानी को व्यर्थ बहने देने के बजाय तालाब, जलाशय, नहर, चेक डैम और भूजल पुनर्भरण की व्यापक व्यवस्था करनी चाहिए। राहत की राजनीति नहीं, समाधान की राजनीति चाहिए डॉ. पटेल ने कहा कि किसान को हर साल सरकारी राहत का मोहताज बनाना कोई उपलब्धि नहीं है। किसान को ऐसी व्यवस्था चाहिए जिसमें उसकी फसल बाढ़ से भी बचे और सूखे से भी। आज जरूरत है कि सरकार प्रत्येक जिले का बाढ़-सूखा जल प्रबंधन मास्टर प्लान बनाए और उसकी सार्वजनिक समीक्षा हो। केवल फाइलों और घोषणाओं से खेतों में पानी नहीं पहुंचता। किसान की फसल डूबती है, लेकिन व्यवस्था की जिम्मेदारी क्यों नहीं डूबती? सबसे बड़ा सवाल यही है—हर साल करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद समस्या जस की तस क्यों है? तटबंध टूटते हैं, नालियां जाम होती हैं, सिंचाई व्यवस्था कमजोर रहती है और किसान नुकसान उठाता है। किसान की मेहनत को बाढ़ में बहने और सूखे में जलने से बचाना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। **अब घोषणा नहीं—हिसाब और परिणाम चाहिए:** बिहार को ऐसी नीति चाहिए जिसमें बाढ़ का पानी अभिशाप नहीं, सिंचाई का संसाधन बने। इसके लिए विभागों की जवाबदेही तय हो, योजनाओं का सामाजिक ऑडिट हो और हर वर्ष यह सार्वजनिक किया जाए कि बाढ़-सूखा नियंत्रण पर कितना पैसा खर्च हुआ और उसका परिणाम क्या निकला।

बरगद के पेड़ से पुनपुन नदी में छलांग लगाकर नहा रहा था बालक, डूबने से मौत

नई सोच एक्सप्रेस

पुनपुन। पुनपुन प्रखंड के मनोरा गांव के समीप शिव मंदिर के पास पुनपुन नदी में नहाने के दौरान एक बालक की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद गांव में मातम छा गया।बताया जा रहा है कि पुनपुन नदी में बाढ़ का पानी बढ़ा हुआ है। इसी दौरान मनोरा गांव निवासी संस्कार कुमार शिव मंदिर के पास बरगद के पेड़ पर चढ़कर नदी में छलांग लगाकर नहा रहा था। नहाने के दौरान अचानक उसके पैर के नीचे किसी वस्तु से टकराने के बाद वह गहरे पानी में डूब गया और काफी देर तक पानी से बाहर नहीं निकल सका।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पुनपुन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकालकर कब्जे में लिया। पुनपुन थाना प्रभारी बेबी कुमारी ने बताया कि बाढ़ के कारण नदी में पानी काफी बढ़ा हुआ है। इसी दौरान बालक बरगद के पेड़ से नदी में छलांग लगाकर नहा रहा था, जहां हादसा हुआ।मृतक की पहचान संस्कार कुमार, पिता संजय यादव, ग्राम मनोरा, थाना पुनपुन, जिला पटना के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पीएमसीएच, पटना भेज दिया है। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा का दंश झेल रहे प्रखंड के लोग

नई सोच एक्सप्रेस

» करमा से सदाफर मुख्य सड़क पर चलना हुआ मुश्किल

मयूरहंड (चतरा) जिले के मयूरहंड प्रखंड क्षेत्र के लोग जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा का दंश झेलने को मजबूर हैं। ज्ञात हो कि करमा चौक से सदाफर मुख्य सड़क पर लोगों को लगभग दस वर्षों से पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। सड़क में इतने बड़े बड़े गड्ढे उत्पन्न हो गए हैं, जिसमें बरसात का पानी भर जाने के कारण दो पहिया एवं चार पहिया वाहन का परिचालन बंद हो गया है।यह मुख्य सड़क प्रखंड क्षेत्र के दर्जनों गांवों के जोड़ता है और लोग हजारीबाग, चतरा जाने को लेकर आवागमन करते हैं। इतना ही नहीं यह सड़क चौपारण एन एच को भी जोड़ती है।परंतु सड़क में उत्पन्न गड्ढे के कारण लोगों को आवागमन करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।तत्कालीन विधायक सिमरिया किशुन कुमार दास द्वारा अपने निजी मद से गड्ढे की भराई कराई गई थी। जिसके बाद उनके हीं प्रयास से लगभग 14 किलोमीटर करमा चौक से सदाफर नदी तक विभाग द्वारा मरम्मती कार्य करवाया गया था।जो महज एक वर्ष में ही दम तोड दिया और पुराने हाल में ही सड़क में सैकड़ों गड्ढे उत्पन्न हो गए। प्रखंड वासियों ने अपनी दर्द ब्यां करते हुए बताया कि चुनाव के समय स्थानीय सांसद कालिचरण सिंह घर का बेटा होने का दंभ भरने के साथ समस्याओं से छुटकारा दिलाने की डींग हांक रहे थे।पर आज क्षेत्र के लोग आवागमन करने को लेकर मजबूर हैं। वहीं विधायक सिमरिया उज्वल दास चुनाव से पहले महिने में दर्जनों बार क्षेत्र भ्रमण कर हाल चाल पूछा करते थे और समस्याओं से रुबरु होते थे।परंतु चुनाव जितने के बाद समस्याओं को दूर से भी देखने को तैयार नहीं हैं।प्रखंड वासियों ने चतरा उपायुक्त से सड़क मरम्मती कार्य करवाने की मांग किया है ताकि लोग सुरक्षित आवागमन कर सकें।

अमर शहीद मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर बैठक

नई सोच एक्सप्रेस

सिमरिया/पत्थलगडा प्रखंड मुख्यालय स्थित गांधी चौक में अमर शहीद मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट के सफल आयोजन को लेकर बुधवार को प्रखंड स्तरीय बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता समाजसेवी बैजू यादव ने की। इसमें खेल प्रेमियों के अलावा विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि, व्यवसायी एवं ग्रामीण शामिल हुए। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि अमर शहीदों की स्मृति में लगातार फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष भी भव्य आयोजन एवं उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट का उद्देश्य क्षेत्र में खेल को बढ़ावा देने के साथ प्रतिभावान खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना और उन्हें बेहतर मंच उपलब्ध कराना है बैठक में सर्वसम्मति से पूर्व की आयोजन कमेटी को ही इस वर्ष टूर्नामेंट की जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय लिया गया। दूसरी बार प्रमोद कुमार कुशवाहा को अध्यक्ष बनाया गया। उपाध्यक्ष पद पर बरवाडीह मुखिया संदीप कुमार, सिंघानी मुखिया राधिका देवी, नावाडीह की पूर्व मुखिया मेघन दांगी, नोनगांव मुखिया कुमारी संगीता सिन्हा एवं मेराल मुखिया नीतू देवी का मनोनयन किया गया। दिनेश्वर भुईया को सचिव, चंद्रिका यादव एवं आशीष कुमार वर्मा को सहसचिव, अम्बिका यादव को कोषाध्यक्ष तथा लेखराज टाइगर एवं चेतन पाण्डेय को प्रवक्ता बनाया गया। संरक्षक मंडली में जिप सदस्य रामसेवक दांगी, प्रमुख मनीषा कुमारी, सांसद प्रतिनिधि आशीष कुमार दांगी, पूर्व मुखिया राजेंद्र प्रसाद, अनिल दांगी, बीरबल दांगी, अमित तिवारी, विनय कुमार, बासुदेव दांगी एवं सुधीर कुमार समेत अन्य लोगों को शामिल किया गया। आयोजन समिति के संयोजक की जिम्मेदारी रामसेवक दांगी तथा सह संयोजक का दायित्व पूर्व मुखिया राजेंद्र प्रसाद को सौंपा गया। आयोजन समिति ने बताया कि टूर्नामेंट में झारखंड की कई चर्चित फुटबॉल टीमें हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच 29 सितम्बर को खेला जाएगा। उद्घाटन समारोह को भव्य बनाने के लिए कई दिग्गज हस्तियों को आमंत्रित किया जा रहा है। बैठक में टूर्नामेंट के सफल आयोजन, खिलाड़ियों की सुविधाओं और कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। इस मौके पर कई लोग उपस्थित थे।

विभावि में 'भारतीय ज्ञान परंपरा का विऔपनिवेशीकरण और इतिहासलेखन' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय (विभावि) के विवेकानंद सभागार में स्नातकोत्तर इतिहास विभाग द्वारा 'भारतीय ज्ञान परंपरा का विऔपनिवेशीकरण, इतिहासलेखन और अतीत से वर्तमान तक ज्ञान के निर्माण में इसका योगदान' विषय पर दो दिवसीय/दो सत्रों वाली राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत झारखंड सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री स्व. सुदिव्य कुमार सोनू के निधन पर मौन रखकर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। पैनल डिस्कशन और शोधपत्र प्रस्तुतीकरण के इस कार्यक्रम में देश के कई जाने-माने विद्वानों ने हिस्सा लिया।दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज से आए डॉ. अमित कुमार सुमन ने कहा कि ज्ञान की शक्ति इतनी व्यापक होती है कि वह सत्ताओं को भी प्रभावित करती है। आईआईएम जम्मू के प्रो. श्याम नारायण लाल ने पाणिनि, नाट्यशास्त्र और कामसूत्र के उदाहरण देते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा को प्रासंगिक व वैज्ञानिक बताया। अंबेडकर विश्वविद्यालय (नई दिल्ली) के प्रो. सलिल मिश्रा ने स्पष्ट किया कि ठोस तर्क और शोध के आधार पर भारतीय ज्ञान परंपरा का निरंतर पुनर्विश्लेषण और संशोधन संभव है। एनसीईआरटी के प्रो. प्रीतिश आचार्य ने ओडिशा की महिलाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि इस ज्ञान परंपरा ने अशिक्षित, दलित और वंचित समाज में भी विवेक व राष्ट्रवाद का विकास किया। सत्र की अध्यक्षता करते हुए विभावि के कुलपति प्रो. चंद्रभूषण शर्मा ने इतिहास को सभी विषयों का केंद्र बताया और कहा कि हर बड़े बौद्धिक विवाद के मूल में इतिहास ही होता है। इंटरएक्टिव सेशन में संत कोलंबा, मार्खम, केबी महिला कॉलेज सहित अन्य कई कॉलेजों व विश्वविद्यालयों के छात्रों ने ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से जुड़कर प्रश्न पूछे। कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. हितेंद्र अनुपम ने किया। इस अवसर पर डॉ. विकास कुमार, विवेक आशीष बाखला, मुकेश कुमार, डॉ. विनोद रंजन और विभिन्न कॉलेजों के शिक्षक, शोधार्थी व छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पदमा में नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ भव्य शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

पदमा। सांसद खेल महामहोत्सव के तहत पदमा प्रखंड के सरैया खेल मैदान में नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ मुख्य अतिथि बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने मशाल जलाकर और फुटबॉल को किक मारकर किया। इस अवसर पर सभी उपस्थित अतिथियों और खिलाड़ियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया। विधायक ने कहा कि सांसद मनीष जायसवाल द्वारा आयोजित यह टूर्नामेंट युवाओं को अनुशासित जीवन से जोड़ने और नशे जैसी बुराइयों से दूर रखने का सशक्त माध्यम है। आयोजन समिति के प्रशांत सिंह, निशांत सिंह और मनोज गुप्ता ने बताया कि इस नॉकआउट टूर्नामेंट में प्रखंड की कुल 32 टीमें भाग ले रही हैं। मौके पर सांसद प्रतिनिधि अजय मेहता, प्रमुख वीणा देवी, उपप्रमुख सतेंद्र राणा और जिला परिषद सदस्य बसंत नारायण मेहता समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

ज्वेलर्स व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर DGP व ADG लॉ एंड ऑर्डर से होगा सीधा संवाद

नई सोच एक्सप्रेस

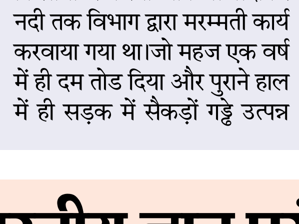

पटना। बिहार में ज्वेलर्स एवं स्वर्ण व्यवसायियों के साथ लगातार हो रही लूट, हत्या और अन्य आपराधिक घटनाओं को लेकर CAIT/AIJGF बिहार की ओर से विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम मंगलवार को शाम 4 बजे पटना के पटेल भवन, बेली रोड में होगा। कार्यक्रम में बिहार के DGP विनय कुमार, IPS तथा ADG लॉ एंड ऑर्डर के. एस. अनुपम, IPS ज्वेलर्स व्यापारियों से सीधे संवाद करेंगे। इस दौरान व्यापारियों की सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं, आपराधिक घटनाओं और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम में पिछले 15 दिनों के दौरान आपराधिक घटनाओं के शिकार हुए ज्वेलर्स व्यापारी भी शामिल होंगे। प्रभावित व्यापारियों से संबंधित FIR की प्रति साथ लाने की अपील की गई है, ताकि वे अपनी समस्याएं और सुझाव पुलिस अधिकारियों के समक्ष रख सकें। CAIT/AIJGF बिहार के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार वर्मा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष बबल कश्यप ने कहा कि ज्वेलर्स व्यापारियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। संवाद कार्यक्रम के माध्यम से पुलिस प्रशासन और व्यापारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा सुरक्षा के लिए ठोस एवं प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने पर चर्चा होगी।

बिहार में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधारों की उच्चस्तरीय समीक्षा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार में व्यापारिक गतिविधियों को आसान बनाने और प्रशासनिक नियमों को सरल करने के लिए चल रहे Deregulation 1.0 और 2.0 की प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक बुधवार को हुई। कैबिनेट सचिवालय, भारत सरकार के विशेष सचिव के.के. पाठक और बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की सह-अध्यक्षता में आयोजित बैठक में विभिन्न विभागों के सुधारों की समीक्षा की गई। बैठक में बिहार बिल्डिंग बाय-लॉज 2026 के प्रारूप पर चर्चा हुई। इसके तहत कम जोखिम वाले भवनों के लिए स्व-प्रमाणन तथा मध्यम जोखिम वाले भवनों के लिए थर्ड पार्टी निरीक्षण की व्यवस्था प्रस्तावित है। वहीं, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक 2026 को 23 जुलाई को विधानमंडल की मंजूरी मिलने के बाद इसके प्रावधानों के क्रियान्वयन पर भी चर्चा हुई। इसके तहत उद्योगों को दोहरे लाइसेंस से राहत और MSME को स्व-घोषणा के आधार पर मंजूरी देने जैसे प्रावधान शामिल हैं। सरकार के नियमों, अधिनियमों और आदेशों के लिए केंद्रीकृत डिजिटल रिपॉजिटरी पोर्टल 19 जून से चालू है, जिस पर अब तक 2000 से अधिक दस्तावेज अपलोड किए जा चुके हैं। RTPS की ऑटो-अपील प्रणाली भी 23 जून से लागू है। बैठक में भूमि उपयोग परिवर्तन (CLU) की आवश्यकता समाप्त करने, बिजली कनेक्शन की प्रक्रिया सरल करने तथा निजी स्कूलों के लिए न्यूनतम भूमि की बाध्यता खत्म करने जैसे सुधारों पर भी चर्चा हुई। स्वास्थ्य क्षेत्र में एकीकृत स्वास्थ्य लाइसेंसिंग पोर्टल विकसित करने और पर्यटन क्षेत्र में मुख्यमंत्री होमस्टे प्रोत्साहन नीति 2026 के नियमों को और सरल बनाने के निर्देश दिए गए। विशेष सचिव के सुझावों के बाद संबंधित विभागों को आवश्यक अधिसूचनाएं जल्द जारी करने का निर्देश दिया गया। अग्निशमन विभाग को EoDB विधेयक और भवन उप-विधि के अनुरूप नियमों में संशोधन तथा पर्यटन विभाग को होमस्टे नीति को और उदार बनाने को कहा गया। भवन निर्माण, उद्योग और स्वास्थ्य क्षेत्र में थर्ड पार्टी निरीक्षण एजेंसियों की नियुक्ति पर भी जल्द निर्णय लिया जाएगा। बैठक में उद्योग, नगर विकास, राजस्व एवं भूमि सुधार, गृह, स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

ज़ेवान वेलफेयर सोसाइटी ने तैयार ट्रांज़िट आवास का तुरंत कब्ज़ा सौंपने की मांग की

श्रीनगर।ज़ेवान वेलफेयर सोसाइटी ने अधिकारियों से आग्रह किया है कि वे ज़ेवान में रहने के लिए तैयार ट्रांज़िट आवास को तुरंत सौंप दें और कश्मीर घाटी में ट्रांज़िट कैंपों में बाकी सभी कामों को तेज़ी से पूरा करें।16 साल से ज़्यादा के इंतज़ार के बाद भी, सैकड़ों PM पैकेज कर्मचारी और उनके परिवार किराए के मकानों में रह रहे हैं, जबकि ज़ेवान में बड़ी संख्या में क्वार्टर तैयार हैं। हमलोगों को मौजूदा सुरक्षा हालात, बार-बार मिल रही धमकियों और बढ़ती असुरक्षा के कारण कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ज़ेवान में रहने के लिए तैयार लगभग 26 इमारतों में रहनेकीअनुमतिदी जाये। इसके लिए बाकी ब्लॉक के पूरा होने का इंतज़ार न किया जाए। 30 सितंबर तक सभी लंबित क्वार्टरों और उनसे जुड़े कामों के निर्माण में तेज़ी लाई जाए। लंबित लिफ़्ट लगाने के काम में तुरंत तेज़ी लाई जाए। लागू अनुबंध प्रावधानों के तहत, बेवजह देरी के लिए ज़िम्मेदार ठेकेदारों पर सख़्त कार्रवाईकी जाये। हमने 16 साल से ज़्यादा समय तक इंतज़ार किया है। सोसाइटी ने आगे कहा कि अगर 30 सितंबर तक जायज़ और लंबे समय से लंबित मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो प्रभावित कर्मचारी अपनी चिंताओं की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से भूख हड़ताल करने पर मजबूर हो सकते हैं ?

गोदरेज एग्रोवेट की नई CHRO बनीं अनुश्री सिंह

पटना।गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड ने अनुश्री सिंह को अपना नया चीफ ह्यूमन रिसोर्सेज ऑफिसर (CHRO) नियुक्त किया है। वह कंपनी की पीपल स्ट्रेटजी, प्रतिभा विकास और संगठनात्मक क्षमता को मजबूत करने की जिम्मेदारी संभालेंगी। अनुश्री सिंह को एचआर क्षेत्र में दो दशकों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने पीपल स्ट्रेटजी, संगठनात्मक बदलाव, कल्चर बिल्डिंग, एमएंडए इंटीग्रेशन और लीडरशिप डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में काम किया है। गोदरेज एग्रोवेट से पहले वह जेएसडब्ल्यू एनर्जी में CHRO के पद पर कार्यरत थीं। इसके अलावा उन्होंने एवरी डेनिसन, अक्ज़ो नोबेल और आदित्य बिड़ला ग्रुप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। गोदरेज एग्रोवेट के एमडी एवं सीईओ सुनील कटारिया ने अनुश्री का स्वागत करते हुए कहा कि मजबूत संगठन और कर्मचारियों की क्षमताओं का विकास कंपनी की रणनीतिक प्राथमिकता है। वहीं, अनुश्री सिंह ने कहा कि वह कंपनी की विकास यात्रा के महत्वपूर्ण दौर में शामिल होकर भविष्य-उन्मुख संगठन तैयार करने और कर्मचारियों के विकास के लिए काम करने को लेकर उत्साहित हैं।

हिना खान ने पहले करवा चौथ की यादें साझा की

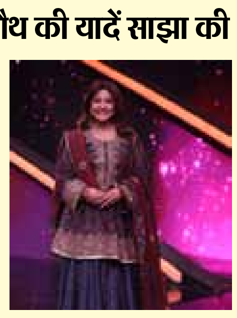

पटना।सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के 'इंडियाज़ बेस्ट डांसर सीज़न 5' के आगामी एपिसोड 'इंडिया वाला डांस' में कंटेस्टेंट प्रिंस और गीतांजलि 'चांद छुपा बादल में' पर भावपूर्ण प्रस्तुति देंगे। उनकी परफॉर्मेंस देखकर गेस्ट हिना खान अपने पति रॉकी जायसवाल के साथ मनाए गए पहले करवा चौथ की यादों में खो जाएंगी। हिना खान ने कहा कि प्रतियोगियों ने करवा चौथ की भावनाओं, संस्कृति और परंपरा को बेहद खूबसूरती से मंच पर प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि अपने पहले करवा चौथ पर रॉकी ने भी उनकी लंबी उम्र के लिए व्रत रखा था। हिना के अनुसार, रॉकी का मानना है कि करवा चौथ सिर्फ महिलाओं को ही नहीं, बल्कि पतियों को भी अपनी पत्नियों के लिए रखना चाहिए। प्रिंस और गीतांजलि की जोड़ी को दो जिस्म, एक जान बताते हुए हिना ने कहा कि उनकी प्रस्तुति ने उन्हें अपने पहले करवा चौथ के दौरान महसूस की गई भावनाओं को दोबारा जीने का मौका दिया। इंडियाज़ बेस्ट डांसर सीज़न 5 हर शनिवार और रविवार रात 8 बजे, सिर्फ़ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर प्रसारित होगा।

दानापुर मंडल में सघन टिकट जांच अभियान में 405 बिना टिकट यात्री पकड़े गए

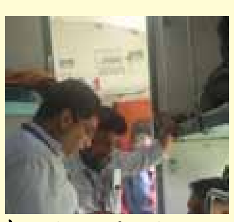

पटना।पूर्व मध्य रेल का दानापुर मंडल यात्रियों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण रेल यात्रा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु बिना टिकट एवं अनियमित टिकट पर यात्रा करने वाले यात्रियों के विरुद्ध मंडल में नियमित रूप से सघन टिकट जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दानापुर अभिनव सिद्धार्थ के नेतृत्व में देर रात तक मंडल के प्रमुख स्टेशनों एवं महत्वपूर्ण ट्रेनों में व्यापक एवं सघन टिकट जांच अभियान संचालित किया गया। इस अभियान के अंतर्गत बक्सर स्टेशन पर 'लाल गाड़ी' विशेष टिकट जांच अभियान के दौरान 405 बिना टिकट एवं अनियमित यात्रियों को पकड़ा गया, जिनसे किराया एवं जुर्माना मिलाकर कुल 2,76,745/- की राशि वसूल की गई। संपूर्ण दानापुर मंडल में चलाए गए इस विशेष अभियान के दौरान 2066 बिना टिकट एवं अनियमित टिकट के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों को पकड़ा गया, जिनसे किराया एवं दंड के रूप में कुल 18,40,910/- का राजस्व अर्जित किया गया।

नौबतपुर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार

पटना।भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी अभियान के तहत बुधवार की दोपहर पटना जिले के नौबतपुर थाना क्षेत्र में सतर्कता अन्वेषण ब्यूरो (विजिलेंस टीम) ने नौबतपुर प्रखंड (ब्लॉक) कार्यालय में औचक कार्रवाई की गई और प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। इस कार्रवाई के बाद प्रखंड परिसर और प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आपूर्ति पदाधिकारी विनोद कुमार द्वारा किसी कार्य के एवज में रिश्वत की मांग की जा रही थी। पीड़ित की शिकायत पर विजिलेंस टीम ने मामले का सत्यापन किया और जाल बिछाया। जैसे ही बुधवार की दोपहर अधिकारी ने रिश्वत की रकम अपने हाथ में ली, पहले से मुस्तैद विजिलेंस की टीम ने उन्हें मौके पर ही दबोच लिया। इस संबंध में निगरानी थाना कांड संख्या 100/2026 दर्ज किया गया। गिरफ्तारी के बाद विजिलेंस टीम आरोपी अधिकारी को अपने साथ पूछताछ के लिए पटना मुख्यालय लेकर रवाना हो गई है। इस बड़ी कार्रवाई से भ्रष्ट अधिकारियों में भारी खौफ व्याप्त है।

आगरा कैंट स्टेशन पर क्यूआरटी एवं जीआरपी टीम की तत्परता से यात्री की बची जान

नई सोच एक्सप्रेस

आगरा /वाराणसी।आगरा कैंट रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर पांच पर 8 सितम्बर 2026 को लगभग दस बजे साबरमती एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12547) के प्रस्थान के दौरान एक यात्री चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास करते समय हादसे का शिकार हो गया | यात्री आगरा कैंट से पालनपुर की यात्रा कर रहे थे ट्रेन में चढ़ते समय यात्री का पैर ट्रेन एवं प्लेटफार्म के बीच फंस गया, जिसके कारण वह चलती ट्रेन की चपेट में आकर रेलवे ट्रैक की ओर जाने लगे | घटना की गंभीरता को देखते हुए प्लेटफार्म ड्यूटी पर तैनात क्यूआरटी टीम एवं जीआरपी पुलिस ने बिना समय गंवाए तत्काल मौके पर पहुंचकर अदम्य साहस,सूझबूझ एवं कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया | टीम के सदस्यों ने अपनी जान की परवाह किए बिना जोखिम उठाते हुए यात्री को तत्काल सुरक्षित बाहर निकाल लिया | घटना के उपरांत यात्री को तत्काल रेलवे डॉक्टर द्वारा अटेंड किया गया तथा प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया | क्यूआरटी एवं जीआरपी टीम की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया और यात्री की जान बचाई जा सकी | रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों से अपील की जाती है कि चलती ट्रेन में चढ़ने या उतरने का प्रयास न करें तथा सदैव निर्धारित नियमों एवं सुरक्षा निर्देशों का पालन करें ||

» चलती साबरमती एक्सप्रेस में चढ़ते समय ट्रेन एवं प्लेटफार्म के बीच फंसा था यात्री का पैर,टीम ने साहस दिखाकर सुरक्षित बाहर निकाला

प्रो. मनोज कुमार कैन को राष्ट्रीय गौरव सम्मान-2026

नई सोच एक्सप्रेस

उज्जैन।महाकाल की नगरी उज्जैन में आयोजित 'राष्ट्रीय गौरव सम्मान-2026' समारोह में दिल्ली विश्वविद्यालय के पीजीडीएवी महाविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रोफेसर मनोज कुमार कैन को शिक्षा, साहित्य एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। दैनिक समाचार पत्र 'विनय उजाला' की ओर से रामसखा गौतम सभागृह, सामाजिक विज्ञान शोध संस्थान में आयोजित समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे विशिष्ट लोगों को उनके सामाजिक एवं राष्ट्रहित के कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। हिंदी सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरी ने प्रो. कैन को सम्मान प्रदान किया। समारोह की अध्यक्षता प्रेस क्लब उज्जैन के अध्यक्ष नंदलाल यादव ने की। सांसद अनिल फिरोजिया, नगर निगम सभापति कलावती यादव, उपमहाधिवक्ता सुदीप भार्गव और महाकाल मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक अतिथि के रूप में मौजूद रहे। प्रो. मनोज कुमार कैन करीब 25 वर्षों से अध्यापन, लेखन और शोध के क्षेत्र से जुड़े हैं। वे शिक्षा एवं साहित्य के माध्यम से सामाजिक जागरूकता के लिए कार्य कर रहे हैं। सम्मान मिलने पर उन्होंने 'विनय उजाला' का आभार जताते हुए कहा कि यह सम्मान उनके सहयोगियों और शुभचिंतकों के प्रोत्साहन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मान देश और समाज के लिए और अधिक जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की प्रेरणा देते हैं।

अनुपम मिश्र को मिली बड़ी जिम्मेदारी, बने अखिल भारत हिंदू महासभा के यूपी प्रदेश अध्यक्ष

नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली। अखिल भारत हिंदू महासभा ने संगठनात्मक विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अनुपम मिश्र को उत्तर प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया है। यह घोषणा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज द्वारा की गई। नियुक्ति की घोषणा करते हुए स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने कहा कि अनुपम मिश्र लंबे समय से हिंदू समाज, सनातन संस्कृति एवं गौ-रक्षा के कार्यों में सक्रिय रहे हैं। उनकी संगठनात्मक क्षमता, समर्पण एवं निष्ठा को देखते हुए उन्हें प्रदेश की यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मिश्र के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में महासभा का संगठन जिला एवं मंडल स्तर तक सुदृढ़ होगा तथा सनातन धर्म एवं राष्ट्रहित से जुड़े विषयों पर संगठन की सक्रियता और प्रभावी होगी। महासभा की ओर से बताया गया कि मिश्र को प्रदेश में संगठनात्मक ढाँचे के विस्तार, जिला इकाइयों के गठन, कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण तथा धर्म-संस्कृति, गौ-संरक्षण, मंदिर संरक्षण एवं सामाजिक समरसता से जुड़े अभियानों के संचालन का दायित्व सौंपा गया है। अनुपम मिश्र ने आज नई दिल्ली स्थित हिंदू महासभा कार्यालय पहुँचकर राष्ट्रीय अध्यक्ष जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज से भेंट की तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर महासभा के वरिष्ठ नेता राजकुमार सिंह भी उपस्थित रहे। नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए अनुपम मिश्र ने कहा कि यह उनके लिए गौरव का विषय है और वे राष्ट्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ संगठन को प्रदेश के प्रत्येक जनपद तक पहुँचाने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति की रक्षा, हिंदू समाज की एकता एवं राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रहेंगे। मिश्र की नियुक्ति पर महासभा के पदाधिकारियों, संत समाज एवं कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दी हैं।

आगरा की जनसमस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री योगी को सौंपा छह सूत्रीय ज्ञापन

नई सोच एक्सप्रेस

आगरा।वरिष्ठ भाजपा नेता एवं भारतीय जाटव समाज संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास पहुंचकर आगरा की सामाजिक एवं जनसमस्याओं से संबंधित छह सूत्रीय ज्ञापन मुख्यमंत्री के विशेष कार्याधिकारी को सौंपा। प्रतिनिधिमंडल को मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार कर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। ज्ञापन में कालिंदी विहार में विकसित हो रहे बुद्धा पार्क को बुद्धा सर्किट से जोड़कर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने तथा इसका लोकार्पण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कराने की मांग की गई। आगरा मेट्रो के दूसरे चरण में प्रस्तावित कालिंदी विहार स्टेशन का नाम 'बुद्धा पार्क मेट्रो स्टेशन' रखने का भी आग्रह किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने कारगिल युद्ध के शहीद कैप्टन सुनील यादव के सम्मान में ISBT मेट्रो स्टेशन का नाम 'शहीद कैप्टन सुनील यादव ISBT मेट्रो स्टेशन' रखने की मांग उठाई। इसके अलावा मेहरा-नाहरगंज से एत्मादपुर एवं टूंडला को जोड़ने वाले पुल के निर्माण को शीघ्र स्वीकृति देने, ग्वालियर रोड पर जलभराव की स्थायी समस्या के समाधान के लिए नाला निर्माण तथा धनौली के निवासियों की आवासीय समस्या के समाधान की मांग की गई। ज्ञापन में 11 जुलाई 2026 को बुद्ध विहार परिसर की नवनिर्मित दीवार गिरने की घटना का उल्लेख करते हुए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की निगरानी के लिए वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी की अध्यक्षता में मॉनिटरिंग कमेटी गठित करने की मांग भी की गई। इसमें संस्था के तीन पदाधिकारियों को शामिल करने का प्रस्ताव रखा गया। उपेन्द्र सिंह ने कहा कि ज्ञापन आगरा की जनता, बौद्ध समाज, शहीद परिवारों और क्षेत्र के विकास से जुड़ी जनभावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है। प्रतिनिधिमंडल में संस्था के प्रदेश अध्यक्ष नेत्रपाल सिंह सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

बनारस के किसलय राय ने बढ़ाया मान, इंग्लैंड में पूरी की आयरनमैन प्रतियोगिता

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।गाजीपुर निवासी किसलय राय ने इंग्लैंड के लीड्स में आयोजित आयरनमैन प्रतियोगिता सफलतापूर्वक पूरी कर बनारस और उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया | 16 अगस्त 2026 को सुबह सात बजे शुरू हुई प्रतियोगिता रात दस बजकर दस मिनट पर समाप्त हुई | प्रतिभागियों को 3.8 किलोमीटर तैराकी, 183 किलोमीटर साइकिल दौड़ और 42.2 किलोमीटर दौड़ पूरी करनी थी | करीब 1500 प्रतिभागियों वाली इस प्रतियोगिता में भारत से तीन प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिनमें केवल दो ही सफलतापूर्वक अंतिम रेखा तक पहुंच सके | किसलय ने 183 किलोमीटर साइकिल दौड़ आठ घंटे बीस मिनट में पूरी की | इस दौरान करीब 2.5 किलोमीटर की चढ़ाई और कई बार साइकिल की जंजीर उतरने जैसी मुश्किलों का सामना करना पड़ा इसके बाद 42.2 किलोमीटर की दौड़ उन्होंने छह घंटे दस मिनट में पूरी की | किसलय ने बताया कि उन्होंने प्रतियोगिता की विशेष तैयारी केवल तीन महीने पहले शुरू की थी इससे पहले वह फरवरी 2025 में नागपुर में आयोजित मोइल टाइगरमैन प्रतियोगिता भी सफलतापूर्वक पूरी कर चुके हैं | प्रतियोगिता के दौरान ऊर्जा बनाए रखने के लिए उन्होंने सूखे मेवों से तैयार पोषण जेल का इस्तेमाल किया | किसलय का कहना है कि ऐसी प्रतियोगिताएं शारीरिक क्षमता के साथ मानसिक मजबूती,धैर्य और लक्ष्य के प्रति निरंतर समर्पण की परीक्षा लेती हैं भारत में ऐसी प्रतियोगिताओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है | **पारिवारिक परिचयः**किसलय राय के पिता डॉ.मनोज राय हैं उनके दादा माधवेंद्र राय (बालाजी) हैं छोटे दादा जितेंद्र नारायण राय और नेडु राय हैं | उनका परिवार गाजीपुर जिले का निवासी है उनका पैतृक गांव पाली तहसील कासिमाबाद जिला गाजीपुर में स्थित है ||

» इंग्लैंड के लीड्स में किसलय राय ने पूरा किया आयरनमैन चैलेंज,बनारस का नाम किया रोशन

मलाइका अरोड़ा और प्रभु गणेशन ने कल्याण ज्वेलर्स के नए शोरूम का किया उद्घाटन

नई सोच एक्सप्रेस

मुम्बई।प्रभु गणेशन और मलाइका अरोरा ने कल्याण ज्वेलर्स के मुलुंड में नए शोरूम का उद्घाटन किया। क्षेत्र में ब्रांड की उपस्थिति को और मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू किए गए इस शोरूम में कल्याण ज्वेलर्स के उत्कृष्ट डिज़ाइनों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत की गई है। कंपनी के लोकप्रिय इन-हाउस ब्रांड जैसे कि 'मुहूर्त' 'मुद्रा' 'निमाह' और कई अन्य आकर्षक कलेक्शन इसमें शामिल हैं कल्याण ज्वेलर्स के लाइफस्टाइल ज्वेलरी ब्रांड 'केनडियर' की विशेष प्रस्तुति ने लॉन्चिंग समारोह के उत्साह को और बढ़ा दिया। अपने ट्रेंडी डिज़ाइनों और आधुनिक कलेक्शंस के लिए मशहूर, केनडियर विशेष रूप से हल्के वजन के आभूषण पेश करता है, जो आज की 'जेन ज़ी' पीढ़ी, कामकाजी महिलाओं और स्टाइल के शौकीन पुरुषों की पसंद को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। अभिनेता प्रभु गणेशन ने कहा,"कल्याण ज्वेलर्स के नए शोरूम के उद्घाटन का हिस्सा बनकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। मुझे गर्व है कि मैं एक ऐसे ब्रांड के साथ जुड़ा हूँ, जिसने हमेशा ग्राहकों के भरोसे, ईमानदारी और उनकी खुशियों को सबसे ऊपर रखा है।" मलाइका अरोड़ा ने कहा,"मुझे पूरा यकीन है कि इस शहर के लोग कल्याण ज्वेलर्स के शानदार और यूनीक डिजाइन्स को बहुत पसंद करेंगे। यहां की बेहतरीन सर्विस और खूबसूरत कलेक्शन को लोग अपना ढेर सारा प्यार और सपोर्ट देंगे।" रमेश कल्याणरमन, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, कल्याण ज्वेलर्स ने कहा,"मुलुंड में अपने पहले शोरूम की शुरुआत के साथ महाराष्ट्र में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है।"

अभिनेत्री रसिका दुग्गल 'स्मिथ एंड जोन्स' के नए टीवीसी में, बच्चों के टिफिन को बनाएं खास

नई सोच एक्सप्रेस

मुंबई।मशहूर अभिनेत्री रसिका दुग्गल टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के प्रमुख फूड ब्रांड 'स्मिथ एंड जोन्स' के पास्ता मसाला के एक नए टीवीसी में नजर आ रही हैं। रोजमर्रा के स्कूल टिफिन से जुड़ा यह अभियान, एक ऐसा लंच बॉक्स तैयार करने की खुशी को दर्शाता है जिससे बच्चे बेसब्री से इंतजार करते हैं और जिसे अपने दोस्तों के साथ शेयर करना पसंद करते हैं। आज की माताएं हमेशा बच्चों के खाने को रोमांचक और नया बनाने के नए-नए तरीकों की तलाश में रहती हैं। 'स्मिथ एंड जोन्स' कुछ नया बनाने की इस उलझन और अनिश्चितता को पूरी तरह खत्म कर देता है। दीपिका भान, प्रेसिडेंट-पैकेज्ड फूड, कैपिटल फूड्स एंड सोलफुल, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने कहा,"हर मां स्कूल का दिन खत्म होने पर एक ही उम्मीद करती है कि बच्चे का टिफिन खाली वापस आए। 'स्मिथ एंड जोन्स' में हमारा उद्देश्य है कि हम बच्चों के लिए बेहद स्वादिष्ट पास्ता पेश करके माताओं के इस काम को थोड़ा आसान बना सकें, जिसे बच्चे सचमुच पसंद करें। यह अभियान स्कूल के लंच-ब्रेक के उन रोजमर्रा के पलों से प्रेरित है जिन्हें हममें से कई लोग बड़े प्यार से याद करते हैं जहां दोस्त आपस में खाना शेयर करते हैं और लंच टेबल पर खूबसूरत यादें संजोते हैं।'' हेवल पटेल, सीओओ, द वुम्ब ने कहा,"हमें यह अहसास हुआ कि 'स्मिथ एंड जोन्स पास्ता मसाला' सिर्फ एक सुविधाजनक उत्पाद नहीं, बल्कि एक भावना भी है। यह न केवल बच्चों को खुश करता है, बल्कि मां को भी एक ऊंचे और सम्मानजनक स्थान पर बैठाता है। हमने इसी भावना को अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति में आगे बढ़ाया है."

भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय के तहत माई भारत श्रीनगर ने क्विज़ 2027 पर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किया

नई सोच एक्सप्रेस

श्रीनगर।भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय के तहत 'माई भारत श्रीनगर' ने आज विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग क्विज़ 2027 के बारे में जानकारी देने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। इस पहल का मकसद युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना और युवा सोच को विकसित भारत के विज़न से जोड़ना है। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता माई भारत श्रीनगर के ज़िला युवा अधिकारी ने की। इसका मुख्य उद्देश्य क्विज़ 2027 के बारे में जागरूकता फैलाना और माई भारत पोर्टल के ज़रिए युवाओं की ज़्यादा से ज़्यादा भागीदारी को प्रोत्साहित करना था। इस पहल का लक्ष्य भारत के युवाओं की ऊर्जा और आकांक्षाओं को 'विकसित भारत' के विज़न से जोड़ना है। माई भारत श्रीनगर के ज़िला युवा अधिकारी ने ज़िले के युवाओं से क्विज़ में सक्रिय रूप से भाग लेने और 'विकसित भारत' की यात्रा का हिस्सा बनने के इस मौके का पूरा लाभ उठाने की अपील की।

क्रिमिनोलॉजिस्ट चुनौतियों भरा कॅरियर

टेक्नोलॉजी में तेजी से आई प्रगति से सिर्फ सुविधाएं ही नहीं, बल्कि अपराध भी बढ़ रहे है और इसी के साथ बढ़ रही है अपराधों की छानबीन के क्षेत्र में करियर की प्रबल संभावनाएं भी।

क्रिमिनोलॉजिस्ट का काम है घटना स्थल से अपराधी के खिलाफ सबूत जुटाने में जांच दल की मदद करना। विशेषज्ञों के अनुसार, बेशक यह जॉब चैलेंजिंग है, परंतु तेजी से लोकप्रिय हो रहा करियर विकल्प भी है। फोरेंसिक साइंस की सभी शाखाओं में इसके विशेषज्ञों की हमेशा मांग रहती है।

केंद्रीय व राज्य सरकारों द्वारा चलाई जा रही 24 फोरेंसिक लैब में विशेषज्ञों की भर्ती संघ लोक सेवा आयोग द्वारा की जाती है। फोरेंसिक मेडिसिन के विशेषज्ञों को सभी मेडिकल कालेजों, शोध संस्थानों में मौका दिया जाता है। अपराध अनुसंधान से संबंधित सभी लैबों में फोरेंसिक विज्ञान की शाखाओं के लिए अलग-अलग विभागों में विशेषज्ञों की मांग हमेशा बनी रहती है। क्रिमिनोलॉजी विशेषज्ञों के लिए सीबीआई और आईबी में भी मौके होते हैं। यह करियर रोमांच और चुनौतियों से भरा है। अगर आप अपने जीवन में जोखिम को तवज्जो देते हैं तो आप इस करियर से नाता जोड़ सकते हैं। आप इस करियर में जितनी मेहनत करेंगे, उतना ही मेहनताना और मान-सम्मान भी पाएंगे।

उपलब्ध कोर्स

- बीए/बीएससी इन क्रिमिनोलॉजी (3 वर्ष)
- एमए/एमएससी इन क्रिमिनोलॉजी (2 वर्ष)
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्रिमिनोलॉजी (1 वर्ष)

कैसे मिलेगा दाखिला

क्रिमिनोलॉजी के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए बीए या बीएससी इन क्रिमिनोलॉजी में दाखिला ले सकते हैं, जिसकी अवधि 3 वर्ष है। इसके लिए आर्ट या साइंस में बारहवीं पास होना अनिवार्य है। इसके अलावा, पोस्ट ग्रेजुएट, डिग्री या डिप्लोमा इन क्रिमिनोलॉजी भी कर सकते हैं, जिसके लिए आर्ट या साइंस विषय में स्नातक डिग्री आवश्यक है।

कार्य

क्रिमिनोलॉजिस्ट का काम अपराध से संबंधित परिस्थितियों का अध्ययन करना, अपराधी के खिलाफ सबूत जुटाना और अपराध करने का कारण तथा समाज पर इसका प्रभाव जानना होता है। क्रिमिनोलॉजिस्ट समाज को अपराध से बचाने में मदद भी करता है।

संभावनाएं

आज जिस तरह से क्राइम बढ़ रहा है, उसे देखते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि सन् 2014 तक इस क्षेत्र में ऐसे प्रोफेशनल्स की बहुत जरूरत पड़ेगी। क्रिमिनोलॉजिस्ट पब्लिक व प्राइवेट कंपनियों, सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट, एनजीओ, रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन, प्राइवेट सिक्योरिटी तथा डिटेक्टिव एजेंसियों में रोजगार प्राप्त कर सकता है। इसके अलावा, क्रिमिनोलॉजिस्ट काउंसलर तथा फीलांसर के तौर पर भी कार्य कर सकता है।

किस तरह के मिलते हैं जॉब

क्रिमिनोलॉजी से कोर्स करने के बाद क्राइम इंटेलिजेंस एनालिस्ट, लॉ रिफॉर्म रिसर्चर, कम्यूनिटी करेक्शन कोऑर्डिनेटर, ड्रग पॉलिसी एडवाइजर, कंज्यूमर एडवोकेट, इनवायरनमेंट प्रोटेक्शन एनालिस्ट के पद पर कार्य कर सकते हैं।

आवश्यक गुण

कानून व्यवस्था पर आस्था और जिज्ञासा एक सफल क्रिमिनोलाजिस्ट बनने के लिए सबसे आवश्यक गुण होते हैं। इसके अलावा, यदि आप लॉजिक व प्रैक्टिकल सोच रखते हैं तथा टीम भावना के साथ काम कर सकते हैं, तो आप आसानी से इस फील्ड से जुडक़र नाम कमा सकते हैं।

सैलॅरी पैकेज

भारत में एक क्रिमिनोलॉजिस्ट शुरुआती स्तर पर प्रतिमाह 30 से 45 हजार रुपये कमा सकता है। इसके अलावा, फीलांसर के तौर पर वह केस की जरूरत के अनुसार अपनी फीस तय कर सकता है। भारत की तुलना में विदेशों में क्रिमिनोलॉजिस्ट की मांग ज्यादा है।

कंप्यूटर हार्डवेयर में अवसरों की कमी नहीं

पिछले दो दशक में अगर किसी क्षेत्र में सबसे ज्यादा विकास और कामकाज को लेकर निर्भरता बढ़ी है तो वह कंप्यूटर है। दरअसल कंप्यूटर आज हर एक की जिंदगी में इस तरह से पैठ बना चुका है कि इसके बिना कोई काम नहीं हो सकता। यह संभव है कि आपको कंप्यूटर का संचालन करना नहीं आता हो लेकिन समय पडऩे पर इसे सीखना आवश्यक होता जा रहा है। ऐसे में कंप्यूटर का रख-रखाव भी अहम हो जाता है। जब भी कभी इसमें खराबी आ जाती है तो इसे ठीक करने का काम कंप्यूटर हार्डवेयर प्रोफेशनल्स करते हैं।

कंप्यूटर हार्डवेयर क्या है

कंप्यूटर के कलपुर्जों को सम्मिलित रूप से हार्डवेयर कहा जाता है। हार्डवेयर तकनीक के अंतर्गत इसके निर्माण और रख-रखाव की जानकारी दी जाती है। इसे दो भागों में बांटा जा सकता है। कार्ड लेवल और चिप लेवल। दरअसल, सभी कंप्यूटर उपकरणों में कई तरह के कार्ड लगे होते हैं, जिनमें कई चिप होती हैं। पहले किसी भी चिप में कोई खराबी होने पर पूरे कार्ड को बदल दिया जाता था। इसे 'कार्ड लेवल हार्डवेयर तकनीक कहते हैं। इसमें लगने वाले कार्ड काफी महंगे होते हैं, इस कारण यह तकनीक काफी महंगी है। अब जब से कार्ड में लगे चिप को बदलने की तकनीक विकसित हो चुकी है तो कंप्यूटर में इससे संबंधित किसी भी तरह की खराबी आने पर कार्ड में लगे चिप को बदलकर ही खराबी दूर कर दी जाती है। कार्ड के मुकाबले चिप काफी सस्ती पड़ती है। इसके कारण यह तकनीक काफी लोकप्रिय है।

योग्यता

कई पॉलिटेक्निक और निजी संस्थानों द्वारा चिप लेवल हार्डवेयर में डिप्लोमा का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की अवधि एक से तीन वर्ष के बीच होती है। इन कोर्सेज में प्रवेश के लिए योग्यता बारहवीं पास है, जबकि पॉलिटेक्निक में दसवीं के बाद ही प्रवेश लिया जा सकता है। अधिकतर जगहों पर दाखिला प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही होता है। कुछ निजी संस्थान बारहवीं के अंकों के आधार पर भी प्रवेश देते हैं।

संभावनाएं

कंप्यूटर और उसके उपभोक्ताओं की लगातार बढ़ती संख्या के साथ ही हार्डवेयर इंजीनियरों की मांग भी काफी तेजी से बढ़ी है। निजी संस्थानों और कार्यालयों में कंप्यूटर के बिना काम करने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कंप्यूटर में थोड़ी-सी गड़बड़ी लाखों का नुकसान करा सकती है, इसलिए निजी कंपनियों और सरकारी कार्यालयों में पर्याप्त संख्या में हार्डवेयर प्रोफेशनल नियुक्त किए जाते हैं। घरों, दुकानों आदि में कंप्यूटर के बढ़ते प्रयोग के कारण स्वतंत्र रूप से रिपेयरिंग का काम करके काफी आमदनी की जा सकती है। आप हार्डवेयर अपग्रेडेशन में भी टेलीकॉम, मोबाइल और कंप्यूटर से संबंधित इलेक्ट्रॉनिक गुड्स के क्षेत्र में काम कर सकते हैं। साथ ही अगर आप नौकरी नहीं करना चाहते हैं तो खुद का व्यवसाय भी कर सकते हैं।

हर कोई डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस... बनना चाहता है, लेकिन हर किसी का यह सपना पूरा नहीं होता है। लेकिन आप वोकेशनल कोर्स के माध्यम भी अपने करियर को एक नए मुकाम तक पहुंचा सकते हैं।

....फाइनेंशियल रूप से सक्षम नहीं हैं, तो वोकेशनल कोर्सेज बेहतर विकल्प

अगर आप उच्च शिक्षा हासिल करने में फाइनेंशियल रूप से सक्षम नहीं हैं, तो वोकेशनल कोर्सेज आपके लिए बेहतर विकल्प हैं। इंडस्ट्री की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सरकारी और प्राइवेट संस्थानों द्वारा कई तरह के शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म कोर्सेज चलाए जा रहे हैं। इस तरह के कोर्स करने के बाद नौकरी भी आसानी से मिल जाती है।

हेयर स्टाइल

इन दिनों फैशन का खूब पैशन है। इसलिए लोग अपने हेयर स्टाइल के प्रति काफी सजग हो गए हैं। यही वजह है कि बाजार में संभावनाओं को देखते हुए कुछ संस्थानों ने इससे जुड़े कोर्स शुरू कर दिए हैं। आप 10वीं और 12वीं पास करने के बाद इस कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं।

इंस्टीट्यूट

- पॉलिटेक्निक फॉर वूमन, साउथ एक्सटेंशन-1, नई दिल्ली,
- हबिब्स हेयर एकेडमी, साउथ एक्सटेंशन-2 नई दिल्ली,
- मैन्स वर्ल्ड इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

ब्यूटी कल्चर

फैशन के इस दौर में हर कोई सुंदर दिखना चाहता है और लोगों की इसी चाहत की वजह से ब्यूटी कल्चर का कारोबार काफी बढ़ रहा है। यदि आप ऑफबीट करियर में कदम रखना चाहते हैं, तो ब्यूटी कल्चर से जुड़े कोर्स 10वीं और 12वीं के बाद भी कर सकते हैं।

इंस्टीट्यूट

- अहिमसा वूमन पॉलिटेक्निक, शंकर रोड, नई दिल्ली,
- लोयला इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, लोयला कॉलेज, चेन्नई

फैशन डिजाइनिंग

फैशन डिजाइनिंग का क्षेत्र काफी विस्तृत है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां कैरियर के लिए अपार गुंजाइश है। बदलते फैशन की समझ और नए डिजाइन क्रिएट करने की क्षमता आपको इस क्षेत्र में सफल बना सकती है। फैशन की दुनिया में जाने के लिए 10+2 के उपरांत फैशन से संबंधित किसी भी पाठ्यक्रम में एडमिशन ले सकते हैं। फैशन डिजाइनिंग से संबंधित संस्थान तीन वर्ष का डिगरी कोर्स करवाने के साथ-साथ कुछ शार्ट टर्म कोर्स भी करवाते हैं, जो छह महीने से लेकर एक साल तक के हैं। कोर्स पूरा करने के बाद फैशन टेक्नोलॉजी, स्टिचिंग ऑफ गारमेंट्स, गारमेंट टेक्नोलॉजी, अपैरल मर्चेंडाइजिंग को अपैरल कोआर्डिनेटर, रीटेलर, सेल प्रमोशन, फैशन फोटोग्राफी, ड्रेस ऐंड एक्सेसरी डिजाइनर, गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजिस्ट, निटवियर डिजाइनर, टेक्सटाइल आदि के तौर पर नौकरी मिल सकती है। अपैरल पैटर्न मेकिंग का कोर्स दसवीं कक्षा के बाद कर सकते हैं। इसकी अवधि चार से छह माह की है। कपड़ा मंत्रालय के तहत अपैरल एक्सपोर्ट काउंसिल के अंडर में भी अपैरल ट्रेनिंग एंड डिजाइन सेंटर से इस कोर्स को किया जा सकता है। फैशन टेक्नोलॉजी का कोर्स करने के बाद आपको सार्वजनिक व निजी क्षेत्र की गारमेंट कंपनियों, फैशन ब्राडों, टैक्सटाइल मिलों, फैशन संस्थानों में रोजगार मिल सकता है। स्वरोजगार के तौर पर रेडीमेट गार्मेंट बुटीक खोलकर भी कमाई की जा सकती है।

इंस्टीट्यूट

- नेशनल वोकेशनल ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट फॉर वुमेन, नोएडा।

इसके अलावा पॉलीटेक्नीक फॉर वूमेंस संस्थानों से भी ये कोर्स किए जा सकते हैं।

फुटवियर टेक्नोलॉजी ऐंड लेदर गुड्स मेकिंग

फुटवियर टेक्नोलॉजी या लेदर गुड्स में प्रशिक्षण हासिल करके बेहतर करियर बनाया जा सकता है। इसमें डिप्लोमा कोर्स के बाद अच्छी नौकरियां पाई जा सकती हैं। फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग और फुटवियर डिजाइनिंग एक्सपटर्स की मार्केट में काफी डिमांड है। किसी भी स्ट्रीम में बारहवीं पास युवा इन कोर्सेज में प्रवेश पा सकते हैं।

ज्वैलरी डिजाइनिंग

फैशन एसेसरीज में ज्वैलरी हमेशा से ही हॉट डिमांड में रही है। इस क्षेत्र में मुख्य काम ज्वेलरी मेकिंग, डिजाइनिंग आदि है। इसके अलावा, वैलरी डिजाइन, स्टोन कटिंग ऐंड इनेमलिंग, जेमोलॉजी कॉस्टिंग टेक्नोलॉजी, आईडेंटीफिकेशन ऑफ स्टोन ऐंड जेम्स आदि पाठ्यक्रम भी किए जा सकते हैं। इसमें रत्नों की शुद्धता मापने, रत्नों का चुनाव, मूल्य,काटने-तराशने का ज्ञान, कास्टिंग, सैटिंग, पॉलिशिंग, सोइंग तथा सोल्डरिंग आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बारहवीं है। कोर्स करने के बाद किसी भी ज्वैलरी कंपनी से जुडक़र काम की शुरुआत कर सकते हैं। इसकी पढ़ाई दिल्ली, जयपुर और नोएडा के अलावा कई शहरों में होती है।

इंटीरियर डिजाइनिंग

घर हो, दफ्तर, होटल या शोरूम, इनको डिफरेंट लुक देने का काम इंटीरियर डिजाइनर का होता है। इंटीरियर डिजाइनर स्थान की साज-स'जा के अलावा जगह का भी प्लान करता है। वे कस्टमर की रुचि, बजट तथा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पूरी रूपरेखा तैयार करते हैं। इसमें दीवार, फर्श, छत की स'जा, फर्नीचर और दूसरी सामग्रियों की जमावट, विंडो ट्रीटमेंट, लाइटिंग, विजुअल और साउंड इफेक्ट्स आदि शामिल होते हैं। एक अच्छा इंटीरियर डिजाइनर बनने के लिए कल्पनाशीलता और रचनात्मकता बेहद जरूरी गुण है। इंटीरियर डिजाइनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम योग्यता बारहवीं है। यूं तो इंटीरियर डिजाइनिंग में तीन साल के भी कोर्स हैं, लेकिन करियर बनाने के लिए आर्किटेक्चर में पांच वर्षीय डिगरी कोर्स बेहतर होता है। साइंस स्ट्रीम के बारहवीं पास स्टूडेंट्स इंटीरियर डिजाइनिंग के डिगरी पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं, जबकि कला स्ट्रीम के छात्र एक से दो साल का डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। अधिकांश शहरों के पॉलीटेक्निक और वोकेशनल ट्रेनिंग स्कूलों में ये कोर्स कराए जाते हैं। यह कोर्स करने के बाद विभिन्न इंटीरियर डिजाइनिंग संस्थानों, आर्किटेक्ट फर्म, कंसल्टेंसी फर्म या बिल्डर और कॉन्ट्रैक्टर के साथ काम कर सकते हैं। इसके अलावा बड़े होटलों, हॉस्पिटल्स, शॉपिंग मॉल या डिजाइन स्टूडियो और फर्नीचर स्टोर्स में डिजाइन कंसल्टेंट की जरूरत होती है। खुद का उद्यम भी शुरू कर सकते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर 'मिर्जापुर' का दबदबा: 4 दिनों में 100 करोड़ पार, 'हनुमान अंश' का चमत्कार जारी और 'टॉक्सिक' पड़ी सुस्त

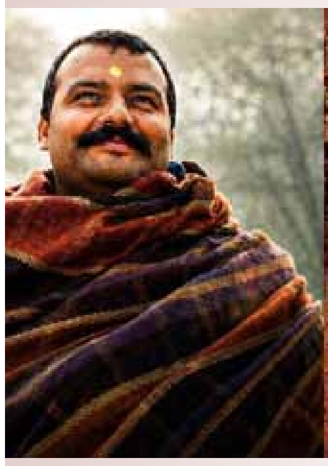

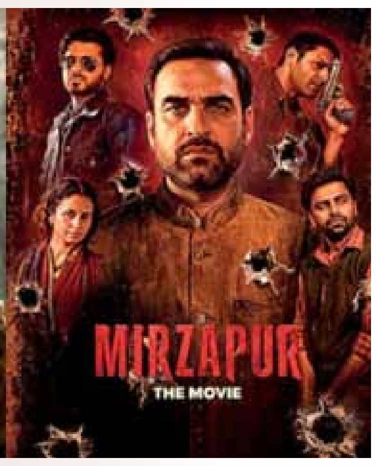

सिनेमाघरों में इन दिनों अलग-अलग शैलियों की फिल्मों के बीच दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल रहा है। एक तरफ जहां बड़े पर्दे पर उतरी 'मिर्जापुर: द मूवी' अपनी रिलीज के पहले दिन से ही दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है, वहीं दूसरी ओर छोटे बजट की फिल्म 'हनुमान अंश' अपने अनूठे कंटेंट के दम पर लगातार चौंकाने वाले आंकड़े दर्ज करा रही है। इन दोनों फिल्मों के शानदार प्रदर्शन के बीच दक्षिण भारतीय स्टार यश की बहुचर्चित फिल्म 'टॉक्सिक' की रफ्तार अब काफी धीमी पड़ती दिख रही है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपार सफलता हासिल करने के बाद बड़े पर्दे पर कदम रखने वाली अली फजल और पंकज त्रिपाठी की फिल्म 'मिर्जापुर: द मूवी' का क्रेज दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है। फिल्म ने अपने शुरुआती वीकेंड में ही बॉक्स ऑफिस पर अपनी जबरदस्त पकड़ साबित कर दी थी, और यह सिलसिला वर्किंग डेज यानी कारोबारी दिनों में भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। सैकनिल्क के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने अपने चौथे दिन (सोमवार) को भी दोहरे अंकों में कमाई करते हुए 16 करोड़ रुपये का शानदार कलेक्शन किया। किसी भी फिल्म के लिए पहले सोमवार की परीक्षा बेहद अहम मानी जाती है, और 'मिर्जापुर' ने इस कसौटी पर अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। शुरुआती तीन दिनों में यानी वीकेंड पर फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 93.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। चौथे दिन की कमाई मिलाकर फिल्म का कुल भारत में नेट कलेक्शन 109.75 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वहीं, फिल्म की कुल ग्रॉस कमाई 131.55 करोड़ रुपये हो चुकी है, जबकि वैश्विक स्तर पर फिल्म अब तक 154.05 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है। पुनीत कृष्णा द्वारा रचित और गन्स एंड गाड़ियों के इस रोमांचक सिनेमाई अवतार में दिव्येंदु शर्मा (मुन्ना भैया), रवि किशन, रसिका दुग्गल, अभिषेक बनर्जी और जितेंद्र कुमार जैसे दमदार कलाकारों का अभिनय दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में पूरी तरह सफल रहा है। जहाँ 'मिर्जापुर' अपने बड़े ब्रांड नेम और स्टार पावर के दम पर कमाई के नए रिकॉर्ड बना रही है, वहीं निर्देशक विशाल चतुर्वेदी की फिल्म 'हनुमान अंश' बॉक्स ऑफिस की सबसे बड़ी 'सरप्राइज हिट' बनकर उभरी है। महज 2 करोड़ रुपये के बेहद मामूली बजट में बनी इस फिल्म में कोई बड़ा स्टार नहीं है, फिर भी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर एक महीने से भी ज्यादा समय से मजबूती से टिकी हुई है।

रिलीज के एक महीने बाद भी फिल्म की रफ्तार कम नहीं हुई है। फिल्म ने अपने 32वें दिन 10 करोड़ रुपये का हैरतअंगेज कलेक्शन दर्ज किया। लगातार बेहतरीन वर्ड-ऑफ-माउथ का फायदा उठाते हुए 'हनुमान अंश' का कुल घरेलू कलेक्शन 132.13 करोड़ रुपये हो गया है। यह फिल्म इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि यदि कहानी में गहराई और दर्शकों से जुड़ाव हो, तो बिना भारी-भरकम प्रचार और स्टार पावर के भी बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचा जा सकता है। दूसरी ओर, सुपरस्टार यश की बड़े बजट वाली बहुप्रतीक्षित फिल्म 'टॉक्सिक' के लिए बॉक्स ऑफिस पर राहें अब मुश्किल होती दिख रही हैं। शुरुआती दिनों में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद, अब रिलीज के दूसरे हफ्ते के अंत तक आते-आते फिल्म की कमाई में भारी गिरावट दर्ज की गई है। फिल्म अपने 13वें दिन बॉक्स ऑफिस पर केवल 66 लाख रुपये का ही कारोबार कर सकी। इस धीमी रफ्तार के बाद फिल्म का कुल नेट कलेक्शन अब तक 246.41 करोड़ रुपये पर पहुंच पाया है।

सुस्त पड़ी यश की 'टॉक्सिक' की रफ्तार

'मिर्जापुर : द मूवी' की आंधी और 'हनुमान अंश' की मजबूत पकड़ के सामने 'टॉक्सिक' का टिकना मुश्किल साबित हो रहा है, और आने वाले दिनों में इसके आंकड़े और नीचे जाने की आशंका जताई जा रही है। वर्तमान रुझानों को देखते हुए यह साफ है कि आने वाले दिनों में 'मिर्जापुर : द मूवी' कई और बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर सकती है, वहीं 'हनुमान अंश' का यह सुनहरा सफर भारतीय सिनेमा में लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

बॉलीवुड की हॉटनेस क्वीन पूनम पांडे का फिर चला जादू, सिल्वर शिमरी अवतार में ढाया ढाह; सिजलिंग फोटोशूट की तस्वीरें वायरल

अपनी बेबाक अदाओं, बिंदास मिजाज और बोल्ड फैशन चॉइस से हमेशा सुर्खियों में रहने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री और मॉडल पूनम पांडे ने एक बार फिर इंटरनेट का पारा चढ़ा दिया है। फैशन वर्ल्ड और ग्लैमर इंडस्ट्री में अपने नए-नए लुक्स से तहलका मचाने वाली पूनम ने हाल ही में अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ बेहद सिजलिंग और ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के साथ साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका अंदाज इतना कातिलाना है कि फैंस की निगाहें उनसे हट ही नहीं रही हैं। हालिया फोटोशूट के लिए पूनम पांडे ने एक बेहद खूबसूरत सिल्वर शिमरी स्ट्रैपलेस गाउन का चुनाव किया। यह आउटफिट पूरी तरह से बारीक सेक्विन और मैटेलिक शिमर वर्क से सजा हुआ है, जो कैमरे की लाइट्स और फ्लैश के बीच एक जबरदस्त स्पार्कलिंग इफेक्ट पैदा कर रहा है। ड्रेस की फिटिंग और कट-आउट्स पूनम के परफेक्ट बॉडी फिगर को बेहद खूबसूरती से उभार रहे हैं। ड्रेस के डिजाइन की बात करें तो इसका अपर हाफ ट्यूब पैटर्न में तैयार किया गया है, जिसमें प्लंजिंग नेकलाइन दी गई है। बस्ट एरिया पर बारीक क्रिस्टल एम्ब्रॉयडरी का जो काम किया गया है, वह इस पूरी ड्रेस को एक लग्जरी और एलिगेंट टच दे रहा है। पूनम पांडे की इस ड्रेस का सबसे बड़ा अट्रैक्शन इसका हाई-थाई स्लिट कट है। इस रिवीलिंग स्लिट के जरिए अभिनेत्री अपने टोंड लेग्स को बेहद कॉन्फिडेंस के साथ फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। उनका यह अवतार उनके ओवरऑल स्टाइल में एक जबरदस्त बोल्ड और सेंसेशनल तड़का लगा रहा है। पूनम का यह लुक साबित करता है कि जब बात बोल्ड फैशन को ग्रेसफुली कैरी करने की आती है, तो उनका कोई मुकाबला नहीं है। इतने हैवी और स्पार्कलिंग आउटफिट के साथ पूनम और उनकी स्टाइलिंग टीम ने एक्सेसरीज को बेहद सिंपल और क्लासिक रखा है। उन्होंने अपने लुक को ओवरपावर करने के बजाय एक बारीक सिंगल-लाइन डायमंड चोकर नेकलेस चुना। कानों में उन्होंने मैचिंग डायमंड ड्रॉप इयररिंग्स पहने और उंगलियों में स्टेटमेंट डायमंड रिंग्स कैरी कीं। ज्वेलरी का यह मिनिमल चुनाव उनके सिल्वर आउटफिट को निखारने का काम कर रहा है और लुक को एक रॉयल टच दे रहा है। ब्यूटी और मेकअप की बात करें तो पूनम ने इस बार ट्रेंडिंग सॉफ्ट न्यूड ग्लैम लुक को प्राथमिकता दी है। परफेक्ट हाइलाइटेड चीकबोन्स और फ्लॉलेस बेस के साथ उनकी स्किन एकदम ग्लोइंग और फ्रेश दिख रही है। न्यूड लिपस्टिक और स्मोकी आई टच के साथ उनका चेहरा काफी अट्रैक्टिव लग रहा है। बालों को उन्होंने साइड-पार्टिंग स्टाइल में सॉफ्ट वेवी कर्ल्स के साथ खुला छोड़ा है, जो हवा में लहराते हुए उनके पोजेस को और भी ज्यादा ड्रामेटिक बना रहे हैं। शेयर की गई तस्वीरों में पूनम पांडे का आत्मविश्वास और उनके फेशियल एक्सप्रेशन सबसे ज्यादा ध्यान खींचते हैं। किसी फ्रेम में वह अपनी आंखें बंद करके कैमरे के सामने सिजलिंग पोज देती दिख रही हैं, तो किसी तस्वीर में वह कैमरे में सीधी और तीखी नजरों से देख रही हैं। उनकी हर एक अदा और कातिलाना नजरें फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ाने के लिए काफी हैं। पूनम पांडे द्वारा ये तस्वीरें पोस्ट करते ही सोशल मीडिया पर कमेंट्स और लाइक्स की बाढ़ आ गई है। फैंस उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं। कोई उन्हें 'ग्लैमर क्वीन' कह रहा है तो कोई उनके इस लुक को 'फायर' और 'हॉटेस्ट एवर' बता रहा है। फैशन एक्सपर्ट्स का भी मानना है कि पूनम का यह लुक आने वाले रेड कार्पेट इवेंट्स के लिए एक बेहतरीन फैशन इंस्पिरेशन साबित हो सकता है।

'थुडक्कम अब ओटीटी पर होगी रिलीज, 18 सितंबर से जियो हॉटस्टार पर देख सकेंगे दर्शक

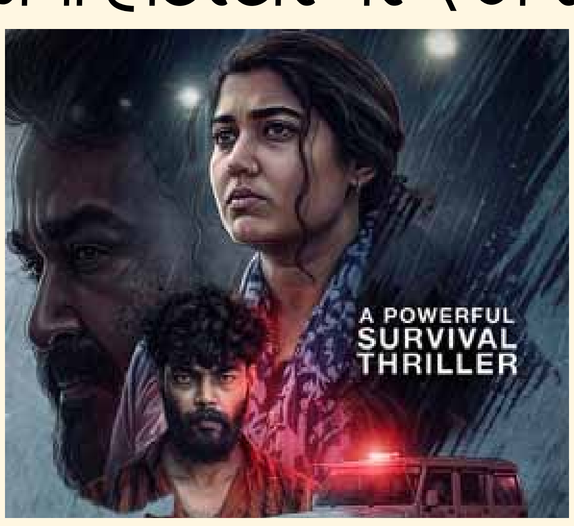

मलयालम सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मोहनलाल की बेटी विस्मया मोहनलाल ने फिल्म 'थुडक्कम से बड़े पर्दे पर अभिनय की शुरुआत की है। जूड एंथनी जोसेफ के निर्देशन में बनी यह मलयालम एक्शन-थ्रिलर फिल्म सिनेमाघरों में दर्शकों का ध्यान खींचने में सफल रही। फिल्म में विस्मया ने मुख्य भूमिका निभाई है, जबकि मोहनलाल भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आए हैं। अब सिनेमाघरों के बाद यह फिल्म ओटीटी मंच पर दस्तक देने जा रही है। 'थुडक्कम 7 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म के निर्माताओं ने अब इसके डिजिटल प्रदर्शन की तारीख की आधिकारिक घोषणा कर दी है। फिल्म 18 सितंबर 2026 से जियो हॉटस्टार पर प्रसारित होगी। ओटीटी मंच ने अपने आधिकारिक सामाजिक माध्यम खाते के जरिए फिल्म की रिलीज की जानकारी साझा की है। ऐसे दर्शक जो 'थुडक्कम को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए थे, वे अब घर बैठे फिल्म का आनंद ले सकेंगे। फिल्म में विस्मया मोहनलाल ने मीनू नाम की युवती का किरदार निभाया है, जो मार्शल आर्ट्स में प्रशिक्षित है। कहानी मीनू के इर्द-गिर्द घूमती है। उसकी जिंदगी में उस समय अप्रत्याशित मोड़ आता है, जब वह स्कूल की दो लड़कियों को सुरक्षित उनके घर पहुंचाने में मदद करती है। शुरुआत में यह एक सामान्य और मददगार काम दिखाई देता है, लेकिन यही घटना मीनू को एक खतरनाक पीछा करने वाले व्यक्ति की नजर में ला देती है। इसके बाद उसकी जिंदगी में खतरे और तनाव बढ़ने लगते हैं। फिल्म में इसी घटनाक्रम के साथ रोमांच और कार्रवाई को आगे बढ़ाया गया है। 'थुडक्कम में आशीष जो एंटनी ने खलनायक की भूमिका निभाई है। फिल्म में नाटकीय घटनाओं के साथ कई प्रभावशाली कार्रवाई दृश्यों को भी शामिल किया गया है। विस्मया ने अपने किरदार के लिए मार्शल आर्ट्स से जुड़े दृश्यों को निभाया है, जो फिल्म का प्रमुख आकर्षण हैं। मोहनलाल भी इस फिल्म में एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आए हैं। उनकी मौजूदगी ने फिल्म को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी और बढ़ाई। फिल्म का निर्देशन जूड एंथनी जोसेफ ने किया है, जबकि इसकी कहानी लिनीश नेलिकल ने लिखी है। सिनेमाघरों में प्रदर्शन के बाद अब फिल्म के ओटीटी मंच पर आने से इसकी पहुंच और अधिक दर्शकों तक होने की उम्मीद है। 'थुडक्कम की डिजिटल रिलीज 18 सितंबर 2026 को होगी।

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की 'हैवान को मिला यूए 16+ प्रमाणपत्र

11 सितंबर को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

निर्देशक प्रियदर्शन की बहुप्रतीक्षित सस्पेंस अपराध-रोमांचक फिल्म 'हैवान अब प्रदर्शन के लिए तैयार है। अक्षय कुमार और सैफ अली खान अभिनीत इस फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने 'यूए 16+ प्रमाणपत्र दिया है। इसका मतलब है कि 16 वर्ष से कम उम्र के दर्शकों के लिए फिल्म देखने पर अभिभावकीय मार्गदर्शन आवश्यक होगा। फिल्म का निर्माण केवीएन प्रोडक्शन ने किया है। निर्माताओं की ओर से फिल्म को प्रमाणन के लिए केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के समक्ष पेश किया गया था, जहां जांच के बाद इसे प्रदर्शन की मंजूरी दे दी गई। फिल्म समीक्षक तरण आदर्श की ओर से साझा की गई जानकारी के मुताबिक, 'हैवान को 'यूए 16+ प्रमाणपत्र के साथ मंजूरी मिली है। फिल्म की कुल अवधि 164 मिनट 7 सेकंड, यानी करीब 2 घंटे 44 मिनट 7 सेकंड है। फिल्म की कहानी अपराध, रहस्य और रोमांच से भरपूर बताई जा रही है। इसमें अक्षय कुमार और सैफ अली खान पहली बार एक अलग तरह के किरदारों में नजर आने वाले हैं। 'हैवान में अक्षय कुमार एक मनोरोगी हत्यारे की भूमिका निभा रहे हैं। उनका किरदार फिल्म की कहानी में रहस्य और रोमांच को बढ़ाने वाला है। वहीं सैफ अली खान एक दृष्टिहीन मार्शल आर्ट प्रशिक्षित व्यक्ति के किरदार में दिखाई देंगे। सैफ के किरदार पर एक छोटी बच्ची की परवरिश की जिम्मेदारी है। कहानी में बच्ची और उसके इर्द-गिर्द पैदा होने वाली परिस्थितियां दोनों मुख्य किरदारों के बीच संघर्ष को महत्वपूर्ण मोड़ देती हैं। फिल्म में अक्षय कुमार और सैफ अली खान के अलावा बोमन ईरानी, सैयामी खेर और श्रिया पिलगांवकर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस फिल्म से दर्शकों को अपराध और रोमांच से भरपूर कहानी की उम्मीद है। 'हैवान 11 सितंबर को देशभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। फिल्म को 16 वर्ष से अधिक उम्र के दर्शकों के लिए प्रमाणित किए जाने के बाद अब इसके प्रदर्शन का रास्ता साफ हो गया है। अक्षय कुमार और सैफ अली खान के अलग तरह के किरदारों के कारण फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बनी हुई है।

त्वचा के लिए फायदेमंद है ड्राई ब्रशिंग, जानिए इससे मिलने वाले 5 फायदे

ड्राई ब्रशिंग एक ऐसी तकनीक है, जो त्वचा की देखभाल में मदद करती है। इसमें सूखे ब्रश से त्वचा को हल्के हाथों से रगड़ा जाता है। यह प्रक्रिया शरीर में खून के बहाव को बढ़ाती है और त्वचा को ताजगी देती है। यह शरीर से जहरीले तत्वों को बाहर निकालने में भी मदद करती है। ड्राई ब्रशिंग से त्वचा पर निखार आता है और वह मुलायम बनती है। आइए जानते हैं कि ड्राई ब्रशिंग के 5 प्रमुख फायदे क्या हैं। ड्राई ब्रशिंग से त्वचा की सतह पर हल्की-हल्की रेखाएं बनती हैं, जो खून के बहाव को बढ़ाने में मदद करती हैं। जब आप सूखे ब्रश से अपनी त्वचा को रगड़ते हैं तो इससे खून की नसों में बहाव तेज होता है। इस प्रक्रिया से त्वचा को अधिक ऑक्सीजन और जरूरी पोषण मिलता है, जिससे वह स्वस्थ और चमकदार दिखती है। त्वचा की कोशिकाओं तक पोषण पहुंचने से उसकी ताजगी बनी रहती है और वह अधिक निखरी हुई लगती है। ड्राई ब्रशिंग त्वचा पर जमा मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने में मदद करती है। हमारी त्वचा पर हर दिन मृत त्वचा कोशिकाओं की परत बनती रहती है, जिसे हटाना जरूरी होता है, ताकि नई और स्वस्थ कोशिकाएं बन सकें। सूखे ब्रश से रगडऩे पर ये मृत त्वचा कोशिकाएं आसानी से निकल जाती हैं और त्वचा साफ और निखरी हुई लगती है। यह प्रक्रिया त्वचा को मुलायम और चमकदार बनाती है। ड्राई ब्रशिंग शरीर में मौजूद जहरीले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करती है। यह शरीर की सफाई करने वाले तंत्र को सक्रिय करती है, जो हमारे शरीर को अंदर से साफ रखने का काम करता है। सूखे ब्रश से त्वचा को रगडऩे पर खून का बहाव तेज होता है, जिससे जहरीले तत्व आसानी से शरीर से बाहर निकलते हैं। इससे त्वचा को ताजगी मिलती है और वह अधिक स्वस्थ दिखती है। ड्राई ब्रशिंग न केवल त्वचा पर असर डालती है, बल्कि यह मानसिक तनाव को भी कम करने में मदद करती है। जब आप नियमित रूप से ड्राई ब्रशिंग करते हैं तो यह प्रक्रिया आपके मन को शांत करती है और आपको अधिक आराम महसूस होता है। यह आपकी दिनचर्या का हिस्सा

बनकर आपके जीवन में ताजगी लाती है। यह न केवल त्वचा को निखारती है, बल्कि आपके मूड को भी बेहतर बनाती है। ड्राई ब्रशिंग से त्वचा की बनावट में सुधार होता है। जब आप सूखे ब्रश से त्वचा को रगड़ते हैं तो इससे त्वचा की सतह पर मौजूद गंदगी और तेल हट जाते हैं। यह प्रक्रिया त्वचा को साफ और मुलायम बनाती है। साथ ही, त्वचा पर निखार आता है, जिससे वह प्राकृतिक रूप से चमकदार दिखती है। ड्राई ब्रशिंग से त्वचा पर नमी बनी रहती है और उसकी ताजगी लंबे समय तक बनी रहती है। ड्राई ब्रशिंग एक प्राचीन और प्रभावी तकनीक है, जो त्वचा की देखभाल में अद्भुत मदद करती है। इसमें सूखे ब्रश से त्वचा को हल्के हाथों से रगड़ा जाता है। यह प्रक्रिया शरीर में खून के बहाव को बढ़ाती है और त्वचा को ताजगी देती है। यह शरीर से जहरीले तत्वों को बाहर निकालने में भी मदद करती है। इससे त्वचा पर निखार आता है, वह मुलायम बनती है और मानसिक तनाव कम होता है। ड्राई ब्रशिंग न केवल त्वचा की ऊपरी सतह को साफ करती है, बल्कि यह शरीर के लिंफेटिक सिस्टम (लसीका तंत्र) को भी उत्तेजित करती है। जब आप पैर के तलवों से शुरू करके हृदय की दिशा में ब्रश को हल्के हाथों से घुमाते हैं, तो शरीर का प्राकृतिक डिटॉक्सिफिकेशन तंत्र तेजी से काम करने लगता है। इससे जमा हुए विषाक्त पदार्थ और अतिरिक्त तरल पदार्थ बाहर निकल जाते हैं, जिससे शरीर में हल्कापन और ऊर्जा का अहसास होता है। इसके अलावा, यह तकनीक बंद रोमछिद्रों (pores) को खोलने में काफी मददगार है। जब रोमछिद्र साफ रहते हैं, तो त्वचा सांस ले पाती है और पिंपल्स या ब्लैकहेड्स जैसी समस्याएं दूर रहती हैं। नियमित ड्राई ब्रशिंग से सेल्युलाइट (त्वचा के नीचे जमा वसा) की उपस्थिति भी कम दिखने लगती है क्योंकि यह वसा के जमाव को समान रूप से बांटने में मदद करती है।

यूएस ओपन में बेन शेल्टन ने किया बड़ा उलटफेर, सात बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्कराज को हराया

एजेंसी, न्यूयॉर्क

बेन शेल्टन ने बुधवार तड़के बड़ा उलटफेर करते हुए गत चैंपियन स्पेन के कार्लोस अल्कराज को पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में 6-7(5), 6-1, 6-3, 1-6, 7-6(10-7) से हराकर यूएस ओपन 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। इसके साथ ही अमेरिकी खिलाड़ी ने फ्रांसेस टियाफोए के खिलाफ ऑल-अमेरिकन सेमीफाइनल तय कर दिया। शेल्टन और अल्कराज के बीच मुकाबला चार घंटे 28 मिनट चला और टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे देर से समाप्त होने वाला मुकाबला बन गया। मैच मंगलवार रात 11 बजकर पांच मिनट पर शुरू हुआ और बुधवार सुबह 3 बजकर 33 मिनट पर समाप्त हुआ।

सात बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्कराज का ग्रैंड स्लैम मुकाबलों में अमेरिकी पुरुष खिलाड़ियों के खिलाफ रिकॉर्ड 13-0 था, लेकिन शेल्टन ने इस सिलसिले को तोड़ दिया। स्पेनिश खिलाड़ी ने पहला सेट कड़े टाईब्रेक में जीतकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन दूसरे सेट में उनकी गलतियों का फायदा उठाते हुए शेल्टन ने 6-1 से सेट अपने नाम कर लिया। शेल्टन ने तीसरा सेट 6-3 से जीतकर मुकाबले में बढ़त बना ली। हालांकि, करीब पांच महीने बाद कलाई की चोट से वापसी कर रहे अल्कराज ने चौथे सेट में शानदार वापसी की और 6-1 से सेट जीतकर मुकाबला निर्णायक पांचवें सेट में पहुंचा दिया।

निर्णायक सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। अल्कराज ने ब्रेक के दौरान तौलिये में उल्टी भी की, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने शेल्टन को कड़ी चुनौती दी। दोनों खिलाड़ी 12 गेम तक बराबरी पर रहे और अंत में शेल्टन ने मैच टाईब्रेक में 10-7 से जीत दर्ज कर बड़ा उलटफेर कर दिया। शेल्टन की जीत से यूएस ओपन में अमेरिकी पुरुष टेनिस के लिए उम्मीदें बढ़ गई हैं। सेमीफाइनल में उनका सामना हमवतन फ्रांसेस टियाफोए से होगा, जिन्होंने इससे पहले एलेक्स माइकलसन को पांच सेटों में हराकर अंतिम चार में जगह बनाई थी। अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी ने आखिरी बार 2003 में एंडी रॉडिक के जरिये फ्लशिंग मीडोज में ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। अब शेल्टन और टियाफोए की भिड़ंत से घरेलू प्रशंसकों की 23 साल से चले आ रहे इंतजार को खत्म करने की उम्मीदें फिर मजबूत हुई हैं।

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए भारत ए टीम घोषित, देवदत्त पडिक्कल और गायकवाड़ को मिली कप्तानी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की पुरुष चयन समिति ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ आगामी घरेलू सीरीज के लिए भारतीय ए टीम की घोषणा कर दी है। पुडुचेरी में होने वाली इस सीरीज में दो बहुदिवसीय और तीन एकदिवसीय मुकाबले खेले जाएंगे। बहुदिवसीय मुकाबलों के लिए भारत ए टीम में अमन मोखाड़े, आयुष पांडे, देवदत्त पडिक्कल (कप्तान), साई सुदर्शन (उपकप्तान), यश राठौड़, शेख रशीद, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुश कोटियन, तुषार देशपांडे, अंशुल कंबोज, प्रफुल हिंगे, एन जगदीशन (विकेटकीपर), नचिकेत भुटे और वी. व्यासक को शामिल किया गया है। एकदिवसीय टीम की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ को सौंपी गई है, जबकि देवदत्त पडिक्कल उपकप्तान होंगे। टीम में प्रियंश आर्या, साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, विप्रज निगम, अर्शिन कुलकर्णी, अर्शद खान, नमन धीर, हार्दिक पांड्या, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), गुरजपनीत सिंह और यश ठाकुर शामिल हैं। हार्दिक पांड्या और वी. व्यासक का चयन फिटनेस क्लीयरेंस के अधीन है। भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच पहला बहुदिवसीय मुकाबला 22 से 25 सितंबर तक पुडुचेरी में खेला जाएगा। दूसरा बहुदिवसीय मैच 29 सितंबर से 2 अक्टूबर तक होगा। इसके बाद तीन एकदिवसीय मुकाबले 6, 9 और 11 अक्टूबर को पुडुचेरी में खेले जाएंगे।

भारत ए बहुदिवसीय टीमः अमन मोखाड़े, आयुष पांडे, देवदत्त पडिक्कल (कप्तान), साई सुदर्शन (उपकप्तान), यश राठौड़, शेख रशीद, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुश कोटियन, तुषार देशपांडे, अंशुल कंबोज, प्रफुल हिंगे, एन जगदीशन (विकेटकीपर), नचिकेत भुटे, वी. व्यासक।

भारत ए एकदिवसीय टीमः प्रियांश आर्या, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल (उपकप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), रजत पाटीदार, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, विप्रज निगम, अर्शिन कुलकर्णी, अर्शद खान, नमन धीर, हार्दिक पांड्या, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), गुरजपनीत सिंह, यश ठाकुर।

इमरान के समर्थन में उतरे अकरम , बिगड़ती सेहत पर चिन्ता जतायी

एजेंसी, लाहौर

दुनिया भर के शीर्ष क्रिकेटरों के आवाज उठाने के बाद अब पाकिस्तानी खिलाड़ी भी जेल में बंद पूर्व कप्तान इमरान खान के समर्थन में सामने आने लगे हैं इसी कड़ी में अब पाक के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने इमरान की बिगड़ती सेहत पर चिन्ता जतायी है। अकरम ने भावुक होते हुए कहा कि उन्हें इमरान की बहुत याद आती है साथ ही कहा कि उनकी सेहत के मामले में किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। अकरम ने कहा कि उनकी पिछले तीन साल से इमरान से बात

तक नहीं हो पायी है। उन्होंने कहा कि इमरान के साथ राजनीतिक तौर पर जो कुछ हो रहा है वह सही नहीं है। उनपर जो मामले हैं उन्हें अदालत देख रही है पर जहां तक इमरान की व्यक्तिगत सेहत का सवाल है, उसमें कोई समझौता नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि पाकिस्तान को 1992 विश्व कप जिताने वाले कप्तान इमरान खान को भ्रष्टाचार के कई मामलों में दोषी ठहराया गया है और वे साल 2022 से ही जेल में बंद हैं। हालांकि इमरान लगातार अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार करते रहे हैं। पाक में सरकार के डर से अब तक कुछ ही पूर्व क्रिकेटर उनके समर्थन में सामने आये हैं पर अब ये संख्या बढ़ रही है। पिछले सप्ताह, वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा ने भी इमरान को उचित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने की मांग करने वाले पूर्व अंतरराष्ट्रीय कप्तानों की मुहिम में शामिल हुए थे।

रॉकबाल खेल में बांदा के खिलाड़ियों ने किया दमदार प्रदर्शन, यूपी टीम बनी राष्ट्रीय उपविजेता

एजेंसी, बांदा

रॉकबाल के खेल में बांदा ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान दर्ज कराई है। तेलंगाना के मेडक जिले में 6 से 8 सितंबर तक आयोजित 10वीं सीनियर राष्ट्रीय रॉकबाल चैंपियनशिप में भागवत प्रसाद मेमोरियल एकेडमी, बांदा के खिलाड़ियों के खेल से उत्तर प्रदेश की टीम ने प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया और राष्ट्रीय स्तर पर उपविजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की टीम ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान बेहतरीन खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का परिचय दिया। टीम के खिलाड़ियों ने विभिन्न मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में भागवत प्रसाद मेमोरियल एकेडमी, बांदा के खिलाड़ियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह टीम बांदा मिनी ओलम्पिक में प्रतिभाग करने के बाद राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए रवाना हुई थी। बांदा मिनी ओलम्पिक के माध्यम से खिलाड़ियों को मिले प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव का लाभ राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भी देखने को मिला। राष्ट्रीय उपविजेता उत्तर प्रदेश टीम में भागवत प्रसाद मेमोरियल एकेडमी, बां दा के खिलाड़ियों ने

प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। टीम में शामिल प्रमुख खिलाड़ी हैं।रिजवान खान कप्तान,इरफान खान,सोहेल नसरत खान,आफताब खान,आकाश कुमार,हर्ष वर्धन शामिल है। इन खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन ने न केवल अपनी एकेडमी बल्कि पूरे बांदा जनपद का गौरव बढ़ाया है। एकेडमी के संचालक अंकित कुशवाहा ने बताया कि खिलाड़ी निरंतर अभ्यास और मेहनत के बल पर लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस उपलब्धि पर जिला ओलंपिक एसोसिएशन बांदा के प्रेसिडेंट रामेंद्र शर्मा, महासचिव डा. इन्द्रवीर सिंह, मीडिया प्रभारी सुनील सक्सेना, जिला वालीबाल एसोसिएशन बांदा के सचिव शिवकुमार गुप्ता, संयुक्त सचिव महेश प्रसाद गर्ग, जिला कबड्डी एसोसिएशन बाँदा के अध्यक्ष अंकित कुशवाहा, सचिव कमल सिंह यादव, रामकुमार यादव, मध्य प्रदेश वालीबाल रेफरी बोर्ड के टेक्निकल चेयरमैन रमेश बाबू विद्यार्थी, पूर्व जिला क्रीड़ा अधिकारी सबल सिंह, नरेन्द्र पाठक, प्रमोद कुमार, विक्रम कुमार, राहुल शुक्ला, शिवप्रताप सिंह चंदेल तथा आदर्श बजरंग इंटर कॉलेज के खेल शिक्षक रमेश चंद्र ने उत्तर प्रदेश टीम के सभी खिलाड़ियों, कोच एवं भागवत प्रसाद मेमोरियल एकेडमी की पूरी टीम को हार्दिक बधाई दी है।

बिजनेस

निसान मोटर इंडिया ने दिल्ली-एनसीआर में किया नेटवर्क का विस्तार, मथुरा रोड पर खुला नया शोरूम

एजेंसी, नई दिल्ली

वाहन निर्माता कंपनी निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने बुधवार को मथुरा रोड पर अत्याधुनिक ब्राइट निसान शोरूम का उद्घाटन करके दिल्ली-एनसीआर में अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। इस मौके पर निसान मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक सौरभ वत्स ने कहा, 'निसान में हमारे हर कदम के केंद्र में ग्राहक होते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली-एनीसआर के ग्राहकों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण लोकेशन पर यह नया शोरूम खोला गया है, जिससे इस प्रमुख ऑटोमोटिव मार्केट में निसान की मौजूदगी मजूबत होगी। उन्होंने कहा कि यह कदम पूरे भारत के प्रमुख बाजारों में ग्राहकों तक पहुंचने एवं उन्हें बेहतरीन अनुभव देने की दिशा में निसान इंडिया के मौजूदा प्रयासों के अनुरूप है। निसान मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक ने कहा कि यह आधुनिक शोरूम 7 हजार वर्ग फीट में बना है और यहां 8 कारें डिस्प्ले करने की क्षमता है। यह

नेटवर्क विस्तार की निसान इंडिया की प्रतिबद्धता के तहत सितंबर में दिल्ली-एनसीआर में खोले जा रहे 13 नए टचपॉइंट्स में से एक है। वत्स ने आगे कहा कि इस अत्याधुनिक आउटलेट में उच्च गुणवत्ता की सुविधाएं दी गई हैं और जानकार, प्रशिक्षित एवं उत्साही सेल्स एंड सर्विस प्रोफेशनल्स नियुक्त किए गए हैं। यह आउटलेट ग्राहकों को प्रीमियम ऑनरशिप एक्सपीरियंस एवं शानदार ग्राहक वैल्यू देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि हम अपने लोगों, भागीदारों, नेटवर्क, डाटा क्षमताओं और ग्राहकों से सीधे जुड़ने वाला प्लेटफॉर्म में लगातार निवेश कर रहे हैं, जिससे निसान के बेहतरीन सेल्स एवं सर्विस के वादे को पूरा किया जा सके। इस सेगमेंट में 57 फीसदी की बाजार हिस्सेदारी रखने वाली तीन कार लाइन के साथ ग्राहकों को केंद्र में रखने वाले इस नेटवर्क से भारत में निसान के विकास को गति मिलेगी। सौरभ वत्स ने कहा कि भारत में अपने कारोबार को विस्तार देने के क्रम में निसान ने दिल्ली-एनसीआर में नेटवर्क को करीब दोगुना करते हुए 24 टचपॉइंट्स तक पहुंचा दिया है, इससे पूरे क्षेत्र में ग्राहकों का अनुभव बेहतर होगा और निसान की गाड़ियों तक पहुंच आसान होगी। ब्राइट निसान के डीलर प्रिंसिपल प्रशांत लूथरा ने बताया, 'मथुरा रोड पर नए शोरूम खोलकर दिल्ली-एनसीआर में ब्रांड की मौजूदगी बढ़ाने के लिए निसान मोटर इंडिया के साथ साझेदारी करने का हमें गर्व है। यह डीलरशिप ग्राहकों को विश्व स्तरीय रिटेल एवं सर्विस एक्सपीरियंस देने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिसे निसान के मजबूत प्रोडक्ट पोर्टफोलियो एवं ग्राहकों को प्राथमिकता देने की रणनीति से मदद मिली है। हम बेहतरीन सेल्स एवं आफ्टर-सेल्स सपोर्ट के साथ दिल्ली एनसीआर के ग्राहकों को सर्विस देने के लिए तैयार हैं।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में आज लगातार भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 1,120 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1,420 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,540 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की बढ़ोतरी हो गई है। भाव में बदलाव होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,360 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,42,410 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला एलसीसी प्रोजेक्ट्स का आईपीओ, पहले दिन ही हुआ फुली सब्सक्राइब

एजेंसी, नई दिल्ली

सिंचाई और वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट्स के लिए इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन सर्विस देने वाली कंपनी एलसीसी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड का 427.14 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 11 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 15 सितंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 16 सितंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 17 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद शाम 3:45 बजे तक यह आईपीओ 1.19 गुना सब्सक्राइब हो चुका था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 139 रुपये से लेकर 146 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 102 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 102 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,892 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,93,596 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 1,326 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2,92,56,232 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इनमें लगभग 258 करोड़ रुपये के 1,76,71,232 नए शेयर जारी किये जा रहे हैं, जबकि लगभग 169 करोड़ रुपये के 1,15,85,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है।

इस इश्यू के लिए मोतीलाल ओसवाल इनवेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। एलसीसी प्रोजेक्ट्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 122 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 223.63 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 286.44 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 2,449.79 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 2,941.01 करोड़ रुपये और 2025-26 में उछल कर 3,639.45 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ भी लगातार बढ़ता चला गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 422.30 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 649.55 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अगले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस वित्त वर्ष के दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ उछल कर 860.65 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

घर के फर्नीचर किराये पर देने वाली कंपनी का आईपीओ लॉन्च, दिन खत्म होने के पहले ही हो गया फुली सब्सक्राइब

एजेंसी, नई दिल्ली

अपने ग्राहकों को घर के फर्नीचर और अप्लायंसेज किराये पर देने वाली कंपनी रेंटोमोजो का 1,255.57 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 11 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 15 सितंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 16 सितंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 17 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर

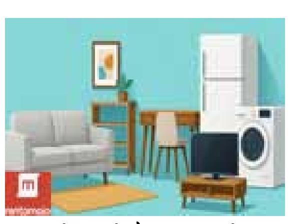

लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद शाम 3:30 बजे तक यह आईपीओ 1.08 गुना सब्सक्राइब हो चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 384 रुपये से लेकर 404 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 37 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 37 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,948 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,94,324 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 481 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 3,10,80,978 शेयर जारी किए जा रहे हैं। इनमें लगभग 150 करोड़ रुपये के 37,15,449 नए शेयर जारी किये जा रहे हैं, जबकि लगभग 1,106 करोड़ रुपये के 2,73,65,529 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं।

एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी का आईपीओ लॉन्च, 11 सितंबर तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी, नई दिल्ली। बैंकों के एनपीए का निपटारा करने, एनपीए के एवज में धरोहर रखी गई परिसंपत्तियों का निपटारा कर कर्ज का पुनर्गठन कराने जैसा काम करने वाली कंपनी एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (इंडिया) लिमिटेड (आर्सिल) का 732.97 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 11 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 15 सितंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 16 सितंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 17 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद शाम तीन बजे तक यह आईपीओ 30 प्रतिशत सब्सक्राइब हो चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 132 रुपये से लेकर 139 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 107 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 107 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,873 रुपये का निवेश करना होगा।

बीओसीडब्ल्यू पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 11 सितंबर से मुंबई में, डॉ. मांडविया करेंगे अध्यक्षता

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया भवन और अन्य निर्माण श्रमिकों (बीओसीडब्ल्यू) पर 11-12 सितंबर को मुंबई में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। दो दिवसीय इस सम्मेलन में केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और बीओसीडब्ल्यू कल्याण बोर्ड एक साथ आएंगे। इस दो दिवसीय सम्मेलन में पिछले साल नवंबर में नई दिल्ली में हुए राष्ट्रीय श्रम

सम्मेलन में शुरू की गई तीन प्रमुख पहलों, राज्य श्रम निगम कार्यालय (बीओसीडब्ल्यू) डिजिटल लेबर चौक, लेबर चौक-सह-सुविधा केंद्र और ऑनलाइन बीओसीडब्ल्यू उपकर संग्रह पोर्टल पर हुई प्रगति की समीक्षा की जाएगी। इन पहलों का उद्देश्य रोजगार सुविधा को सुदृढ़ करना, अधिक सम्मानजनक और सुलभ श्रमिक-केंद्रित सेवाएं प्रदान करना और उपकर संग्रह एवं निगरानी में पारदर्शिता और दक्षता में सुधार करना है। साथ ही वे बेहतरीन तौर-तरीके साझा करेंगे, केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों और कल्याण बोर्डों के बीच तालमेल को मजबूत करेंगे और निर्माण श्रमिकों तक सामाजिक सुरक्षा, कल्याणकारी योजनाओं और रोज़गार के मौकों को बेहतर ढंग से पहुंचाने के लिए भी प्राथमिकता वाले कदम तय करेंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोनः 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।